{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
गुरुवार 16 अप्रैल 2026
वैशाख कृष्ण 14 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 16, अंक 201
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स - 78,111.24
निफ्टी - 24,231.30
सोना - 1,55,350
चांदी - 2,70,000
डॉलर - 93.27

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

मुठभेड़ के बाद 6 बांग्लादेशी गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली के सरिता विहार इलाके में क्राइम ब्रांच ने मुठभेड़ के बाद 6 बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। ऑपरेशन के दौरान आरोपियों ने पुलिस टीम पर हमला कर फायरिंग की, जिसके जवाब में पुलिस ने भी गोली चलाई और उन्हें दबोच लिया। पुलिस के अनुसार, इस कार्रवाई में कोई घायल नहीं हुआ है। आरोपियों के पास से दो देसी पिस्टल और एक 12 बोर की बंदूक बरामद की गई है, जिनसे तीन राउंड फायर किए गए थे। फिलहाल पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है। यह जांच की जा रही है कि वे दिल्ली में कब से रह रहे थे और क्या उनका किसी आपराधिक गिरोह से संबंध है।

भारत में दो क्वांटम कंप्यूटर की शुरुआत

अमरावती। देश में क्वांटम तकनीक के क्षेत्र में बड़ा कदम उठाते हुए दो क्वांटम कंप्यूटर की शुरुआत की गई है। इन अत्याधुनिक कंप्यूटरों का उद्देश्य जटिल वैज्ञानिक और औद्योगिक समस्याओं का तेज़ समाधान निकालना है। विशेषज्ञों के अनुसार, क्वांटम कंप्यूटर पारंपरिक कंप्यूटरों की तुलना में कई गुना अधिक गति और क्षमता से गणनाएं कर सकते हैं।

परियोजना से जुड़े वैज्ञानिकों ने बताया कि प्रारंभिक चरण में इन प्रणालियों का परीक्षण और शोध कार्यों में उपयोग किया जाएगा। यदि यह पहल सफल रहती है तो अगले दो वर्षों में देशभर में 100 क्वांटम कंप्यूटर स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है। इससे रक्षा, अंतरिक्ष, साइबर सुरक्षा और दवा अनुसंधान जैसे क्षेत्रों में क्रांतिकारी बदलाव आने की उम्मीद है।

सीबीएसई कक्षा 10 का रिजल्ट जारी, डिजिलॉकर और वेबसाइट पर उपलब्ध

नई दिल्ली। सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकंड्री एजुकेशन (सीबीएसई) ने कक्षा 10वीं बोर्ड परीक्षा 2026 का रिजल्ट घोषित कर दिया है। लंबे इंतजार के बाद अब छात्र अपना परिणाम ऑनलाइन माध्यमों के जरिए आसानी से देख सकते हैं। रिजल्ट डिजिलॉकर, मोबाइल ऐप और सीबीएसई की आधिकारिक वेबसाइट सीबीएसई डॉट जीओवी डॉट इन और रिजल्ट डॉट सीबीएसई डॉट निक डॉट इन पर भी छात्र अपना परिणाम चेक कर सकते हैं। इस वर्ष कक्षा 10 की बोर्ड परीक्षाएं 17 फरवरी से 11 मार्च 2026 के बीच आयोजित की गई थीं, जिनमें लगभग 25 लाख छात्र शामिल हुए थे।

सीबीएसई कक्षा 10वीं की परीक्षा में पास होने के लिए छात्रों को प्रत्येक विषय में और कुल मिलाकर कम से कम 33 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य है।

कुछ ना कहना

संसद का तीन दिवसीय विशेष सत्र आज से, विपक्ष ने बैठक कर बनाई रणनीति, खड़गे बोले

महिला आरक्षण का समर्थन लेकिन परिसीमन का विपक्ष करेगा विरोध

नई दिल्ली। संसद का तीन दिवसीय विशेष सत्र गुरूवार से शुरू हो रहा है, जो 18 अप्रैल तक चलेगा। इस सत्र का मुख्य एजेंडा महिला आरक्षण बिल से संबंधित संविधान संशोधन विधेयक को पेश करना और उसे पारित कराना है। महिला आरक्षण विधेयक और उससे जुड़े संशोधनों को लेकर सियासी हलचल तेज हो गई है। राजधानी दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पर विपक्ष की अहम बैठक हुई। इसमें करीब 20 दलों के वरिष्ठ नेताओं ने हिस्सा लिया। बैठक के बाद विपक्ष ने एकजुट रुख दिखाते हुए सरकार के तरीके पर गंभीर आपत्तियां जताईं। मल्लिकार्जुन खरगे ने विपक्षी दलों की बैठक के बाद कहा कि हम सभी महिला आरक्षण बिल के पक्ष में हैं, लेकिन सरकार जिस तरह से इसे लेकर आई है, वह राजनीति से प्रेरित है। हमने हमेशा इस बिल का समर्थन किया है, लेकिन हमारा आग्रह है कि पुराने संशोधनों को लागू किया जाए। सरकार परिसीमन और जनगणना के नाम पर चालें चल रही है। कार्यपालिका के जरिए संविधान की उन शक्तियों को हथिया रही है जो संसद और संस्थाओं के पास होनी चाहिए; इन्होंने पहले भी असम और जम्मू-कश्मीर के परिसीमन में हमें धोखा दिया है। इसलिए हम इस बिल के मौजूदा स्वरूप का एकजुट होकर संसद में विरोध करेंगे।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बुधवार को विपक्षी नेताओं के साथ मीटिंग के बाद बात कही। मीटिंग खड़गे के घर पर हुई, जिसमें राहुल गांधी और टीएमसी, आरजेडी, शिवसेना (यूबीटी), एनसीपी (शरद गुट) और आप नेता भी शामिल हुए। खड़गे ने कहा कि हम महिला आरक्षण के खिलाफ नहीं है लेकिन सरकार इसे राजनीतिक कारणों से आगे बढ़ा रही है ताकि विपक्ष को दबाया जा सके। इसलिए हमने परिसीमन बिल के विरोध का निर्णय लिया है। संसद के विशेष सत्र में तीन बिल लाने वाली है। इनमें संविधान (131वां संशोधन) बिल, परिसीमन विधेयक (संशोधन) और केंद्र शासित प्रदेश कानून (संशोधन) बिल, 2026 शामिल हैं। सरकार का प्रस्ताव लोकसभा की सीटें 543 से बढ़ाकर 850 करना है। इनमें करीब 273 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी। गौरतलब है कि अभी तक सीटों का आधार 1971 की जनगणना थी, जो 2026 तक के लिए मान्य थी। अब सरकार 2011 की जनगणना के आधार पर परिसीमन करने का रही है।

इतनी हड़बड़ाहट क्यों...?

विपक्ष का कहना है कि सरकार महिला आरक्षण बिल को लेकर इतनी हड़बड़ाहट में क्यों है। उनका कहना है कि महिलाओं को एक तिहाई आरक्षण दिया जाए। इसे मौजूदा लोकसभा की 543 सीटों के आधार पर 2029 के चुनाव से ही लागू किया जाए। राहुल गांधी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी महिला आरक्षण का पूरी तरह से समर्थन करती है। संसद ने 2023 में इस बिल को सर्वसम्मति से पास किया था, और अब यह हमारे संविधान का हिस्सा बन चुका है। सरकार अब जो प्रस्ताव ला रही है, उसका महिला आरक्षण से कोई लेना-देना नहीं है। यह संशोधन, परिसीमन और चुनावी क्षेत्रों के मनमाने फेरबदल के जरिए सत्ता पर कब्जा करने की कोशिश है। 2023 में पारित विधेयक को उसकी मूल भावना के अनुरूप लागू किया जाना चाहिए। आरएसपी सांसद एनके प्रेमचंद्रन ने कहा कि सरकार जो संसोधन बिल ला रही है उससे उत्तर भारत में सीटों की संख्या में भारी बढ़ोतरी होगी, लेकिन दक्षिण भारतीय राज्यों के लिए, सीटों में कमी आएगी, क्योंकि उन्होंने भारत सरकार के जनसंख्या नियंत्रण कार्यक्रम को वैज्ञानिक तरीके से लागू किया है। यह अलोकतांत्रिक है। हम उस संविधान संशोधन बिल का विरोध करते हैं, जिसके जरिए परिसीमन किया जाएगा।

यह परिसीमन बहुत खतरनाक है- जयराम रमेश

जयराम रमेश ने कहा कि पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में चुनावी प्रचार चल रहा है। इसी बीच वे ये तीन बिल ले आए हैं। यहां वे एक संविधान संशोधन बिल लाए हैं, जो महिलाओं के लिए आरक्षण और परिसीमन को आपस में जोड़ता है। यह परिसीमन बहुत खतरनाक है। केंद्रीय गृह मंत्री और कई अन्य मंत्रियों ने कहा है कि लोकसभा में संसदीय सीटों की संख्या 50 प्रतिशत बढ़ाई जाएगी, और सभी राज्यों में सीटें आनुपातिक रूप से बढ़ाई जाएंगी। लेकिन, लाए जा रहे इस बिल में इसका कोई जिक्र नहीं है। उन्होंने कहा कि इस बिल के आधार पर, कई राज्यों की सीटों का अनुपात कम हो जाएगा। जिस तरह से परिसीमन आयोग ने जम्मू-कश्मीर और असम में काम किया है, उससे यह साफ हो गया है कि यह आयोग बहुमत हासिल करने के लिए भाजपा के हाथों का एक औजार मात्र है। सभी विपक्षी दल चाहते हैं कि महिलाओं के लिए आरक्षण 543 संसदीय सीटों के आधार पर ही किया जाए। हम परिसीमन से जुड़े प्रावधानों के खिलाफ हैं।

एमपी बोर्ड 10वीं और 12वीं की परीक्षा-2026 का परिणाम घोषित

10वीं में पन्ना की प्रतिभा सोलंकी ने किया टॉप, स्ट्रीम टॉपर सूची जारी

भोपाल। मध्य प्रदेश बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन का कक्षा 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षा 2026 का परिणाम घोषित कर दिया गया है। एमपी बोर्ड इंटरमीडिएट परीक्षा का परिणाम बुधवार को सीएम आवास पर जारी किया गया। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के जरिए परीक्षा परिणामों की घोषणा की। रिजल्ट जारी होने के साथ ही अब स्टूडेंट्स आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर अपना परिणाम चेक कर सकते हैं। एमपी बोर्ड कक्षा 10वीं-12वीं के परिणाम मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के जरिए घोषित किया। इस रिजल्ट को छात्र ऑनलाइन देख सकते हैं। रिजल्ट देखने के लिए छात्रों को अपना रोल नंबर और जरूरी लॉगिन डिटेल्स दर्ज करनी होंगी, जिसके बाद वे अपनी मार्कशीट डाउनलोड कर पाएंगे। एम बोर्ड के नियमों के मुताबिक छात्रों के लिए हर विषय में कम से कम 33फीसदी अंक लाना जरूरी है। अगर कोई छात्र इस मिनिमम मार्क्स को हासिल नहीं कर पाता है, तो उसे फेल माना जाएगा। हालांकि, जो छात्र पास नहीं हो पाए हैं, उन्हें घबराने की जरूरत नहीं है। बोर्ड ने उनके लिए 'सेकंड चांस एग्जाम' की सुविधा दी है। कक्षा 10वीं के सप्लीमेंट्री एग्जाम 7 मई से 19 मई 2026 तक होंगे। कक्षा 12वीं की परीक्षा 7 मई से 25 मई 2026 तक आयोजित की जाएगी। सभी परीक्षाएं सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक एक ही शिफ्ट में होंगी।

एमपी बोर्ड कक्षा 12वीं के स्ट्रीम वाइज टॉपर की सूची

रैंक नाम	मार्क्स
आर्ट्स स्ट्रीम टॉपर लिस्ट	
रैंक 1 श्रुति तोमर	489/500
रैंक 1 आकाश अहिरवार	489/500
रैंक 2 मुस्कान रावत	488/500
रैंक 2 आदित्य चतुर्वेदी	488/500
रैंक 3 दीप्ति रावत	487/500
कॉमर्स स्ट्रीम टॉपर लिस्ट	
रैंक 1 चांदनी विश्वकर्मा	494/500
रैंक 1 खुशी राय	494/500
रैंक 2 मनु शुक्ला	489/500
रैंक 2 आर्ची माहेश्वरी	489/500
रैंक 2 खुशबू पाटीदार	489/500
रैंक 3 श्रुति गर्ग	488/500
रैंक 3 छवि अग्रवाल	488/500
रैंक 3 सानिया गुप्ता	488/500
रैंक 3 सृष्टि सिलावट	488/500
रैंक 3 रोशनी पटेल	488/500
रैंक 3 दीपाली सोनी	488/500
साइंस स्ट्रीम टॉपर लिस्ट	
रैंक 1 श्लोक प्रजापति	493/500
रैंक 2 गौरी शर्मा	491/500
रैंक 2 डॉली पुरवार	491/500
रैंक 2 अर्जुन गुर्जर	491/500
रैंक 3 कान्हा शर्मा	490/500
रैंक 3 मनेंद्र केवट	490/500

आप के सांसद अशोक मित्तल के घर ईडी का छापा, राघव चड्ढा की जगह बने थे उपनेता

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सांसद और मशहूर शिक्षाविद् अशोक मित्तल के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बड़ी कार्रवाई शुरू की है। प्रवर्तन निदेशालय की

टीमों ने मित्तल के पंजाब और हरियाणा स्थित करीब 8 से 9 ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की। सूत्रों के अनुसार, यह कार्रवाई जालंधर स्थित उनके आवास, गुरुग्राम और उनके बेटे से जुड़े ठिकानों पर चल रही है। छापेमारी के दौरान अशोक मित्तल अपने जालंधर स्थित घर पर ही मौजूद थे। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, यह कार्रवाई लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी के फंड से जुड़ी कथित वित्तीय अनियमितताओं और गड़बड़ियों को लेकर की जा रही है। ईडी की टीमें दस्तावेजों और वित्तीय लेन-देन के रिकॉर्ड की गहनता से जांच कर रही हैं। इसके साथ ही डिजिटल सबूत जुटाने के लिए इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस भी खंगाले जा रहे हैं, ताकि फंड फ्लो के वास्तविक स्रोतों और संभावित हेरफेर का पता लगाया जा सके। हालांकि, इस मामले में जांच एजेंसी ने अभी तक कोई आधिकारिक विस्तृत बयान जारी नहीं किया है। अशोक मित्तल को हाल ही में आम आदमी पार्टी ने राज्यसभा में राघव चड्ढा की जगह डिप्टी लीडर नियुक्त किया था। इस नियुक्ति के तुरंत बाद हुई इस कार्रवाई को राजनीतिक हलकों में काफी अहम माना जा रहा है। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने इस रेड पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने सोशल मीडिया पर इसे भाजपा की राजनीतिक साजिश करार देते हुए कहा कि यह आगामी चुनाव की तैयारियों का हिस्सा है। उन्होंने शायराना अंदाज में लिखा, हम वो पत्ते नहीं जो शाख से टूट कर गिर जाएंगे, आँधियों को कह दो अपनी औकात में रहें।

पीएम मोदी ने टीम सम्राट को दी बधाई...

नई टीम के नेतृत्व में बिहार नई ऊंचाई छूएगा

नई दिल्ली। बिहार की राजनीति में बड़े बदलाव के रूप में 'सम्राट युग' की शुरुआत हो चुकी है। सम्राट चौधरी ने मुख्यमंत्री पद की शपथ लेकर राज्य की सत्ता संभाली है। उन्होंने बिहार में लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहे नीतीश कुमार का स्थान लिया, जिनके इस्तीफे और राज्यसभा में जाने के फैसले के बाद यह परिवर्तन संभव हुआ। वहीं शपथ ग्रहण के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सम्राट चौधरी को नई जिम्मेदारी के लिए बधाई दी और उनके नेतृत्व पर पूरा विश्वास जाहिर किया। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संदेश में कहा कि चौधरी की ऊर्जा, जनसेवा के प्रति समर्पण और जमीनी अनुभव बिहार के विकास में अहम होगा। उन्होंने उम्मीद जाहिर कि राज्य उनके नेतृत्व में विकास की नई ऊंचाइयों को छुएगा और सुशासन, पारदर्शिता तथा जनकल्याण के

नए मानक स्थापित करेगा। सम्राट चौधरी ने पटना स्थित राज्यपाल भवन में शपथ ली। उन्हें बिहार के राज्यपाल सैयद अता हसनैन ने पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। 57 वर्षीय चौधरी बिहार के पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के मुख्यमंत्री बने हैं, जो राज्य की राजनीति में एक महत्वपूर्ण बदलाव का संकेत है। उनके साथ विजय कुमार चौधरी और बिजेंद्र प्रसाद यादव ने उपमुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। प्रधानमंत्री मोदी ने इन दोनों नेताओं को भी शुभकामनाएं देकर विश्वास जताया कि उनका अनुभव और जनकल्याण के प्रति प्रतिबद्धता राज्य के विकास को नई दिशा देगी। सम्राट चौधरी का राजनीतिक सफर 1990 के दशक में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) से शुरू हुआ था, लेकिन बाद में वे 2018 में भाजपा में शामिल हो गए। उनकी नियुक्ति न केवल नेतृत्व परिवर्तन का प्रतीक है, बल्कि यह राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के लिए बिहार में एक नए राजनीतिक चरण की शुरुआत भी है।

'सुप्रीम कोर्ट में मंदिर पक्ष का तर्क...धर्म की प्रथा उस समुदाय की आस्था से तय होती, न कि न्यायिक मानकों से

नई दिल्ली। केरल के सबरीमाला मंदिर में महिलाओं के प्रवेश को लेकर सुप्रीम कोर्ट में जारी सुनवाई के दौरान धार्मिक अधिकारों और संवैधानिक सीमाओं पर अहम बहस हुई। सबरीमाला मंदिर का प्रबंधन देखने वाले त्रावणकोर देवस्थनम बोर्ड की ओर से वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने दलील दी कि शीर्ष अदालत को धार्मिक मान्यताओं की सही-गलत की व्याख्या नहीं करनी चाहिए। उनके अनुसार, किसी भी धर्म की प्रथा उस समुदाय की आस्था से तय होती है, न कि न्यायिक मानकों से होती है। वकील सिंघवी ने कहा कि धर्म मूल रूप से एक सामूहिक विश्वास है, इसलिए कुछ व्यक्तियों के अधिकार पूरे समुदाय की धार्मिक स्वतंत्रता पर हावी नहीं हो सकते। उन्होंने स्पष्ट किया कि धार्मिक अधिकारों पर रोक केवल विधि (कानून) के माध्यम से ही लग सकती है, न कि केवल सरकारी आदेशों या निर्देशों से रोक लगा सकते हैं। यदि बिना कानून के हस्तक्षेप हुआ, तब इससे सरकार को मनमाने ढंग से धार्मिक स्वतंत्रता में दखल देने का मौका मिल सकता है।

इस मामले की पृष्ठभूमि में केरल हाईकोर्ट का 1991 का फैसला है, इसमें 10 से 50 वर्ष की महिलाओं के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाया गया था। इसके बाद में सुप्रीम कोर्ट ने 2018 में इस प्रतिबंध को भेदभावपूर्ण बताकर हटा दिया। इसके बाद पुनर्विचार याचिकाओं के आधार पर कई संवैधानिक प्रश्नों पर अब विस्तृत बहस हो रही है।

राउज एवेन्यू कोर्ट ने कहा मनी लॉन्ड्रिंग केस में रॉबर्ट वाड्रा की सुनवाई जारी रहनी चाहिए

नई दिल्ली । दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने चर्चित मनी लॉन्ड्रिंग केस में बड़ा फैसला सुनाते हुए रॉबर्ट वाड्रा समेत कई आरोपियों के खिलाफ ट्रायल का रास्ता साफ कर दिया है। कोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय की शिकायत पर संज्ञान लेते हुए कहा कि पहली नजर में मामला बनता है और इसकी सुनवाई जारी रहनी चाहिए। कोर्ट में पेश किए गए तथ्यों के मुताबिक, गुरुग्राम के शिकोहपुर इलाके में करीब 3.15 एकड़ जमीन की खरीद-फरोख्त में गड़बड़ी का आरोप है। बताया गया कि जमीन का सौदा 7.15 करोड़ रुपये में दिखाया गया, लेकिन उस समय असल भुगतान नहीं हुआ। बाद में ज्यादा रकम ट्रांसफर की गई, जिससे पूरी डील पर सवाल खड़े हुए। नियमों को दरकिनार कर इस जमीन पर कमर्शियल कॉलोनी का लाइसेंस हासिल किया गया और फिर उसी जमीन को करीब 58 करोड़ रुपये में बेच दिया गया। इस सौदे में लगभग 43 करोड़ रुपये का अवैध फायदा कमाने की बात सामने आई है, जिसे बाद में अलग-अलग कंपनियों के जरिए रोटेट कर सफेद किया गया।

भारत-अमेरिका ट्रेड डील पर फिर शुरू होगी बातचीत

भारतीय डेलिगेशन अगले हफ्ते वॉशिंगटन रवाना होगा; नए टैरिफ स्ट्रक्चर पर चर्चा होगी

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका के बीच लंबे समय से रुकी हुई अंतरिम ट्रेड डील को लेकर अगले हफ्ते बातचीत फिर से शुरू होने वाली है। केंद्र सरकार का एक हाई-लेवल डेलिगेशन अगले सप्ताह वॉशिंगटन रवाना होगा। यह दौरा ऐसे समय में हो रहा है जब अमेरिका में टैरिफ नियमों और अदालती फैसलों की वजह से व्यापारिक समीकरण बदल गए हैं। बुधवार को सरकारी सूत्रों ने डेलिगेशन की इस यात्रा की पुष्टि की। पहले इस समझौते पर मार्च में हस्ताक्षर होने की उम्मीद थी, लेकिन डोनाल्ड ट्रम्प शासन के दौरान लागू टैरिफ व्यवस्था और अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के एक हालिया फैसले ने स्थितियों को कठिन बना दिया है।

दोनों देशों ने फरवरी में व्यापार समझौते के पहले चरण के लिए रूपरेखा तैयार कर ली थी। इस फ्रेमवर्क के तहत अमेरिका भारतीय सामानों पर आयात शुल्क यानी टैरिफ घटाकर 18 प्रतिशत करने पर सहमत हो गया था। हालांकि, इसके तुरंत बाद अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने ट्रम्प के लगाए गए कुछ पुराने टैरिफ नियमों को रद्द कर दिया। अदालत के इस फैसले के बाद अमेरिकी प्रशासन ने 24 फरवरी से 150 दिनों के लिए सभी देशों से होने वाले आयात पर 10 प्रतिशत टैरिफ लागू कर दिया है। इसी स्पष्टता की कमी के कारण पिछले महीने होने वाली बैठक टाल दी गई थी।

जब फरवरी में फ्रेमवर्क तैयार हुआ था, तब भारत को अन्य प्रतिस्पर्धी देशों की तुलना में बेहतर स्थिति मिल रही थी। अमेरिका के अन्य देशों पर लगाए गए ऊंचे टैरिफ के बीच भारत के लिए 18 प्रतिशत की दर फायदेमंद थी।

अबू सलेम की रिहाई याचिका खारिज, बॉम्बे हाईकोर्ट ने उम्रकैद में छूट देने से किया इनकार

मुंबई। बॉम्बे हाईकोर्ट ने अंडरवर्ल्ड डॉन अबू सलेम को बड़ा झटका देते हुए उसकी समय से पहले रिहाई और सजा में छूट की याचिका खारिज कर दी है। जस्टिस अजय गडकरी और जस्टिस कमल खाता की डिवीजन बेंच ने गुरुवार को यह फैसला सुनाया और सलेम को किसी भी प्रकार की राहत देने से इनकार कर दिया।

यह याचिका जुलाई 2025 में पहली बार सुनवाई के लिए आई थी। उस समय अदालत ने प्रारंभिक तौर पर इसे कमजोर मानते हुए भी सुनवाई के लिए स्वीकार किया था। हालांकि अंतिम निर्णय में अदालत ने स्पष्ट किया कि सलेम के खिलाफ दर्ज गंभीर अपराधों को देखते हुए उसे किसी प्रकार की रियायत नहीं दी जा सकती। केंद्र सरकार की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल अनिल सिंह ने अदालत में दलील दी कि यह याचिका सुनवाई योग्य नहीं है। उन्होंने कहा कि सलेम का आपराधिक इतिहास बेहद गंभीर है, जिसमें आतंकवाद, हत्या और जबरन वसूली जैसे मामले शामिल हैं। राज्य सरकार ने भी सलेम की याचिका का कड़ा विरोध किया। सरकार ने कहा कि इस तरह के अपराधों में दोषी व्यक्ति को सजा में छूट देना न्याय के सिद्धांतों के खिलाफ होगा। जेल विभाग के अतिरिक्त महानिदेशक सुहास वार्के ने अपने हलफनामे में बताया कि 1993 के बम धमाकों के बाद सलेम देश छोड़कर फरार हो गया था। गौरतलब है कि 1993 मुंबई बम्ब ब्लास्ट मामले में दोषी ठहराए गए सलेम को उम्रकैद की सजा सुनाई गई थी।

यौन उत्पीडन् के आरोपी के घर चला बुलडोजर

अमरावती। महाराष्ट्र में अमरावती जिले के परतवाड़ा में लड़कियों के यौन शोषण के मुख्य आरोपी मोहम्मद अयाज उर्फ तनवीर के घर पर प्रशासन ने बुधवार को बुलडोजर चलाया। जांच के लिए प्रशासन ने 46 सदस्यीय विशेष जांच दल बनाया है। पुलिस ने बताया कि इस मामले में तनवीर समेत 4 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। ये आरोपी लड़कियों को फंसाते थे, फिर उन्हें मुंबई और पुणे ले जाकर अश्लील वीडियो बनाते थे। पुलिस ने इन चारों आरोपियों को आज कोर्ट में पेश किया। जहां उन्हें सात दिन की पुलिस कस्टडी में भेज दिया गया है। दावा है कि आरोपियों के पास 350 से ज्यादा अश्लील वीडियो मिले हैं, जिनसे वह लड़कियों को ब्लैकमेल कर रहे थे। पुलिस ने बताया कि अब तक किसी भी पीड़ित ने शिकायत के लिए सीधे संपर्क नहीं किया है। पुलिस ने पीड़ितों और उनके परिवारों से आगे आकर जांच में सहयोग करने की अपील की है।

ओवरब्रिज निर्माण में मुआवजे को लेकर वार्डवासियों का विरोध

नियम अनुसार मुआवजा देने की मांग, कलेक्टर-एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शहर के वार्ड क्रमांक 10 और 11, भटेरा रोड के निवासियों ने ओवरब्रिज निर्माण के लिए हुए मकान, दुकान एवं भूमि अधिग्रहण में मिल रहे मुआवजे को लेकर असंतोष जताया है। वार्डवासियों ने नियमों के अनुरूप मुआवजा दिलाने की मांग को लेकर कलेक्टर और एसडीएम को ज्ञापन सौंपा।भटेरा रेलवे क्रॉसिंग पर बन रहे ओवरब्रिज को लेकर लगातार विवाद और आपत्तियां सामने आ रही हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि उन्हें भूमि अधिग्रहण के बदले उचित और समान मुआवजा नहीं मिल रहा है, जिससे उनमें नाराजगी बढ़ती जा रही है। वार्डवासियों का कहना है कि उन्होंने पहले भी इस संबंध में बालाघाट विधायक सहित अन्य जनप्रतिनिधियों को शिकायत की थी, लेकिन अब तक कोई ठोस समाधान नहीं निकला है। इसी के चलते 15 अप्रैल को एक बार फिर बड़ी संख्या में नागरिक कलेक्टर और एसडीएम कार्यालय पहुंचे और अपनी मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा। इस दौरान वार्डवासी रशीद अहमद और श्री भोंडेकर ने बताया कि भूमि अधिग्रहण के नियमों के अनुसार निर्धारित समयावधि में मुआवजा मिल जाना चाहिए, लेकिन अब

तक उन्हें पूर्ण भुगतान नहीं किया गया है। साथ ही, उन्हें मिले दस्तावेजों और निर्देशों में भी कई विसंगतियां पाई जा रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि वार्ड क्रमांक 10 और 11 के बीच मुआवजे में असमानता बरती जा रही है। एक क्षेत्र के लोगों को अधिक मुआवजा दिया जा रहा है, जबकि दूसरे क्षेत्र के लोगों को कम राशि मिल रही है, जो पूरी तरह अनुचित है। उनका कहना है कि यदि क्षेत्र व्यावसायिक है, तो सभी को एक समान मुआवजा मिलना चाहिए। वार्डवासियों ने यह भी कहा कि शहरी क्षेत्रों में नियम के तहत दो गुना मुआवजा दिया जाता है, लेकिन यहां इस प्रावधान का भी पालन नहीं किया जा रहा है। रशीद अहमद ने चेतावनी दी कि यदि प्रशासन उनकी मांगों पर ध्यान नहीं देता, तो वे सभी प्रभावित लोगों के साथ उच्च न्यायालय की शरण लेंगे और न्यायोचित मुआवजे के लिए कानूनी लड़ाई लड़ेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि यदि उनके मकान और दुकान टूटते हैं, तो कई परिवारों के सामने रहने का संकट खड़ा हो जाएगा और उन्हें किराए के मकानों में रहना पड़ेगा। बावजूद इसके प्रशासन उनकी समस्याओं को गंभीरता से नहीं ले रहा है। वार्डवासियों ने मांग की है कि प्रशासन जल्द से जल्द इस मामले में हस्तक्षेप कर नियमों के अनुसार उचित मुआवजा सुनिश्चित करे, ताकि प्रभावित लोगों को राहत मिल सके।

मनु कटंगकार ने रचा इतिहास 491 अंक के साथ विद्यालय में प्रथम

प्रदेश मेरिट में 9वीं रैंक हासिल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल द्वारा हाल ही में घोषित कक्षा 10वीं बोर्ड परीक्षा परिणाम में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय आलेझरी की छात्रा कु. मनु कटंगकार ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 491 अंक अर्जित किए हैं। इस उत्कृष्ट उपलब्धि के साथ उन्होंने न केवल विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया। बल्कि प्रदेश की मेरिट सूची में 9वीं रैंक भी हासिल कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है।छात्रा मनु की इस सफलता से पूरे क्षेत्र में हर्ष का माहौल है। उनकी मेहनत, लगन और अनुशासन का यह

परिणाम अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत बन गया है।छात्रा की इस उपलब्धि पर क्षेत्र के जनपद सदस्य जितेंद्र सिंह राजपूत ने उनके निवास पहुंचकर उन्हें शुभकामनाएं दीं। उन्होंने मनु को सम्मानित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की और कहा कि यह सफलता निरंतर प्रयास और समर्पण का परिणाम है।मनु की इस उपलब्धि से उनके परिवार, विद्यालय और पूरे क्षेत्र में गर्व की अनुभूति हो रही है।

मोटर चोरी का खुलासा तिरोड़ी पुलिस ने तीन आरोपियों को किया गिरफ्तार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के थाना तिरोड़ी क्षेत्र में हुई मोटर चोरी की वारदात का पुलिस ने सफलतापूर्वक खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। मामले में एक अन्य आरोपी अभी फरार बताया जा रहा है। जिसकी तलाश जारी है।

क्या है पूरा मामला

12 अप्रैल 2026 को फरियादी दिनेश उइके 42 वर्ष वार्ड नं. 12 गुडरूघाट थाना तिरोड़ी निवासी ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसके खेत में सिंचाई के लिए लगी 1.5 ॥क की पानी की मोटर और ट्रैक्टर में लगने वाली कैचविल चोरी हो गई है।10 अप्रैल की शाम तक मोटर कुएं में लगी हुई थी, लेकिन 11 अप्रैल की सुबह जब वह खेत पहुंचा तो मोटर और कैच चेन दोनों गायब थे। आसपास तलाश करने पर भी कोई सुराग नहीं मिला। चोरी गए सामान की कुल कीमत लगभग 15,000 रुपये बताई गई।इस पर थाना तिरोड़ी में अज्ञात आरोपियों के खिलाफ अपराध क्रमांक 94/2026 धारा 303(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई।

जांच में हुआ खुलासा

जांच के दौरान पुलिस ने संदेही रंजीत उइके 24 वर्ष को हिरासत में लेकर पूछताछ की। उसने अपना जुर्म स्वीकार करते हुए बताया कि उसने अपने साथी किशोर मेश्राम 30 वर्ष के साथ मिलकर चोरी की वारदात को अंजाम दिया।आरोपियों ने चोरी की मोटर को दिलीप परते 32 वर्ष को 2000 रुपये में बेच दिया और कैचविल को ईनू नगपुरे नामक व्यक्ति सावरगांव निवासी को 900 रुपये में बेच दिया।

पुलिस ने बरामद किये सामान

पुलिस ने आरोपियों के पास से चोरी में इस्तेमाल किया गया चाकू बिक्री के बाद बचे नगद रुपये वारदात में प्रयुक्त मोटरसाइकिल (MP50-MR-3819)चोरी की गई मोटर बरामद कर जप्त की है। इस मामले में तीन आरोपी रंजीत उइके,किशोर मेश्राम दोनो ग्राम गुडरुघाट दिलीप परते मिरगपुर निवासी को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय कटंगी में पेश किया गया है। वहीं, एक अन्य आरोपी ईनू नगपुरे फरार है।जिसकी तलाश जारी है।

सराहनीय भूमिका

इस कार्रवाई में थाना प्रभारी उपनिरीक्षक रुद्रकरण मिश्रा सहित पुलिस टीम के सदस्यों सहायक उपनिरीक्षक उमेश दियेवार, आरक्षक संदीप अहिरवार, ललित देशमुख, विकास तोमर और महिला आरक्षक कृतिका बट्टी का विशेष योगदान रहा।

मनका टेकरी दरगाह का एक दिवसीय सालाना उर्स आज

श्रद्धालु करेंगे मनके की खोज ,विभिन्न कार्यक्रमों के होंगे आयोजन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कौमी एकता की मिसाल मनका टेकरी दरगाह में प्रतिवर्ष के अनुसार इस वर्ष भी 16 अप्रैल को मनाया जाने वाला एक दिवसीय सालाना उर्स आज गुरुवार 16 अप्रैल को पारंपरिक रीति-रिवाजों और धार्मिक मान्यताओं के साथ मनाया जाएगा। मनका टेकरी उर्स मुबारक के मौके पर प्रतिवर्ष के अनुसार इस वर्ष भी सिविल लाइन स्थित हजरत सैयद् शाह बाबा की मजार और बसस्टैंड से श्रद्धालुओं द्वारा एक शाही संदल निकाला जाएगा।जो नगर के विभिन्न मार्गों व चौक चौराहों का गस्त करता हुआ, मनका टेकरी दरगाह शरीफ पहुंचेगा, जहां अकीदतमंदो द्वारा मजार शरीफ में फूल व चादर पेश कर फातेहा पढ़ी जाएगी।साथ ही दरगाह शरीफ में देश की सुख समृद्धि आपसी भाईचारे और अमनो अमान की दुआएं मांगी जाएगी।वही दिन रात लंगर, कव्वाली सहित अन्य कार्यक्रमों के आयोजन कर उर्स मुबारक का समापन किया जाएगा

उर्स में विभिन्न राज्यों के लोग होते हैं शामिल

आपको बताए कि इस दरगाह शरीफ में उर्स मुबारक के खास मौके पर केवल स्थानीय ही नहीं बल्कि अन्य जिलों व राज्यों के विभिन्न समुदाय के लोग शामिल होते हैं।इस वर्ष भी महाराष्ट्र एवं छत्तीसगढ़ के विभिन्न शहरों से श्रद्धालु इस सालाना उर्स में शामिल होंगे।वही दरगाह शरीफ में उर्स मुबारक के मौके पर रात में कव्वाली व लंगर ए आम का इंतजाम किया जाएगा।

श्रद्धालु करते हैं मनके की खोज

वैनगंगा नदी तट पर स्थित कलंदर बाबा मेहर अली शाह दरगाह को मनका टेकरी दरगाह के नाम से जाना जाता है। श्रद्धालुओं की मान्यता के अनुसार दरगाह परिसर में मनके यानी एक खास किस्म के कीमती रत्नों की बरसात होती है।इस दरगाह शरीफ में आने वाले लोगों की मन की मुरादे पूरी हो जाती है।इसीलिए दरगाह शरीफ का नाम मनका टेकरी रखा गया है। जहां प्रतिवर्ष आयोजित होने वाले उर्स मुबारक पर लोगों का तांता लगा रहता है।वहीं दरगाह में पहुंचने वाले लोगों को अक्सर मनको की खोज करते देखा जाता है।ऐसा माना जाता है कि जिसे मनका मिल जाता है वह खुद किस्मत होता है और उसकी मन की मुराद पूरी होती है

उर्स आयोजन के लिए नहीं लिया जाता किसी से चंदा

कलंदर बाबा मोहर अली शाह के उर्स मुबारक की विशेषता यह है कि यह कार्यक्रम के लिए किसी से किसी प्रकार का चंदा नहीं लिया जाता बल्कि इस आस्ताने से जुड़े लोग अपने अपने स्तर पर सहयोग कर आयोजन को संपन्न कराते हैं। यह सिलसिला पिछले कई वर्षों से चला आ रहा है, बताया जाता है कि कलंदर बाबा मोहर अली शाह द्वारा किसी से कोई चंदा नही लिए जाने को कहा गया था लिहाजा उनकी आज्ञा का परिपालन यह किया जाता है और किसी से कोई चंदा नहीं लिया जाता।

कौमी एकता का दिखता है मंजर

मनका टेकरी स्थित दरगाह शरीफ उन आस्तानो में शुमार है जहां कौमी एकता का मंजर आप देख सकते हैं, यहां किसी के भी आने जाने में कोई मनाही नहीं है।सभी धर्म और मजहब के लोग यहां आते हैं और शीश झुकाते हैं फिर चाहे वह हिंदू हो या मुसलमान।यहां अक्सर सामाजिक सद्भाव का नजारा देखने को मिलता है।यही कारण बड़ी तादाद में लोग इस आस्ताने से जुड़े हुए हैं और खिदमत को अंजाम देते हैं।

कौमी एकता का प्रतीक है दरबार- रमेश जैतवार

उर्स मुबारक पर आयोजित कार्यक्रमों को लेकर की गई चर्चा के दौरान मनका टेकरी दरगाह में खिदमत को अंजाम दे रहे जयारीन रमेश कुमार जैतवार ने बताया कि यह दरबार कौमी एकता का प्रतीक है।दूर दूर से लोग यहां पर माथा टेकने आते हैं और अपने मन की मुरादे पाते हैं।16 अप्रैल को यहां सालाना उर्स है जिसमें केवल बालाघाट नगर ही नहीं बल्कि विभिन्न राज्यों के लोग आते हैं और विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होते हैं।इस आस्ताने में मन की मुराद पूरी होती है।उर्स मुबारक पर यह मनको की बरसात होती है।अक्सर लोग उर्स मुबारक पर आकर यहां मनके चुनते है। यहां से कई लोगों को फैज मिला है। हम भी कई वर्षों से इस दरबार से जुड़े हैं। यहीं पर सेवा करते हैं जहां कोई भी आयोजन के लिए चंदा नहीं लिया जाता। इस दरबार में लोग मन मांगी मुरादें पाते हैं।

कार्यालय नगरपालिका परिषद वारासिवनी जिला बालाघाट

क्रमांक/ १०८९/ लो.नि.वि./न.पा.प./२०२६ वारासिवनी दिनांक: १५/०४/२०२६

इश्तेहार सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगरपालिका परिषद वारासिवनी जिला बालाघाट द्वारा अपने अधीनस्थ वार्ड क्रमांक-०२ में स्थित डॉ. ऑम्बेडकर मंगल भवन का रेनोवेशन कार्य किया जा रहा है। रेनोवेशन कार्य में भवन से निकले हुए टीन+लोहा की नीलामी की जानी है। जिस हेतु सीलबंद लिफाफे में कार्य का नाम एवं प्रतिकिलो की दर पर आमंत्रित करती है। जो दिनांक २३.०४.२०२६ को समय दोप. ०३.०० बजे तक प्राप्त किये जायेगें। निविदा लिफाफे उसी दिनांक २३.०४.२०२६ को समय सायं ०५.०० बजे निविदाकर्ता एवं उनके प्रतिनिधियों के समक्ष खोली जायेगी।

शर्तें:-

१. निकाय द्वारा किसी प्रकार का अग्रिम नहीं दिया जावेगा।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगरपालिका परिषद वारासिवनी
जिला-बालाघाट

In The Court Of Pranesh Kumar Pran, Principal District and Session Judge, Balaghat
Presiding Officer: प्राणेश कुमार प्राण

आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 8 हिन्दु अप्राप्तव्यता एवं संरक्षकता अधिनियम 1956

प्रकरण क्रमांक **(MJC GW/000014/2026)**

1 काव्यान पिता सुरेन्द्र कुमार धुर्वे

2 कु. गौरवी पिता सुरेन्द्र कुमार धुर्वे दोनों ना.बा. वली मां एवं संरक्षक साधना पति स्व. सुरेन्द्र कुमार धुर्वे

3 साधना धुर्वे पति स्व. सुरेन्द्र कुमार धुर्वे निवासी वार्ड नंबर 13 बूढ़ी बालाघाट वर्तमान निवासी पदस्थ कार्यालय अधीक्षण यंत्री लोक निर्माण विभाग सिवनी जिला सिवनी म.प्र.

.... आवेदकगण

विरूद्ध

आम जनता

.... अनावेदक

Process Id - 336/2026

पेशी दिनांक :- 15/05/2026

(1) आम जनता पता-आम जनता

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती साधना धुर्वे ने संरक्षक एवं प्रतिपाल्य अधिनियम 1956 की धारा 8 हिन्दु अप्राप्तव्यता एवं संरक्षकता अधिनियम के अंतर्गत स्वयं को दोनों बच्चों क्रमशः काव्यान एवं कु. गौरवी का संरक्षक एवं प्रतिपाल्य घोषित करने का आवेदन इस न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया है।

यह कि आवेदिका ने दोनों बच्चों क्रमशः काव्यान एवं कु. गौरवी को अपने और अपने पति स्व. सुरेन्द्र कुमार धुर्वे की संतान होना बताया है। आवेदिका ने उक्त आवेदन में अभिवचनित किया है कि उसे उसके बच्चों का संरक्षक घोषित किया जावे जिससे कि वह अपने बच्चों के हिस्से का एक पुराना मकान जो कि वार्ड नंबर 11 बालाघाट प.ह.नं. 13/2, जिला बालाघाट में नजूल भूमि शीट क्रं. 306 प्लाट नं. 175/3 क्षेत्रफल 535 वर्गफुट में है को विक्रय कर सके।

अतः यदि किसी व्यक्ति को उक्त संपत्ति में आवेदक के अभिभावक/संरक्षक होने संबंधी प्रमाण पत्र जारी किये जाने में कोई आपत्ति हो अथवा उक्त संपत्ति में वह अपना हक समझता हो तो पेशी दिनांक 15-05-2026 को न्यायालय में स्वयं अथवा अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित रहें। सूचना उपरांत यदि अनुपस्थित रहे तो प्रकरण की सुनवाई एक पक्षीय की जाकर प्रकरण का निराकरण किया जावेगा।

न्यायाधीश
प्राणेश कुमार प्राण
प्रधान जिला न्यायाधीश
बालाघाट (म.प्र.)

पूर्व डीएसपी दंपत्ति पर दर्ज केस को लेकर बढ़ा विवाद

पुलिस पेंशनर्स संघ ने निष्पक्ष जांच की उठाई मांग, सौपा ज्ञापन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

सेवानिवृत्त उप पुलिस अधीक्षक (डीएसपी) भरतसिंह चौहान एवं उनकी पत्नी राजश्री चौहान के खिलाफ पन्ना जिले के थाना मण्डला में दर्ज प्रकरण को लेकर अब विवाद गहराता जा रहा है। इस मामले में जिला पुलिस पेंशनर्स संघ ने कड़ा रुख अपनाते हुए पुलिस महानिदेशक, के नाम ज्ञापन पुलिस अधीक्षक बालाघाट के माध्यम से सौंपा है। संघ ने प्रकरण को निराधार बताते हुए इसे तत्काल निरस्त करने और संबंधित पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई की मांग की है।

क्या है पूरा मामला

संघ से पदाधिकारियों के अनुसार 7 अप्रैल 2026 को चौहान दंपत्ति अपनी निजी कार से पन्ना-छतरपुर मार्ग से गुजर रहे थे, इसी दौरान थाना मण्डला क्षेत्र में वाहन चेकिंग के नाम पर उन्हें रोका गया। आरोप है कि मौके पर मौजूद आरक्षक द्वारा बिना पर्याप्त अधिकार के चेकिंग करते हुए दंपत्ति के साथ अभद्र व्यवहार किया गया। संघ ने दावा किया कि घटना के वीडियो में स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है कि दंपत्ति शांतिपूर्वक स्थिति संभालने का प्रयास कर रहे थे, जबकि उनके खिलाफ दर्ज एफआईआर में तथ्यों को तोड़-मरोड़कर प्रस्तुत किया गया है।

चलानी कार्यवाही से निपट सकता था मामला

पुलिस पेंशनर्स संघ ने इस पूरे मामले को अत्यंत गंभीर बताते हुए कहा कि यह केवल एक साधारण यातायात नियम उल्लंघन (सीट बेल्ट) का मामला था, जिसे मौके पर चालान बनाकर निपटाया जा सकता था। लेकिन इसके विपरीत, थाना मण्डला के अधिकारियों द्वारा इसे गंभीर आपराधिक प्रकरण का रूप दे दिया गया और भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के साथ आर्म्स एक्ट भी जोड़ दिया गया, जिसे संघ ने पूरी तरह अनुचित और आधारहीन बताया है। संघ ने यह भी सवाल उठाया कि जब लाइसेंसी बंदूक पति के नाम पर है और पत्नी उसके साथ मौजूद थी, तो उसे अपने पास रखने को अपराध कैसे माना गया, जबकि बंदूक का कोई दुरुपयोग नहीं हुआ। संघ का कहना है कि यह कार्रवाई पुलिस की असंवेदनशीलता और गलत निर्णय का उदाहरण है।

तो प्रदेश स्तरीय आंदोलन किया जाएगा - प्रजापति

ज्ञापन को लेकर की गई चर्चा के दौरान पुलिस पेंशनर्स संघ अध्यक्ष उमाशंकर प्रजापति ने बताया कि लगभग चार दशकों तक पुलिस विभाग में सेवाएं देने वाले 80 वर्षीय वरिष्ठ पेंशनर के साथ इस तरह की घटना दुर्भाग्यपूर्ण है। इससे पूरे प्रदेश के पुलिस पेंशनर्स में आक्रोश व्याप्त है।हमने ज्ञापन में प्रकरण क्रमांक 15/2026 को समाप्त करने, दोषी पुलिसकर्मियों पर सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई करने, मामले की जांच किसी अन्य जिले के वरिष्ठ अधिकारी से कराने तथा पुलिस मैन्युअल के नियमों का पालन सुनिश्चित करने की मांग की गई है यदि इस प्रकरण में निष्पक्ष कार्रवाई नहीं हुई, तो वे प्रदेश स्तर पर आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे। वहीं उन्होंने उम्मीद जताई कि पुलिस प्रशासन इस संवेदनशील मामले में न्याय संगत निर्णय लेते हुए पीड़ित दंपत्ति को राहत प्रदान करेगा।

किराये से देना है

काली पुतली चौक बालाघाट मेन रोड पर स्थित स्टेट बैंक के बाजू में कमरा, ऑफिस एवं दुकान के लिये किराये से देना है।

संपर्क करें- 8516809720

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध

लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता

तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स

मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट

फोनः- 07632-243531

मो:- 8989976858, 9425139998

बालाघाट सिटी न्यूज़
पद्मेश न्यूज
बालाघाट एक्सप्रेस
/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

26 अप्रैल को राज्य सेवा व राज्य वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा 2026 का आयोजन

जिले में 09 केंद्रो पर शामिल होंगे 3866 परीक्षार्थी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग इंदौर द्वारा आगामी 26 अप्रैल को राज्य सेवा व राज्य वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा 2026 का आयोजन किया जा रहा है। यह परीक्षा बालाघाट जिले के 09 परीक्षा केंद्रो पर दो सत्रों में प्रातः 10 से दोपहर 12 बजे एवं दोपहर 2ः15 से 4ः15 तक आयोजित की जाएगी। इस परीक्षा में 3866 परीक्षार्थी शामिल होंगे। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सिंडिकेट बैंक के पास भरवेली बालाघाट में 250, सरस्वती शिशु मंदिर वार्ड नं. 28 सरस्वती नगर बालाघाट में 300, वीरांगना रानी दुर्गावती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय थाना कोतवाली के सामने बालाघाट में 500, शासकीय कमला नेहरू कन्या महाविद्यालय बालाघाट में 500, शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय बालाघाट में 600, शासकीय पॉलीटेक्निक कॉलेज गायखुरी रोड बालाघाट में 400, शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय बालाघाट में 504, अपूर्व कांवेंट हायर सेकेण्डरी स्कूल वार्ड नं. 04 फ्रेंड्स कॉलोनी बैहर रोड बालाघाट में 400 एवं शासकीय एमएलबी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बालाघाट में 412 परीक्षार्थियों के लिए परीक्षा केंद्र बनाया गया है। इस प्रकार बालाघाट के 09 परीक्षा केंद्रो पर कुल 3866 परीक्षार्थी राज्य सेवा एवं राज्य वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा 2026 में शामिल होंगे। जिले के 09 परीक्षा केंद्रो पर 26 अप्रैल को राज्य सेवा एवं राज्य वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा 2026 के सुव्यवस्थित संचालन के लिए 15 अप्रैल को अपर कलेक्टर जीएस धुर्वे की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट कार्यालय में परीक्षा केंद्र से संबंधित विद्यालयों के प्राचार्यों की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में संयुक्त कलेक्टर राहुल नायक, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक निहित उपाध्याय, एसडीएम गोपाल सोनी, जिला शिक्षा अधिकारी अश्विनी उपाध्याय एवं स्वास्थ्य व विद्युत विभाग के अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में बताया गया कि यह परीक्षा निर्विघ्न, सुव्यवस्थित एवं सुचितापूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के लिए आयोग द्वारा नवीन प्रक्रिया अपनायी जा रही है। जिसके अंतर्गत परीक्षा केंद्रो पर सीसीटीवी सर्विलेंस, बायोमेट्रिक फिक्सिंग एवं बीओआईपी की व्यवस्था लागू की जा रही है। इस प्रक्रिया के अंतर्गत समस्त परीक्षा केंद्रो पर परीक्षार्थियों को परीक्षा के 90 मिनट पूर्व अनिवार्य रूप से प्रवेश दिया जाना है। बैठक में प्राचार्यों को निर्देशित किया गया कि वे आयोग के निर्देशानुसार 26 अप्रैल को परीक्षा का संचालन सुनिश्चित करें।

बालाघाट में रातभर चला सघन कॉम्बिंग ऑपरेशन

100 से अधिक फरार आरोपी गिरफ्तार

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

जिले में अपराधियों पर नकेल कसने के उद्देश्य से पुलिस द्वारा 14-15 अप्रैल की दरम्यानी रात एक व्यापक कॉम्बिंग गश्त अभियान चलाया गया। इस विशेष अभियान में 250 से अधिक पुलिस बल ने हिस्सा लिया और विभिन्न थाना क्षेत्रों में एक साथ कार्रवाई करते हुए 100 से अधिक फरार आरोपी एवं वारंटियों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में संचालित इस अभियान में नगर पुलिस अधीक्षक सभी अनुभागीय अधिकारी (पुलिस) तथा थाना प्रभारी स्वयं मैदान में उतरे। पूरी रात चले इस ऑपरेशन के दौरान पुलिस टीमों ने अपने-अपने क्षेत्रों में पहुंचकर छिपे एवं लंबे समय से फरार अपराधियों की धरपकड़ की।

गंभीर मामलों के आरोपी पकड़े गये

अभियान के दौरान चोरी, मारपीट, अवैध वसूली, चाकूबाजी, महिला संबंधी अपराधों सहित अन्य गंभीर मामलों में फरार चल रहे आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। ये सभी आरोपी विभिन्न थानों में दर्ज प्रकरणों में लंबे समय से वांछित थे।कॉम्बिंग अभियान के तहत पुलिस ने 140 से अधिक निगरानीशुदा, गुंडा बदमाशों एवं लिस्टेड अपराधियों की भी गहन चेकिंग की। संदिग्ध गतिविधियों पर विशेष नजर रखते हुए कई लोगों को सख्त चेतावनी दी गई।

कानून व्यवस्था मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम

पुलिस का कहना है कि इस तरह के सघन अभियान आगे भी लगातार जारी रहेंगे।ताकि जिले में सक्रिय अपराधियों, माफिया तत्वों और असामाजिक गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जा सके।इस बड़ी कार्रवाई से जहां लंबित मामलों के जल्द निराकरण का मार्ग प्रशस्त हुआ है वहीं आम जनता में सुरक्षा और विश्वास की भावना भी मजबूत हुई है। बालाघाट पुलिस की यह कार्रवाई जिले में कानून व्यवस्था बनाए रखने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

कलेक्टर ने की नगरीय निकायों के विकास कार्यों की समीक्षा

स्वच्छता सर्वेक्षण में निकायों को रैंकिंग सुधारने गंभीरता से प्रयास करने के निर्देश

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीना ने 15 अप्रैल को जिले के नगरीय निकायों के अधिकारियों की बैठक लेकर नगरीय क्षेत्रों में चल रहे विकास कार्यों एवं योजनाओं की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। बैठक में अपर कलेक्टर डीपी बर्मन, संयुक्त कलेक्टर एवं जिला शहरी अभिकरण के परियोजना अधिकारी राहुल नायक, नगरीय निकाय बालाघाट, वारासिवनी, मलाजखंड, बैहर, कटंगी एवं लांजी के मुख्य नगर पालिका अधिकारी एवं उपयंत्री उपस्थित थे।बैठक में सर्वप्रथम स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत स्वच्छता सर्वेक्षण 2025-26 के कार्यों की समीक्षा की गई। इस दौरान कलेक्टर श्री मीना ने सभी अधिकारियों को सख्त निर्देश दिये कि अपने निकाय की रैंकिंग सुधारने के लिए गंभीरता से प्रयास करें। स्वच्छता सर्वेक्षण में जिन निकायों की रैंकिंग में सुधार नही होगा उनके जिम्मेदार अधिकारी/कर्मचारी के विरूद्ध कडी कार्यवाही की जाएगी। बैठक में स्वच्छता सर्वेक्षण के नोडल अधिकारी अजय पटले के अनुपस्थित पाये जाने पर उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिये गए। अमृत 2.0 के कार्यों की समीक्षा के दौरान हर घर नल से जल पहुंचाने एवं सीवरेज और सेप्?टेज प्रबंधन के कार्यों की जानकारी ली गई। इस दौरान निर्देशित किया गया कि जिन नगरीय निकायों की ड्राईंग डिजाईन अनुमोदन के लिए भोपाल स्तर पर लंबित है उसके लिए स्मरण पत्र जारी किया जाए। बैठक में आईएसएस 2.0 योजना की समीक्षा के दौरान नगरीय क्षेत्रों के अधिक से अधिक पात्र लोगों को आवास ऋण के लिए बैंक में आवेदन कराने के निर्देश दिये गए। श्रमयोगी मानधन योजना के अंतर्गत पंजीयन की समीक्षा के दौरान पाया गया कि इसमें संतोषजनक प्रगति नही हुई है। इस पर जिन निकायों में स्ट्रीट वेंडर के आवेदन कम हुए है उन निकायों के नोडल अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिये गए। बैठक में निर्देशित किया गया कि जिन निकायों में फीश पार्लर का कार्य अब तक पूर्ण नही हुआ है उसे शीघ्रता से पूर्ण कराये। इसी प्रकार नगरीय निकायों के गीता भवन के लिए डीपीआर बनाने के निर्देश दिये गए। बैठक में समग्र ईकेवायसी एवं सीएम हेल्पलाईन के प्रकरणों की भी समीक्षा की गई और नगरीय निकायों को बकाया कर की सख्ती से वसूली करने कहा गया।

प्रवीण सूची में आए विद्यार्थियों ने साझा किए अनुभव, मेहनत और मार्गदर्शन से हासिल की सफलता

शिक्षकों और अभिभावकों का सहयोग बना सफलता की कुंजी, आर्थिक चुनौतियों के बीच भी छात्रों ने रचा इतिहास

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा परीक्षा परिणाम घोषित होने के बाद प्रदेश की प्रवीण सूची में स्थान बनाने वाले छात्र-छात्राओं ने अपने अनुभव साझा किए। विद्यार्थियों ने बताया कि उन्होंने किन परिस्थितियों में कक्षा 10वीं और 12वीं की तैयारी की और भविष्य में क्या लक्ष्य निर्धारित किया है। शहर के उत्कृष्ट विद्यालय की छात्रा अदिति तिवारी ने कक्षा 12वीं के परीक्षा परिणाम में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रदेश की प्रवीण सूची में स्थान बनाया है। अदिति ने 482 अंक प्राप्त कर जीवविज्ञान समूह में प्रदेश स्तर पर 10वां स्थान हासिल किया है, जिससे जिले और विद्यालय का नाम गौरवान्वित हुआ है। अदिति के पिता हितेंद्र तिवारी एवं माता रीता तिवारी दोनों ही प्राथमिक शिक्षक हैं। अदिति ने अपनी इस सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, भाई एवं गुरूजनों को दिया है। उसने बताया कि अभी उसने अपने भविष्य को लेकर अंतिम निर्णय नहीं लिया है, लेकिन वह गणित के क्षेत्र में आगे बढ़ते हुए प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करना चाहती है। उत्कृष्ट विद्यालय बालाघाट की कक्षा दसवीं की छात्रा हिना ने भी अपने अनुभव और अपनी तैयारी को साझा किया, प्रदेश की मेरिट सूची में जिले के अन्य विद्यार्थियों ने भी विभिन्न संकायों में उल्लेखनीय

स्थान हासिल किया है। कला संकाय में शिवम सुरेश अवधिया ने 8वां स्थान प्राप्त किया। गणित समूह में भावना लिंगाजी पटले ने 8वां स्थान हासिल किया। वाणिज्य संकाय में आर्य गिरी इतोशगिरी गोस्वामी ने 10वां स्थान प्राप्त किया। कृषि संकाय में स्वाति तेजराम उइके एवं मृणाली सम्राट धावरे ने 5वां स्थान हासिल किया। वहीं जीवविज्ञान समूह में स्तुति सौरभ जैन ने 3रा स्थान एवं अश्मी अनिल कुमार पाराशर ने 9वां स्थान प्राप्त किया। विद्यार्थियों ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, परिजनों एवं शिक्षकों को दिया। उन्होंने बताया कि उन्होंने घर पर नियमित अध्ययन करते हुए तैयारी की और विद्यालय में शिक्षकों से निरंतर मार्गदर्शन एवं प्रेरणा मिलती रही, जिसका परिणाम आज सामने आया है। छात्रों ने कहा कि वे आगे भी इसी तरह मेहनत कर अपने परिवार और विद्यालय का नाम रोशन करेंगे। रिजल्ट घोषित होने के बाद छात्र-छात्राएं अपने परिजनों के साथ विद्यालय पहुंचे, जहां उन्होंने शिक्षकों को मिठाई खिलाकर आशीर्वाद लिया। इस दौरान अभिभावकों ने भी शिक्षकों का आभार व्यक्त किया। जिले के विभिन्न क्षेत्रों में विद्यार्थियों की सफलता को लेकर खुशी का माहौल देखा गया और कई स्थानों पर जश्न मनाया गया। कई विद्यार्थियों ने यह भी बताया कि आर्थिक स्थिति कमजोर होने के बावजूद उन्होंने अपनी पढ़ाई जारी रखी। माता-पिता के संघर्ष को देखते हुए उन्होंने पूरी लगन और ईमानदारी से अध्ययन किया, जिसका सकारात्मक परिणाम उन्हें मिला है। इस वर्ष कक्षा 10वीं में जहां बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने प्रदेश की प्रवीण सूची में स्थान बनाया, वहीं कक्षा 12वीं में अपेक्षाकृत कम छात्र ही प्रदेश स्तर पर अपनी जगह बना सके।

अतिरिक्त कक्षाओं से मिल रहा बेहतर परिणाम - शरद ज्योतिषी

उत्कृष्ट विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य शरद ज्योतिषी ने बताया कि विद्यालय में शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। विद्यार्थियों के बेहतर परिणाम के लिए नियमित कक्षाओं के साथ अतिरिक्त कक्षाएं भी संचालित की जा रही हैं। साथ ही उन्हें निजी विद्यालयों के समान बेहतर शैक्षणिक वातावरण और सुविधाएं उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है, जिससे अधिक से अधिक विद्यार्थी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकें।

निर्माण श्रमिकों के मेधावी बच्चों को मिलता है 25 हजार का प्रोत्साहन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। राज्य शासन द्वारा निर्माण श्रमिकों के बच्चों को शिक्षा के क्षेत्र में प्रोत्साहित करने के लिए मध्यप्रदेश भवन एवं अन्य सँनिर्माण कर्मकार कल्याण मंडल द्वारा 'सुपर 5000 योजना' वर्ष 2013 से संचालित की जा रही है। इस योजना के तहत कक्षा 10वीं एवं 12वीं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को 25 हजार की एकमुश्त प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाती है। इस योजना के अनुसार, राज्य मेरिट में टॉप 5000 योजना में स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को यह लाभ मिलेगा। कक्षा 10वीं में राज्य स्तर की टॉप 5000 योजना में मेरिट में स्थान होना आवश्यक है, जबकि कक्षा 12वीं में अपने-अपने संकाय (विज्ञान, वाणिज्य, कला) की टॉप 5000 मेरिट योजना में शामिल होना अनिवार्य होगा। इस योजना का लाभ केवल उन्हीं विद्यार्थियों को मिलेगा, जिनके माता या पिता परीक्षा परिणाम जारी होने के पूर्व MPBOCW में पंजीकृत निर्माण श्रमिक हैं तथा जिन्होंने मध्यप्रदेश बोर्ड से परीक्षा उत्तीर्ण की है।

बोलेरो की ठोस से राजमिस्त्री घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। लालबर्रा थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम छिंदलई और चाचेरी मार्ग के मध्य बोलेरो और मोटरसाइकिल के बीच भिड़ंत हो गई। इस भिड़ंत में मोटरसाइकिल में सवार एक राजमिस्त्री गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे उपचार के लिए जिला अस्पताल लाकर भर्ती

कराया गया है। घायल मिस्त्री का नाम ग्राम छिंदलाई निवासी 26 वर्षीय लिकेश पिता भाऊलाल केवट बताया गया है। जिसका जिला अस्पताल में उपचार जारी है।

घर से काम पर चाचेरी जाते वक्त हुआ हादसा

प्राप्त जानकारी के अनुसार छिंदलई निवासी लिकेश केवट नागपुर में राजमिस्त्री का काम करता है, जो करीब दो माह पूर्व अपने घर वापस छिंदलई आया था।बताया गया कि मकान बनाने का काम शुरू होने के चलते वह घर पर ही काम कर रहा था, लेकिन पिछले कुछ दिनों से वह थाना लामता के ग्राम चाचेरी में एक निर्माणाधीन मकान में काम करने के लिए जा रहा था।जहा चाचेरी के मकान मालिक ने उसे आने जाने के लिए अपनी मोटरसाइकिल दी थी।जिसकी मोटरसाइकिल से काम पर जाते समय छिंदलई- चाचेरी जंगल के करीब ग्राम भालेवाड़ा से मजदूरों को लेकर कनकी आ रही बुलेरो के साथ भिडंत हो गई।जिससे मिस्त्री सड़क पर गिरकर घायल हो गया।जिसे उपचार के किए जिला अस्पताल लाकर भर्ती कराया गया है।

उधार दिए रुपए मांगने पर चार लोगों ने एक युवक और उसकी पत्नी से की मारपीट

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मलाजखंड थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम बखारीकोना में उधार दिए रुपए मांगने पर तीन लोगों ने एक युवक उसकी पत्नी को मारपीट कर दिए वहीं पुनः पैसे मांगने पर जान से मार डालने की धमकी दे दी। मलाजखंड पुलिस ने इस मामले में रामचरण राहंगडाले ग्राम कटंगी, रवि पटले भोलू पटले और नेहा पटले सभी निवासी ग्राम नेवरगांव मलाजखंड उसी के विरुद्ध मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में अपराध दर्ज कर लिया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मनोज चौधरी 28 वर्ष खेती किसानी करते हैं। जिनके दादाजी ने दो माह पहले अपने रिश्तेदार रामचरण राहंगडाले को1500 रुपये उधार दिए थे। 12 अप्रैल की रात्रि 10ः00 बजे करीब मनोज चौधरी ने उधारी के पैसे के लिए रामचरण को फोन किया था। रामचरण ने आवेश में आकर बोला कि तुझे कितना पैसा चाहिए मैं तेरे घर आकार देता हूं। और वह मनोज चौधरी को अश्लील गालियां देने लगा। इसके बाद मनोज चौधरी अपने घर के सामने बैठकर फोन से किसी से बात कर रहा था।तभी रामचरण राहंगडाले रवि पटले भोलू पटले नेहा पटले आए और मनोज चौधरी को रुपए मांगने वाला कौन होता है कहकर उसे की लकड़ी से मारपीट करने लगे हल्ला सुनकर मनोज चौधरी की पत्नी साक्षी चौधरी बीच बजाव करने आई तो नेहा पटले ने साक्षी चौधरी और मनोज चौधरी को हाथ बुक्के चप्पल से मारपीट कर और इन लोगों ने मनोज चौधरी को पुनः पैसा मांगने पर जान से मार डालने की धमकी दे दी। बीच बचाव के बाद दोनों पति-पत्नी रिपोर्ट करने के लिए मलाजखंड पुलिस थाना पहुंचे। मलाजखंड पुलिस ने इस मामले में उक्त चारों आरोपियों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 296 115(2(351(3) 333 356(2) 3(5) के तहत अपराध दर्ज कर जान शुरू की है।

मकान सूचीकरण एवं गणना के प्रथम चरण का प्रशिक्षण प्रारंभ, जिला प्रभारी ने किया निरीक्षण

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बालाघाट जिले में जनगणना-2027 के लिए दिनांक 15 अप्रैल 2026 से मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना के प्रथम चरण का प्रशिक्षण विभिन्न तहसीलों में प्रारंभ हो गया है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत वारासिवनी, लालबर्रा, खैरलांजी, बिरसा, कटंगी, तिरोड़ी, किरनापुर एवं लांजी तहसीलों में प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए जा रहे हैं। निदेशालय भोपाल द्वारा नियुक्त जिला प्रभारी कुलदीप चावड़ा ने वारासिवनी, लालबर्रा, खैरलांजी एवं तिरोड़ी तहसीलों के प्रशिक्षण केंद्रों का दौरा कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने चार्ज अधिकारियों, फील्ड ट्रेनर्स, प्रगणकों एवं सुपरवाइजरों से चर्चा कर जनगणना कार्य को सुचारू रूप से संपादित करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने प्रशिक्षण में गुणवत्ता, समयबद्धता एवं सटीक आंकड़ों के संकलन पर विशेष जोर देते हुए कहा कि जनगणना एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य है, जिसमें सभी संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से प्रगणकों एवं सुपरवाइजरों को मकान सूचीकरण, डेटा संकलन एवं संबंधित प्रक्रियाओं की विस्तृत जानकारी दी जा रही है, ताकि आगामी जनगणना कार्य को सफलतापूर्वक संपन्न कराया जा सके।

धर्मांतरण के आरोपों को लेकर पंवार समाज ने प्रशासन को सौंपा ज्ञापन, जाँच दल गठन की मांग

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में कथित रूप से सुनियोजित तरीके से धर्मांतरण कराए जाने तथा विशेष रूप से पंवार समाज को निशाना बनाए जाने के आरोपों को लेकर पंवार समाज बालाघाट एवं राष्ट्रीय पंवार क्षत्रिय महासभा के पदाधिकारियों ने बुधवार को जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। समाजजनों ने इस पूरे प्रकरण को गंभीर बताते हुए त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई की मांग की है। समाज के प्रतिनिधियों ने पुलिस अधीक्षक एवं राज्य के पुलिस महानिदेशक के नाम दिए गए ज्ञापन में उल्लेख किया कि जिले में कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा योजनाबद्ध तरीके से धर्मांतरण की गतिविधियां संचालित की जा रही हैं, जिसमें विशेष रूप से पंवार समाज के लोगों को लक्षित किया जा रहा है। उनका कहना है कि इस प्रकार की गतिविधियां सामाजिक समरसता एवं कानून-व्यवस्था के लिए गंभीर चुनौती बन सकती हैं। ज्ञापन में मांग की गई है कि मामले की निष्पक्ष एवं गहन जांच के लिए विशेष जांच दल का गठन किया जाए। साथ ही आम नागरिकों की शिकायतों और सूचनाओं के लिए एक विशेष हेल्पलाइन नंबर भी जारी किया जाए, ताकि इस प्रकार की गतिविधियों पर प्रभावी निगरानी रखी जा सके। समाजजनों ने भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत दोषियों के खिलाफ तत्काल सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने की भी मांग की है। समाज के पदाधिकारियों ने प्रशासन को अवगत कराया कि यदि समय रहते इस पर अंकुश नहीं लगाया गया, तो भविष्य में यह समस्या और गंभीर रूप ले सकती है। उन्होंने प्रशासन से संवेदनशीलता के साथ इस मुद्दे को लेते हुए शीघ्र ठोस कदम उठाने की अपील की है। इस अवसर पर पंवार समाज के प्रतिनिधि मंडल में राष्ट्रीय महासभा के महासचिव अर्पण बिसेन, जिला अध्यक्ष विशाल बिसेन, जिला महासचिव डॉ. राजेंद्र कटरे, जिला संरक्षक बी.एल. चौधरी एवं रेखचंद देशमुख, जिला कोषाध्यक्ष शैलेन्द्र रहांगडाले, जिला उपाध्यक्ष श्रीमती गायत्री बिसेन, जिला सह सचिव अधिवक्ता अजय बिसेन, वरिष्ठ उपाध्यक्ष अधिवक्ता आनंद बिसेन एवं मनोज भैरम, सह सचिव अधिवक्ता भूपेन्द्र भैरम, जिला उपाध्यक्ष आशुतोष बिसेन, जिला संयोजक गुणेन्द्र पटले, युवा प्रकोष्ठ संरक्षक महेंद्र अमूले, संयुक्त सचिव अवलेश पारधी, सदस्य सुशील रहांगडाले तथा वरिष्ठ समाजसेवी भगत जी सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।

लालबर्रा ब्लॉक का प्रदेश की प्रावीण्य सूची में रहा जलवा

कक्षा दसवी में 5 तो बारहवी के 3 विद्यार्थियों ने प्रदेश की प्रावीण्य सूची में पाया स्थान , माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल ने घोषित किया 10 वी और 12 वी बोर्ड परीक्षा का परिणाम

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल के द्वारा १५ अप्रैल को प्रातः ११ बजे कक्षा १० वीं एवं १२ वीं बोर्ड परीक्षा का परिणाम घोषित किया गया है। साथ ही परीक्षा परिणाम जारी होते ही प्रदेश, जिले व ब्लॉक में टॉप किये छात्र-छात्राओं के घरों में बधाई देने का दौर जारी है। माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल द्वारा जारी की गई कक्षा १० वीं एवं १२ वीं के परीक्षा परिणाम में प्रदेश की प्रावीण्य सूची में लालबर्रा ब्लॉक का जलवा देखने को मिला। जिसमें कक्षा १२ वीं में ३ तो कक्षा १० वीं के ५ विद्यार्थियों ने प्रदेश के प्रावीण्य सूची में स्थान प्राप्त कर विद्यालय एवं लालबर्रा विकासखण्ड का नाम गौरवांवित किया है। जिसमें कक्षा १२ वीं के परिणामों में वैदिक कॉन्वेंट स्कूल लालबर्रा की छात्रा स्तुति जैन ने अपनी शैक्षणिक उत्कृष्टता का लोहा मनवाते हुए पूरे प्रदेश में तृतीय स्थान प्राप्त किया है। वहीं इसी विद्यालय की छात्रा अश्मि पारासर ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रदेश की मेरिट सूची में नौवां स्थान तो शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बल्हारपुर के छात्र शिवम अवधिया ने आठवां स्थान प्राप्त कर क्षेत्र को गौरवान्वित किया है। इसी तरह हाई स्कूल परीक्षा परिणामों में लालबर्रा विकासखंड के पांच विद्यार्थियों ने टॉप-१० में जगह बनाकर यह सिध्द कर दिया कि संसाधनों से ज्यादा संकल्प मायने रखता है और प्रदेश की प्रावीण्य सूची में स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों में शासकीय उ.मा.वि. बल्हारपुर के छात्र दिव्यांश पिता राजकुमार चावके ने प्रदेश में ५ वां स्थान, शासकीय उमावि. जाम के विनायक पिता शिवकुमार ठाकरे और शासकीय स्कूल लेंडेझरी के पियूष पिता दावन लाल टेंभरे ने संयुक्त रूप से प्रदेश में ७ वां स्थान एवं शासकीय बालक हायर सेकेंडरी स्कूल लालबर्रा की दो छात्रा अंशु राहंगडाले पिता खिलेश्वर राहंगडाले और माही राहंगडाले पिता भूपेंद्र राहंगडाले ने प्रदेश की सूची में १० वां स्थान प्राप्त कर क्षेत्र का नाम रौशन किया है। वहीं छात्र अंशु राहंगडाले, माही राहंगडाले के पिता कृषक है और उनके द्वारा कम संसाधनों में कठिन परिश्रम कर यह सिध्द कर दिया कि सफलता के लिए संसाधन नही बल्कि कठिन परिश्रम, अनुशासन व दृढ निश्चय जरूरी होता है। वहीं सभी विद्यार्थियों ने प्रदेश के प्रावीण्य सूची में स्थान प्राप्त करने पर इस सफलता का श्रेय अपने शिक्षकगणों व परिजनों को दिया है।

परिणाम जारी होते ही कही खुशी, कही गम

कक्षा १० वीं एवं १२ वीं बोर्ड परीक्षा का परिणाम घोषित होते ही छात्र-छात्राओं ने इंटरनेट व मोबाईल के माध्यम से परीक्षा परिणाम देखा। जिसके बाद जिन विद्यार्थियों ने अच्छे अंकों से उत्तीर्ण हुए है उनके चेहरों पर खुशी नजर आई। वहीं दूसरी ओर जिन विद्यार्थियों के कम अंक आये हैं वे मायूस नजर आये। वहीं कई विद्यार्थियों का कहना है कि जिस तरह से पेपर बनाये थे उसके अनुसार अंक नही मिले है। साथ ही परिणाम देखने के बाद कक्षा १० वीं और १२ वीं के विद्यार्थियों ने अपने साथियों से संपर्क कर परिणाम जानकर एक-दुसरे को शुभकामनाएं दी एवं प्रदेश के प्रावीण्य सूची में स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के घरों एवं स्कूलों में स्कूल प्रबंधन व उनके चित-परिचितों के द्वारा मिठाईयां खिलाकर एवं कुछ दूरभाष पर शुभकामनाएं दी। परीक्षा परिणाम घोषित होने के बाद स्कूल प्रबंधन के द्वारा भी छात्र-छात्राओं की मेरिट सूची तैयार की जा रही है।

क्षेत्र में हर्ष की लहर

कक्षा १० वीं, १२ वीं का परीक्षा परिणाम घोषित होने के बाद लालबर्रा विकासखण्ड के एक साथ ८ से अधिक विद्यार्थियों के प्रदेश स्तरीय सूची में नाम आने से संपूर्ण क्षेत्र में हर्ष व्याप्त है। जैसे ही परिणाम घोषित हुए स्कूलों में मिठाइयां बांटी बांटकर खुशिया मनाई। वहीं क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों और शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने सभी सफल छात्र-छात्राओं के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए इसे शिक्षकों और अभिभावकों के कठिन परिश्रम का प्रतिफल बताया है। साथ ही यह लालबर्रा के लिए गौरवशाली क्षण है। ग्रामीण अंचल के बच्चों ने अपनी मेहनत से सिध्द कर दिया कि वे किसी भी स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम हैं।

स्वयं पर विश्वास रखकर करें पढ़ाई - दिव्यांश

छात्र दिव्यांश चावके ने बताया कि मेरे द्वारा जिस तरह से तैयारी की गई थी उसके अनुसार परीक्षा परिणाम आया है और प्रदेश में पांचवा स्थान प्राप्त किया है जिससे मैं संतुष्ट हुं। इस सफलता का श्रेय भाई-बहन, माता-पिता एवं गुरूजनों को देना चाहूंगा जिन्होंने मेरा समय-समय पर मार्गदर्शन किया और मेरी हर समस्या का समाधान कर मुझे सहयोग प्रदान किया। श्री चावके ने बताया कि मैं नियमित ८ से ९ घंटे पढ़ाई करता था, मेरा लक्ष्य मेडिकल फील्ड में जाना है, मैं नियमित स्कूल में क्लास लगता था। अपने छोटे भाई-बहनों से यही कहना चाहूंगा कि स्वयं पर विश्वास रखकर पढ़ाई करें, यदि नंबर काम भी आते हैं तो आगे और मेहनत करके बेहतर परिणाम की इच्छा के साथ अधिक परिश्रम के साथ तैयारी करें, सफलता अवश्य मिलेगी।

नीट की तैयारी कर डॉक्टर बनना है - स्तुति

छात्रा स्तुति जैन ने बताया कि स्कूल के माध्यम से मुझे जानकारी मिली कि कक्षा १२ वीं के परीक्षा परिणाम जारी किया गया है। जिसमें प्रदेश की प्रावीण्य सूची में तीसरा स्थान मिला है जिससे सभी खुश है और मुझे भी अपने आप पर बहुत गर्व महसूस हो रहा है। यह माता-पिता एवं शिक्षकों का सहयोग से मुझे यह सफलता मिली है। मुझे भविष्य में डॉक्टर बनना है और अब आगे में नीट की तैयारी करके डॉक्टर की पढ़ाई करना चाहूंगी। कु. जैन ने बताया कि मैं रोजाना स्कूल जाती थी, स्कूल से जो मुझे होमवर्क मिलता था उसे पूरा करती थी और स्कूल में जो पढ़ाया जाता था उसे घर पहुंचकर पुनः पढ़ती थी, एनसीआरटी से पढ़ाई की थी और मुझे स्कूल स्टाफ का भी बहुत सहयोग मिला, मेरा पढ़ाई का नियमित कोई टाइम टेबल नहीं था, स्कूल में जो शिक्षक पढ़ाते थे। उसी के घर में अगर अभ्यास करती थी क्योंकि स्कूल हमें पढ़ाई के साथ-साथ अनुशासन भी सीखाता है और अनुशासन में रहकर जो बच्चे पढ़ाई करते हैं उन्हें निश्चित ही सफलता मिलती है। मैं अपने जूनियरों से यही कहना चाहूंगी कि वे अनुशासन में रहे और शिक्षकों के द्वारा जो मार्गदर्शन दिया जाता है उसे मार्गदर्शन के अनुसार तैयारी करें तो परिणाम अच्छे आयेगें।

प्रतियोगी परीक्षा की करनी है तैयारी - शिवम

छात्र शिवम अवधिया ने बताया कि परीक्षा की तैयारी के दौरान कक्षा १२ वीं में ९९ प्रतिशत का लक्ष्य मेरे द्वारा निर्धारित किया गया था और इस लक्ष्य के आधार पर ही मेरे द्वारा तैयारी की जा रही थी और मेरा लक्ष्य प्रदेश की प्रावीण्य सूची में प्रथम स्थान हासिल करना था लेकिन आठवां स्थान मिला है। आगे अब प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर शासकीय सेवा में जाना है।

बिटिया ने किया है सपना साकार - स्नेह

श्रीमती स्नेह जैन ने बताया कि बेटी स्तुति जैन ने कक्षा १२ वीं में प्रदेश की प्रावीण्य सूची में तीसरा स्थान प्राप्त कर टॉप किया है। उसकी इस सफलता से हमारा पूरा परिवार गौरवांवित महसूस कर रहा है और उसकी सफलता से मुझे यह लग रहा है कि जो सपना मैंने देखा था उसे मेरी बिटिया ने साकार किया है। उसके द्वारा परीक्षा के पहले जिस तरह से मेहनत की गई थी उसे यहां लग रहा था कि वह इस परीक्षा में निश्चित ही अच्छी सफलता हासिल करेगी और रिजल्ट आने के बाद वह सच हुई। श्रीमती जैन ने बताया कि मेरे द्वारा सिर्फ उसे यही सीख दी गई है कि वह अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करें, किसी अन्य बच्चों पर ध्यान न दे और किसी से जलन की भावना न रखें। अभिभावकों को हमेशा अपने बच्चों को प्रोत्साहित करना चाहिए, उन्हें यह विश्वास दिलवाना चाहिए कि उनका बच्चा बहुत अच्छा कर सकता है।

विद्यालय की दो छात्राओं ने प्रदेश की प्रावीण्य सूची में पाया स्थान - सनत

उत्कृष्ट विद्यालय लालबर्रा प्राचार्य सनत दुबे ने बताया कि एमपी बोर्ड के परीक्षा परिणाम जारी किये गये हैं। जिसमें प्रदेश की कक्षा १० वीं की मेरिट सूची में हमारे विद्यालय से दो छात्राओं ने दसवां स्थान प्राप्त किया है। जिसमें माही राहंगडाले और अंशु राहंगडाले है, दोनों ही बच्चियां ग्रामीण परिवेश की है और किसान मजदूर परिवार से संबंध रखती हैं। श्री दुबे ने कहा कि जो कहावत है कि प्रतिभाएं छूपाये नहीं छुपती, उस कहावत को इन बच्चों ने चरितार्थ किया है और विद्यालय का परीक्षा परिणाम प्रतिवर्ष के अनुसार इस वर्ष भी बेहतर रहा है।

बेहतर परीक्षा परिणाम के लिए नियमित स्कूल आये विद्यार्थी - तुरकर

वैदिक कॉन्वेंट हायर सेकेंडरी स्कूल के प्राचार्य टीके तुरकर ने बताया कि विद्यालय की कक्षा १२ वीं की दो छात्राओं ने प्रदेश की प्रावीण्य सूची में स्थान प्राप्त किया है। जिसमें स्तुति जैन ने ९७.८ प्रतिशत के साथ तृतीय एवं अश्मि पाराशर ने ९६.६ प्रतिशत अंक के साथ नौवां स्थान प्राप्त किया है। स्कूल स्टाफ बच्चों की पढ़ाई के लिए बेहद मेहनत करता है, उन पर विशेष ध्यान देता है, उसी का परिणाम है कि आज हमारे स्कूल के दो बच्चे प्रदेश की प्रावीण्य सूची में शामिल हुए हैं। श्री तुरकर ने बताया कि बच्चों में पढ़ाई के साथ-साथ अनुशासन का होना भी बहुत जरूरी है और माता-पिता का सहयोग भी उनकी सफलता में अहम भूमिका निभाता है। यह शिक्षक और बच्चों के बीच के आपसी तालमेल का ही परिणाम है कि बच्चों ने प्रदेश की प्रावीण्य सूची में अपना नाम दर्ज करवाया है। बच्चों को यदि सफलता प्राप्त करनी है तो नियमित स्कूल आना होगा क्योंकि नियमित स्कूल आने से उनकी अच्छी पढ़ाई होगी।

महाविद्यालय में सियाचिन एवं मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार नगर मुख्यालय स्थित शासकीय महाविद्यालय लालबर्रा में स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के द्वारा बुधवार को "सियाचिन दिवस एवं मानसिक स्वास्थ्य" कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम महाविद्यालय के प्राचार्य सुमन बरवा की अध्यक्षता में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने माँ सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया। कार्यक्रम में सियाचिन की चुनौतियों से संबंधित विडियों का प्रसारण महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं के बीच किया गया। जिसके पश्चात मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित जानकारी डॉ. प्रदीपकुमार भिमटे द्वारा विद्यार्थियों को दी गई। कार्यक्रम का मंच संचालन नरेश सौलखे एवं आभार डॉ. कामाक्षा बिसेन के द्वारा किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ. सुरेन्द्र कुमार खण्डायत, डॉ. संगीता मेश्राम, डॉ. देवराज चौरे, डॉ. निर्मल कीर्ति गेडाम, डॉ. हषिकेश पटेल, श्रीमती संध्या भलावे, डॉ. आशा कारे, श्रीमती अनिभा शरणागत, डॉ. आरती विश्वकर्मा, पीतम मुरते, व्यकंट नगपुरे, श्रीमती सरिता एडे, रामदयाल मधारे, लकेश गेड़ाम, श्रीमती वंदना कुवें, कु.सोनम हरिनखेडे, मिनेश पंचेश्वर, निशांत तलवरे एवं विद्यार्थियों का सराहनीय योगदान रहा।

शिक्षा से ही संभव है समाज और राष्ट्र का उत्थान-कावरे

बघोली में महात्मा फुले एवं माता सावित्रीबाई फुले की प्रतिमा का किया गया अनावरण

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। शिक्षा के अग्रदूत महात्मा ज्योतिबाराव फुले और प्रथम महिला शिक्षिका माता सावित्री बाई फुले की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से १५ अप्रैल को बघोली स्थित स्कूल ग्राउंड में एक भव्य प्रतिमा अनावरण समारोह कार्यक्रम संपन्न हुआ। आयोजित इस गरिमामय कार्यक्रम में सामाजिक एकजुटता और वैचारिक चेतना का अनूठा संगम देखने को मिला। यह कार्यक्रम पूर्व राज्यमंत्री रामकिशोर कावरे के मुख्य आतिथ्य, मरार माली समाज अध्यक्ष कैलाश माले की अध्यक्षता एवं जिला पंचायत सभापति झामसिंह नागेश्वर, नगर पालिका वारासिवनी की अध्यक्ष सरिता मनोज दांन्दरे के विशेष आतिथ्य में प्रारंभ हुआ। कार्यक्रम की शुरूआत वैदिक मंत्रोच्चार और पूजा-अर्चना के साथ हुई, जिसके बाद अतिथियों ने प्रतिमाओं का विधि-विधान से अनावरण कर माल्यार्पण किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व मंत्री रामकिशोर कावरे ने कहा कि महात्मा फुले और माता सावित्रीबाई फुले ने उस दौर में शिक्षा की अलख जगाई थी, जब समाज अंधकार में था। आज हम जिस मुकाम पर हैं, वह इन महापुरूषों के संघर्षों और बाबा साहब द्वारा रचित संविधान की देन है। श्री कावरे ने संविधान की बारीकियों का बखान करते हुए समाज को अपने अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक रहने का आव्हान करते हुए कहा कि सामाजिक विकास में युवाओं की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए समाज के १० वीं और १२ वीं कक्षा के होनहार बच्चों को पुरस्कृत किया जायेगा। साथ ही यह भी कहा कि महापुरूषों की ये प्रतिमाएं आने वाली पीढ़ियों को निरंतर संघर्ष और सफलता की प्रेरणा देती रहेंगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि जब तक हमारा युवा वर्ग शिक्षित नहीं होगा, तब तक समाज सर्वांगीण उत्थान संभव नहीं है। शिक्षा ही वह माध्यम है जिससे आने वाली पीढ़ियां सशक्त होंगी और समाज प्रगति की मुख्यधारा में आगे आयेगी। मरार माली समाज महिला प्रकोष्ठ लालबर्रा अध्यक्ष श्रीमती ज्ञानेश्वरी भाऊराम गाड़ेश्वर ने शिक्षा और समाज सुधार पर विशेष जोर देते हुए देश के महान समाज सुधारक महात्मा ज्योतिबाराव फुले और माता सावित्रीबाई फुले के संघर्षों को याद करते हुए कहा कि उन्होंने आधुनिक भारत में शिक्षा की अलख जगाने का कार्य किया है। आज हम जिस स्वतंत्र और जागरूक समाज में जी रहे हैं, उसकी नींव फुले दंपत्ति ने विषम परिस्थितियों में शिक्षा का प्रसार करके रखी थी। आगे उपस्थित जनसमूह से अपील करते हुए कहा कि हमें अपने बेटे और बेटियों के बीच भेदभाव मिटाकर दोनों को उच्च शिक्षा दिलानी चाहिए। इस अवसर पर महिला प्रकोष्ठ लालबर्रा की अध्यक्ष ज्ञानेश्वरी भाऊराम गाड़ेश्वर, पूर्व जिला पंचायत सदस्य श्रीमती सरिता माले, पूर्व अध्यक्ष श्यामलाल पंचेश्वर, कोमल पंचेश्वर, रजलाल मानेश्वर, संतोष पंचेश्वर, अरविन्द पंचेश्वर, श्रीराम नागेश्वर और तेजलाल नागेश्वरर सहित बड़ी संख्या में सामाजिक पदाधिकारी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। वहीं कार्यक्रम के अंत में समाज के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर बघोली पूर्व सरपंच शहजादा पटेल, पूर्व सरपंच प्रति. अनिल बिसेन, नारायण यादव, खेमलाल साहू, लक्ष्मीचंद पंचेश्वर, बालकिशोर चौधरी, रामसहाय गाड़ेश्वर, शंकरलाल माने, सरवन चौधरी, रामदयाल बाहेश्वर, दिलीप कावरे, येसनलाल पंचेश्वर, सेवकराम ठाकरे, ईश्वरदयाल मानेश्वर, रामप्रसाद मानेश्वर सहित सैकड़ों की संख्या में सामाजिक बंधु उपस्थित रहे।

पंकज पंचेश्वर का मिलिट्री इंजीनियरिंग सर्विस में जूनियर इंजीनियर पद पर चयन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लालबर्रा में पदस्थ जे.के. पंचेश्वर (एनएमए) के भांजे पंकज पंचेश्वर का चयन मिलिट्री इंजीनियरिंग सर्विस (एमईएस) में जूनियर इंजीनियर के पद पर हुआ है। पंकज ने अपनी इस सफलता से न केवल अपने परिवार, बल्कि पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है। पंकज पंचेश्वर ने अपनी इस उपलब्धि का श्रेय अपने अथक परिश्रम, दृढ़ संकल्प और आत्मविश्वास को दिया हैं। साथ ही उन्होंने सिध्द कर दिया है कि कड़ी मेहनत से किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। उनकी यह सफलता मरार समाज के लिए भी अत्यंत गौरव का विषय है। पंकज पंचेश्वर का मिलिट्री इंजीनियरिंग सर्विस में जूनियर इंजीनियर के पद पर चयन होने से उनके परिजनों एवं इष्टमित्रों एवं शुभचिंतकों में हर्ष की लहर व्याप्त है और सभी ने उन्हे शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है। वहीं पंकज की इस कामयाबी के पीछे उनके पिता परशुराम पंचेश्वर, माता श्रीमती रेशमा पंचेश्वरर निवासी ग्राम पाथरवाड़ा, कटंगी एवं मामा जे.के. पंचेश्वर के मार्गदर्शन एवं निरंतर समर्थन का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। पंकज पंचेश्वर का कहना है कि माता-पिता द्वारा दिये गये संस्कारों ने उन्हें कभी हार न मानने की सीख दी, जो उनकी सफलता की मजबूत नींव बनी। पंकज पंचेश्वर का जूनियर इंजीनियर पद पर चयनित होने के बाद समाज के युवाओं के लिए प्रेरणा स्त्रोत बन गये है। उन्होंने अपनी इस उपलब्धि के लिए उन सभी शुभचिंतकों का आभार व्यक्त किया है, जो इस सफर में उनके मार्गदर्शक और प्रेरणा स्त्रोत रहे हैं।

पीजी कॉलेज में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई डॉ. अंबेडकर जयंती

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बालाघाट में 14 अप्रैल 2026 को अंबेडकर जयंती के अवसर पर शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय में भव्य एवं गरिमामय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार मराठे की अध्यक्षता में संपन्न हुआ, जिसमें लगभग 450 विद्यार्थियों, प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों की उत्साहपूर्ण उपस्थिति रही। कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय के प्राध्यापकों ने डॉ. भीमराव अंबेडकर के जीवन, शिक्षा, सामाजिक सुधार एवं राष्ट्र निर्माण में उनके अमूल्य योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। वक्ताओं ने बाबा साहेब को भारतीय संविधान के शिल्पकार एवं सामाजिक न्याय के अग्रदूत के रूप में स्मरण करते हुए उनके विचारों को आज भी प्रासंगिक बताया। इस अवसर पर महाविद्यालय परिवार द्वारा बाबा साहेब के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। प्राचार्य डॉ. मराठे ने अपने उद्बोधन में कहा कि बाबा साहेब के आदर्श विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा स्रोत हैं और उनके विचारों को अपनाकर ही समाज में समानता एवं जागरूकता लाई जा सकती है। उन्होंने विद्यार्थियों को शिक्षा के माध्यम से आत्मविकास करने का संदेश दिया। कार्यक्रम का संचालन मेजर आर.एन. झारिया द्वारा किया गया, जबकि अंत में आभार प्रदर्शन डॉ. गजानन कटरे एवं डॉ. प्रशांत ढहाटे ने किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के अनेक प्राध्यापक, कर्मचारी एवं छात्र-छात्राओं ने सक्रिय सहभागिता निभाई।

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

१५ अप्रैल का दिन वारासिवनी और खैरलांजी क्षेत्र के लिए स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज हो गया है। मध्य प्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा घोषित हाई स्कूल और हायर सेकेंडरी परीक्षा परिणामों में इस क्षेत्र की सात होनहार छात्राओं ने अपनी मेधा का लोहा मनवाते हुए प्रदेश की प्रवीण्य सूची में गौरवपूर्ण स्थान हासिल किया है। हाई स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा में ५ छात्राओं एवं हायर सेकेंडरी की चुनौतीपूर्ण परीक्षा में भी वारासिवनी की २ छात्राओं ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए कुल ७ छात्राओं ने प्रदेश की मेरिट सूची में स्थान सुनिश्चित किया। वहीं जिले की हाई एवं हायर सेकेंडरी सूची में १२ छात्र छात्राओं के द्वारा सफलता हासिल की गई है,जिसमें हाई स्कूल में ७ और हायर सेकेंडरी में पांच छात्र छात्राएं शामिल है। इन्होने विषयों पर अपनी गहरी पकड़ और उत्कृष्ट लेखन शैली के दम पर उन्होंने यह मुकाम हासिल किया है।

म.प्र. बोर्ड रिजल्ट: वारासिवनी-खैरलांजी की बेटियों ने रचा इतिहास

प्रदेश की मेरिट सूची में सात छात्राओं का, जिले में 12 छात्र छात्राओं का दबदबा

हौसलों की उड़ान संघर्ष को पछाड़कर अक्षरा बनीं प्रदेश की टॉपर

माध्यमिक शिक्षा मंडल मध्य प्रदेश द्वारा घोषित हाई स्कूल परीक्षा परिणामों में बालाघाट जिले की बेटी ने प्रदेश स्तर पर सफलता का परचम लहराया है। खैरलांजी विकासखंड के अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय छतेरा की छात्रा अक्षरा घोड़ेश्वर पिता स्वर्गीय अनिल घोड़ेश्वर ने ९९.६ प्रतिशत अंक ५०० में से ४९८ अंक अर्जित कर प्रदेश की प्रावीण्य सूची में दूसरा स्थान प्राप्त किया है। अक्षरा के जीवन की यह उपलब्धि इसलिए भी खास है क्योंकि वह ग्राम टुईयापार की रहने वाली अक्षरा का यह सफर चुनौतियों भरा रहा है। पिता और भाई के असामयिक निधन के बाद वह अपनी माता और एक बहन के साथ रहकर अपनी पढ़ाई जारी रख रही हैं। विपरीत पारिवारिक परिस्थितियों के बावजूद अक्षरा ने हार नहीं मानी और अपनी मेहनत के दम पर आज पूरे जिले को गौरवान्वित किया है। उनकी माता मेहनत मजदूरी कर दोनों बेटियों की शिक्षा और पालन पोषण का काम कर रही है। छात्रा अक्षरा घोडेश्वर ने अपनी सफलता का श्रेय शिक्षकों और अपनी माँ को देते हुए बताया कि उनका लक्ष्य ९९ प्रतिशत से अधिक अंक लाने का था। जिसके लिए वह नियमित रूप से रात ११ बजे तक पढ़ाई करती थीं। अक्षरा का सपना अब जीव विज्ञान विषय लेकर भविष्य में डॉक्टर बनकर समाज की सेवा करना है। उन्होंने अपने अनुजों को संदेश देते हुए कहा कि निरंतर कड़ी मेहनत ही सफलता की एकमात्र कुंजी है।

सफलता का चौका आइडियल पब्लिक स्कूल ने फिर रचा इतिहास, छात्रा माही सुलाखे प्रदेश की टॉप.१० सूची में शामिल

नगर की प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्था आइडियल पब्लिक स्कूल ने एक बार फिर अपनी उत्कृष्टता सिद्ध की है। शिक्षा जगत और सामाजिक उत्थान में २५ वर्षों से सक्रिय इस संस्थान ने लगातार चौथी बार मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल की बोर्ड परीक्षा में राज्य स्तरीय प्रावीण्य सूची में स्थान हासिल किया है। विद्यालय की छात्रा कुमारी माही सुलाखे पिता डालीराम सुलाखे ने कक्षा १० वीं की बोर्ड परीक्षा में ९८ प्रतिशत ४९० अंक अर्जित कर पूरे प्रदेश में १० वां स्थान प्राप्त किया है। मूल रूप से भेंडारा निवासी माही ने अपनी सफलता का श्रेय प्रतिदिन की कड़ी मेहनत और हर विषय पर एकाग्रता को दिया। उल्लेखनीय है कि माही के परिवार में उनसे पहले उनकी बहनें भी प्रदेश की मेरिट सूची में स्थान पा चुकी हैं। राज्य स्तर के साथ साथ जिला स्तर पर भी आइडियल पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने शीर्ष स्थानों पर कब्जा जमाया हैं। कक्षा १२ वीं जिला स्तर पर हर्ष पिता किरण कुमार पटले एवं कुमारी इशिका पिता विवेक अर्जे ने ९६.२ प्रतिशत ४८१ अंक के साथ जिले में प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं कक्षा १०वीं जिला स्तर पर आर्य पिता अभिमन्यु पंचेश्वर ने ४८९ अंक के साथ प्रथम स्थान प्राप्त किया है तो वहीं जेनी पिता अनिल पिपरेवार ने ४८८ अंक के साथ द्वितीय स्थान प्राप्त किया है। अंशु पिता सुरेश ठाकुर एवं नैतिक पिता संतोष डोंगरे ने ४८७ अंक के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया है। इस गौरवमयी उपलब्धि पर स्कूल संचालक सुनील सिंग ने विद्यालय स्टाफ के साथ मिलकर मेधावी छात्रों और उनके अभिभावकों का आत्मीय स्वागत किया। मिठाई खिलाकर सभी के उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। शाला प्रबंधन ने इसे निरंतर अनुशासन और बेहतर मानव संसाधन निर्माण के संकल्प की जीत बताया है।

केशव स्कूल की छात्रा प्रीत राणा ने प्रदेश की टॉप.१० सूची में बनाई जगह

माध्यमिक शिक्षा मंडल की बोर्ड परीक्षा में केशव इंग्लिश हायर सेकेण्डरी स्कूल के विद्यार्थियों ने अपनी मेधा का लोहा मनवाया है। विद्यालय की छात्रा ने ना केवल जिले में बल्कि पूरे मध्य प्रदेश की प्रावीण्य सूची में दसवां स्थान प्राप्त कर नगर का मान बढ़ाया है। प्रदेश स्तर पर गौरवमयी उपलब्धि मेधावी छात्रा प्रीत पिता छोटेलाल राणा ने ९८ प्रतिशत अंक ५०० में से ४९० प्राप्त कर मध्य प्रदेश की राज्य स्तरीय मेरिट सूची में १०वां स्थान अर्जित किया हैं। इस उपलब्धि पर विद्यालय प्राचार्य प्रबंध समिति और शिक्षकों ने प्रीत को पुष्पमाला एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। सचिव विजय तेलास्कर ने घोषणा की कि विद्यालय की श्री हेडगेवार छात्रवृत्ति योजना के तहत प्रीत राणा को आगे की शिक्षा पूरी तरह नि:शुल्क दी जाएगी। संस्था ९० प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले हर विद्यार्थी को यह प्रोत्साहन प्रदान करती है। हायर सेकेण्डरी कक्षा १२वीं में लीजा पारधी एवं सोनम ठाकरे ने ९६.२ प्रतिशत ४८१ अंक अर्जित कर जिला स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया है। वहीं राजवी भगत एवं करीना वाधवानी ८९.४ प्रतिशत के साथ द्वितीय एवं प्रणय दरवडे ८६.४ प्रतिशत के साथ तृतीय स्थान पर स्कूल में रहे। हाई स्कूल कक्षा १०वीं में स्कूल स्तर पर मानसी चौरसिया ने ९७.२ प्रतिशत के साथ दूसरा अनोखी बैस एवं कर्तव्य गोखले ने ९६.८ प्रतिशत के साथ तीसरा स्थान प्राप्त किया। प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण कुल ४७ विद्यार्थी २२ छात्र ९० प्रतिशत से हैं। इस अवसर पर अध्यक्ष प्रदीप तिवारी, सचिव विजय तेलास्कर, प्राचार्य मयंक मिश्रा और समस्त ज्ञान विकास समिति ने सफल विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना की है।

सरकारी स्कूल की बेटियों ने गाड़ा झंडा मनु और पीहू प्रदेश की मेरिट सूची में शामिल

मध्य प्रदेश बोर्ड की हाई स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा में शासकीय विद्यालयों की दो छात्राओं ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए पूरे प्रदेश में नौवां स्थान प्राप्त किया है। जिसमें शासकीय उच्च.माध्य.विद्यालय आलेझरी की छात्र मनु पिता केवल प्रसाद कटनकर की सुपुत्री ने ४९१ अंक प्राप्त कर प्रदेश की प्रावीण्य सूची में ९वां स्थान हासिल किया। वहीं शासकीय नवीन उच्च. माध्य. विद्यालय कटंगझरी की छात्रा पीहू पिता दिनेश परिमल की सुपुत्री ने भी ४९१अंक के साथ प्रदेश की मेरिट सूची में ९वां स्थान दर्ज कराया। एक ही क्षेत्र की दो छात्राओं के द्वारा राज्य स्तर पर शीर्ष १० में स्थान बनाना ना केवल उनके विद्यालयों के लिए बल्कि उनके ग्राम और पूरे वारासिवनी क्षेत्र के लिए गौरव का विषय है। इन छात्राओं की सफलता ने यह साबित कर दिया है कि कड़ी मेहनत और सही मार्गदर्शन से सरकारी स्कूल के बच्चे भी राज्य स्तर पर कीर्तिमान स्थापित कर सकते हैं।

झालीवाड़ा का गौरव कृषि संकाय की दो छात्राओं ने प्रदेश की मेरिट में पाया ५वां स्थान

मध्य प्रदेश बोर्ड की कक्षा १२वीं की परीक्षा में झालीवाड़ा के शासकीय विद्यालय की छात्राओं ने राज्य स्तर पर उत्कृष्ट सफलता प्राप्त कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। कृषि संकाय की दो छात्राओं ने समान अंक प्राप्त कर पूरे प्रदेश में पांचवा स्थान साझा किया है ,इसमें कुमारी मृणाली पिता सम्राट थावरे एवं कुमारी स्वाति पिता तेजराम उइके दोनों ने ४८४ प्राप्तांक के साथ प्रदेश में ५वां स्थान एवं जिला स्तर पर वर्षा पिता राजेश तीड़गाम इन्होंने अपने विषय में ४७९ अंक प्राप्त कर जिले की सूची में प्रथम स्थान हासिल किया है। एक ही शासकीय विद्यालय से दो छात्राओं का प्रदेश की टॉप.५ सूची में आना विद्यालय के शैक्षणिक स्तर और छात्राओं की कड़ी मेहनत का प्रमाण है। इस सफलता से झालीवाड़ा ग्राम और पूरे जिले में हर्ष का माहौल है।

छतेरा और सावरी के जिले की मेरिट सूची में तीन विद्यार्थियों ने पाया दूसरा स्थान

मध्य प्रदेश बोर्ड की हाई स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा में शासकीय हाई स्कूल सावरी और छतेरा के विद्यार्थियों ने जिले की टॉप.१० सूची में अपना दबदबा बनाया है। क्षेत्र के दो सरकारी स्कूलों के तीन विद्यार्थियों ने एक समान ४८८ अंक प्राप्त कर जिले में दूसरा स्थान साझा किया है। इसमें शासकीय हाई स्कूल सावरी की योगिता पिता रामकिशोर पिछोड़े एवं शासकीय हाई स्कूल छतेरा की छात्र श्रुति पिता चंद्रशेखर मेश्राम एवं नैतिक पिता कुंवरलाल लांजे शामिल हैं। इन तीनों मेधावी छात्र छात्राओं ने ४८८ अंकों के साथ जिले की मेरिट लिस्ट में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। शासकीय विद्यालयों के इस उत्कृष्ट परिणाम ने शिक्षा के क्षेत्र में सवारी और छतेरा ग्राम का नाम पूरे जिले में रोशन किया है।

सेलवटपार में श्रद्धापूर्वक मनाई गई डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। जनपद पंचायत खैरलांजी के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत सेलवटपार में १४ अक्टूबर को संविधान निर्माता, भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती हर्षोल्लास और श्रद्धा के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का आयोजन ग्राम पंचायत परिसर स्थित डॉण् अंबेडकर की प्रतिमा स्थल पर किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ उपस्थित अतिथियों और ग्रामीणों द्वारा डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा के समक्ष मोमबत्ती प्रज्वलित कर और विधि-विधान से पूजा-अर्चना के साथ किया गया। इस दौरान वातावरण जय भीम के नारों से गुंजायमान रहा। उपस्थित जनों ने बाबा साहेब की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। पूजा.अर्चना के उपरांत एक संक्षिप्त गोष्ठी का आयोजन हुआ जिसमें वक्ताओं ने डॉण् अंबेडकर द्वारा राष्ट्र निर्माण समाज सुधार और शोषितों के उत्थान के लिए किए गए महान कार्यों को याद किया। वक्ताओं ने कहा कि बाबा साहेब के विचार आज भी प्रासंगिक हैं और उनके द्वारा दिखाए गए समानता के मार्ग पर चलना ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि होगी। इस अवसर पर सरपंच दीपिका राही पांडे, सचिव महेश हड़ाऊ, मुन्नालाल, राही पांड़े, अनीता पंचेश्वर, कमला भलावे, विजेन्द्र ,मनिराम ठाकरे, अशोक पंचेश्वर, नंदकिशोर हरिनखेड़े ,परमानंद डोहले ,तेजराम पारधी ,कुशीलाल ठाकरे ,बालाराम पंचेश्वर, नरेन्द्र गोंडाने, पूरनलाल गोंडाने, सुखदेव गोंडाने, अंकेश पांड़े ,काशीराम ठाकरे सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण जन और युवा उपस्थित थे, जिन्होंने बाबा साहेब के पदचिन्हों पर चलने का संकल्प लिया।

प्रदेश की मेरिट सूची में गांव की बेटीयों ने पाया स्थान विधायक पटेल ने किया सम्मानित

शिक्षा के क्षेत्र में वारासिवनी खैरलांजी क्षेत्र का नाम हो रहा रोशन-विवेक पटेल

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षक मंडल भोपाल के द्वारा बुधवार को कक्षा १० वीं और कक्षा १२ वीं के परीक्षा परिणाम घोषित किया गया। मेधावी छात्र.छात्राओं ने एक बार फिर शिक्षा के क्षेत्र में वारासिवनी खैरलांजी क्षेत्र का नाम गौरवान्वित किया है। प्रदेश की हाई सेकेंडरी मेरिट सूची में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय झालीवाड़ा की कृषि संकाय की छात्रा मृणाली टवरे और स्वाति उईके ने ९६.८ प्रतिशत तो वहीं हाई स्कूल में वारासिवनी आइडियल स्कूल की छात्रा माही सुलाखे पिता डालीराम सुलाखे में ९८ प्रतिशत तो वहीं केशव इंग्लिश स्कूल की छात्रा प्रीत पिता छोटेलाल राणा ने ९८ प्रतिशत और जयनी पिपरेवार ने जिले में दूसरा स्थान लाकर अपने क्षेत्र का नाम रोशन किया है। सभी मेधावी छात्राओं का विधायक विवेक पटेल ने जनसंपर्क कार्यालय में सम्मानित किया है। यह सफलता ना केवल उनके परिवार में बल्कि पूरे नगर में हर्ष का माहौल है। छात्रा की इस उपलब्धि को कड़ी मेहनत,लगन और सही मार्गदर्शन का परिणाम माना जा रहा है। उनकी सफलता पर नगर के गणमान्य नागरिकों, शिक्षाविदों और उनके शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई देते हुए उनके उज्वल भविष्य की कामना की है। प्रदेश में पांचवा स्थान प्राप्त करने वाली टॉपर छात्रा मृणाली टवरे ने कहा कि मुझे उम्मीद नहीं थी कि मुझे प्रदेश में पांचवा स्थान मिलेगा। क्योंकि पढ़ाई के साथ ही घर का काम भी करना पड़ता था। मै ६ घंटे ही पढ़ाई करती थी मैं आगे चलकर कृषि अधिकारी बनने का पूरा प्रयास करूंगी। वहीं माही सुलाखे ने कहा कि मैं अभी से ही अगले सत्र की पढ़ाई में लग चुकी हु बायो विषय लेकर मुझे डॉक्टर बनाना है। विधायक विवेक विक्की पटेल ने कहा कि यह उपलब्धि उनके निरंतर प्रयासों और समर्पण का फल है। ये हमारे लिए खुशी की बात है जब छात्र छात्राओं का प्रदेश की मेरिट सूची में नाम आता है तो मुझे बहुत खुशी होती है। उनके साथ ही हमारे विधानसभा क्षेत्र का नाम भी रोशन होता है। विधायक बनने के बाद हम और प्रयास कर रहे है हमारे क्षेत्र के बच्चे शिक्षा के क्षेत्र में आगे जाए मगर हमारे बालाघाट में पिछले पांच वर्षों से मेडिकल कॉलेज स्वीकृत है। मगर अभी तक यह प्रारंभ नहीं हुआ है केंद्र और प्रदेश में भाजपा की सरकार है मगर हमारे जिले में मेडिकल कॉलेज नहीं है। मैने विधानसभा में भी यह विषय रखा था हमारे क्षेत्र के बच्चे बहार पढ़ने जा रहे है वहीं पशु चिकित्सालय कॉलेज भी खुलवाने के लिए सरकार से मांग की थी। मगर भाजपा सरकार नहीं चाहती कि बच्चों को अच्छी शिक्षा मिले।

महाविद्यालय में नारी शक्ति वंदन पखवाड़ा २०२६ के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। शासकीय शंकर साव पटेल महाविद्यालय में म.प्र. शासन उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार नारी शक्ति वंदन पखवाड़ा २०२६ के अंतर्गत द्वितीय चरण में व्याख्यान एवं अन्य गतिविधियों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ. रक्षा निकोसे, श्रीमती मेघा तिवारी ,जयप्रकाश भगत , श्रीमती ईशु एड़े,डॉ. बिंदिया मेश्राम,पुरूषोत्म देशमुख अखिलेश सैयाम,निर्मल किर्ती,कृष्णा पराते ,श्रीमती सरिता नागवंशी , रक्षा निकोसे उपस्थित रहे। कार्यक्रम के प्रारंभ में रक्षा निकोसे के द्वारा नारी शक्ति वंदन पखवाड़ा २०२६ के द्वितीय चरण पर विस्तृत प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम में विषय विषेषज्ञ के रूप में उपस्थित श्रीमती मेघा तिवारी के द्वारा साइबर सुरक्षा और कार्यस्थल पर लैंगिक समानता विषय पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि साइबर अपराध और ऑनलाईन धोखधडी से बचने के लिए हमें मोबाइल में टू स्टेप मेथड के साथ ऑनलाइन शॉपिंग, फ्रॉड कॉल, फेक विडियों और अवैध लेन देन से बचना चाहिए और अधिक से अधिक लोगो को जागरूक करने के लिए संचार साथी डॉट कॉम और साइबर क्राइम गवर्नमेन्ट डॉट इन का उपयोग करने एवं शिकायत करने के लिए कर सकते है। जयप्रकाश भगत ने बताया कि छात्र-छात्राएँ साइबर सुरक्षा के प्रति स्वयं जागरूक होकर विभिन्न कार्यक्रम के माध्यम से समाज को जागरूक कर सकती है एवं परिवार और समाज के सदस्यों के साथ होने वाले साइबर अपराध को रोकने में मदद् कर सकती है। पुरूषोत्म देशमुख ने महिलाओं के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए पोषण संबंधित सलाह और मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित अपने व्याख्यान में कहा कि आज के समय में समाज में महिलाओं का स्वस्थ होना आवश्यक है तभी परिवार और समाज स्वस्थ बन पायेगा। वर्तमान समय में महिलाएँ अपने स्वास्थ्य का ध्यान ना रखते हुए पौष्टिक आहार नहीं ले पाती जिससे अनेक कमजोरियों का सामना करना पड़ता है। कार्यक्रम में उपस्थित निर्मल किर्ति के द्वारा वित्तीय साक्षरता पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए कहा कि हमें बैंकिंग लेन देन के समय अपने अधिकारों का पता होना चाहिए । ताकि लेन-देन सहि एवं उचित तरिके से किया जा सके। आज कल शेयर मार्केट एवं एसआईपी के नाम पर इन्स्टाग्राम के माध्यम वित्तीय धोखधड़ी हो रही है। हमें स्वयं जागरूक होकर अनुकुल वातावरण बनाना होगा। स्वास्थ विभाग की ओर से उपस्थित टीम के द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित छात्र-छात्राओं को हिमोग्लोबीन, बीपी एवं स्वास्थ्य संबंधीत सामान्य जॉच की गयी। इस अवसर पर महाविद्यालय के डॉ. हेमन्त कुमार मण्डाले, विकास साहू, श्रीमती रश्मिबाला पारधी, सुश्री शिखा देवगीरकर एवं छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे।

रेशमा कुमरे बनीं कांग्रेस सेवादल की नई जिलाध्यक्ष, कार्यकर्ताओं में उत्साह की लहर

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। अखिल भारतीय कांग्रेस सेवादल द्वारा मध्यप्रदेश में संगठन को मजबूती देने के लिए प्रदेश कार्यकारिणी एवं नए जिलाध्यक्षों की आधिकारिक घोषणा की गई है। इस बहुप्रतीक्षित सुची में बालाघाट जिले की कमान रेशमा कुमरे को सौंपी गई है। उनकी नियुक्ति की खबर मिलते ही जिले के कांग्रेसियों और सेवादल कार्यकर्ताओं में हर्ष व्याप्त है। रेशमा कुमरे की नियुक्ति को उनके द्वारा विगत लंबे समय से किए जा रहे जमीनी संघर्ष का प्रतिफल माना जा रहा है। वे लंबे समय से कांग्रेस की विचारधारा को जन-जन तक पहुँचाने में सक्रिय रही हैं। ग्राम स्तर पर संगठन को मजबूत करने और महिलाओं व युवाओं को पार्टी से जो ?ने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। विपरीत परिस्थितियों में भी उन्होंने सेवादल के अनुशासन को बनाए रखते हुए पार्टी के कार्यक्रमों को सफल बनाया। अखिल भारतीय कांग्रेस सेवादल के शीर्ष नेतृत्व द्वारा बुधवार को जैसे ही प्रदेश के अन्य जिलों के साथ बालाघाट के लिए रेशमा कुमरे के नाम पर मुहर लगाई वैसे ही बधाई देने वालों का तांता लग गया। कार्यकर्ताओं का मानना है कि उनकी सक्रियता से संगठन के उन कार्यकर्ताओं में नया जोश भरेगा जो जमीन पर रहकर कार्य करते हैं। नवनियुक्त जिलाध्यक्ष रेशमा कुमरे के सामने अब जिले में सेवादल के कैडर को पुन: जीवित करने और बूथ स्तर तक संगठन को ले जाने की बड़ी जिम्मेदारी होगी।

केशव इंग्लिश स्कूल में मनाई गई डॉ. भीमराव आंबेडकर की जंयती

पद्मेश न्यूज।वारासिवनी। केशव इंग्लिश हायर सेकेण्डरी स्कूल में डॉ. भीमराव आंबेडकर जयंती बड़े सम्मान और उत्साह के साथ मनायी गई। कार्यक्रम का आरंभ उनके चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। इस अवसर पर उनका मूल संदेश शिक्षित बनो संगठित बनो और आंदोलन करो पर प्रकाश डाला गया। इस अवसर पर स्कूल के शिक्षक अजय पंचेश्वर ने अपने भाषण में डॉ. आंबेडकर के जीवन में कठिन परिश्रम के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होने बताया कि वे मध्यप्रदेश के महू से थे, इसीलिए हमें उनके प्रदेश का निवासी होने पर गर्व होना चाहिए। इसके पश्चात स्कूल की शिक्षिका स्वांगी कोटांगले ने अपने सम्बोधन में बताया कि डॉ. आंबेडकर पहले भारतीय थे जिन्होने अर्थशास्त्र में डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की और वे भारत के प्रथम कानून मंत्री भी रहे। विद्यार्थियों में हेमा पटले, मानवी भगत, दर्पण बिसेन ने भी अपने विचार प्रकट किये। इस कार्यक्रम के समापन पर स्कूल के प्राचार्य ने अपने उद्बोधन में बताया कि डॉ. भीमराव आंबेडकर ने भारतीय रिजर्व बैंक की नींव रखी तथा श्रमिको के लिए कार्य के घंटे १६-१८ से घटाकर ८ घंटे करवाया। उन्होने कर्मचारियों के लिए भविष्य निधि वेतन और पेंशन जैसी सुविधाओं को भी बढ़ावा दिया। साथ ही विद्यार्थियों के लिए चित्रकला एवं निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें सभी ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

हंगरी में बदलाव : विक्टर ओर्बन की सत्ता से बेदखली

हंगरी के मतदाताओं का फैसला बिल्कुल स्पष्ट है। उनके फैसले ने हंगरी के ईसाई-राष्ट्रवादी, लोकलुभावन और धुर दक्षिणपंथी प्रधानमंत्री विक्टर ओर्बन को सत्ता से बाहर का रास्ता दिखा दिया। ओर्बन ने रिकॉर्ड 20 सालों तक देश की सत्ता संभाली (1998-2002 और 2010-2026)। उन्होंने इस चुनाव से पहले लगातार चार चुनावी जीत हासिल की थीं। ताजा चुनावी नतीजों के मुताबिक, विपक्षी नेता पीटर मैग्यार की तिस्जा पार्टी ने लगभग 138 सीटें जीती हैं, जबकि ओर्बन की फिदेस्ज पार्टी को 55 सीटें मिली हैं। हंगरी की संसद में दो-तिहाई की भारी बहुमत मैग्यार को शिक्षा एवं स्वास्थ्य, न्यायिक स्वतंत्रता और विवादास्पद एनईआर (नेम्जेटी एग्युट्टमुकोडेस रेंडजेरे) या राष्ट्रीय सहयोग प्रणाली पर ओर्बन युग के कई बदलावों को पलटने में मदद करने के लिए पर्याप्त है। राष्ट्रीय सहयोग प्रणाली के बारे में विपक्ष का कहना है कि इसने आर्थिक मंदी, घोर भ्रष्टाचार और याराना पूंजीवाद (क्रोनी कैपिटलिज्म) के साथ-साथ यूरोपीय संघ विरोधी रुख को जन्म दिया है। हालांकि दो साल पहले तक फिदेस्ज पार्टी के नेता रहे और फिर सत्तारूढ़ पार्टी की नीतियों के विरोध में पार्टी छोड़कर अपना खुद का राजनीतिक आंदोलन स्थापित करने वाले, मैग्यार के द्वारा ओर्बन की आप्रवासी विरोधी नीतियों को पलटे जाने की कोई संभावना नहीं है। चुनाव से पहले, विक्टर ओर्बन को हाल के संघर्षों में आक्रांता माने जाने वाले तीन शक्तिशाली नेताओं - अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू - का समर्थन मिला। ट्रम्प ने तो पिछले हफ्ते बुडापेस्ट में ओर्बन के साथ एक सार्वजनिक रैली को संबोधित करने के लिए उपराष्ट्रपति जे.डी. वैंस को भी भेजा था। ओर्बन ने नेतन्याहू का स्पष्ट रूप से समर्थन किया था। दरअसल, हंगरी ने इजराइल के प्रधानमंत्री के खिलाफ युद्ध अपराधों के आरोप में वारंट जारी होने के बाद अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय छोड़ दिया था। यह देखना बाकी है कि ओर्बन के बाद का हंगरी ईरान, यूक्रेन या गाजा में चल रहे युद्धों पर अपना रुख बदलता है या नहीं। पूरी दुनिया के लिए सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि 2010 के दशक में जहां चुनावों के जरिए कई लोकलुभावन नेताओं का उदय हुआ, वहीं हंगरी के चुनाव नतीजों से यह संकेत मिलता है कि दुनिया भर के मतदाता शायद उस धुर दक्षिणपंथी, बहुलवाद-विरोधी, आप्रवासी-विरोधी और विदेशियों के प्रति नफरत से भरी बयानबाजी से थक रहे हैं जिसका उन्होंने समर्थन किया था। कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, नीदरलैंड, ब्रिटेन और पोलैंड में हुए चुनावों में भी इसी किस्म के नतीजे देखने को मिले हैं। इस तरह के रुझान सत्तावादी एकदलीय शासन पर भी लगाम लगाते हैं, जिसे विभिन्न नेताओं ने अलोकतांत्रिक नीतियों, विपक्ष के खिलाफ राजनीतिक रूप से प्रेरित मामलों, लोकतांत्रिक संस्थानों को बदनाम करने और अभिव्यक्ति की आजादी पर अंकुश लगाने के जरिए लागू करने की कोशिश की है। अगर मैग्यार हंगरी में इन नीतियों को पलटना चाहते हैं, तो उनके सामने काफी चुनौतियां होंगी। एक लोकतांत्रिक नेता का असली इम्तिहान सिर्फ चुनाव जीतने में नहीं होता, बल्कि पूरी आबादी का प्रतिनिधित्व करने और सरकार बनने के बहुत बाद भी अपने कार्यों की जवाबदेही सुनिश्चित करने वाली समावेशी नीतियों को आगे बढ़ाने में होता है।

बिहार में भाजपा का युग : एक नया राजनीतिक अध्याय

राजनीति भी ऐसा मौसम है पता नहीं कब क्या कुछ हो जाये ? ऐसे ही बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का कुछ नहीं कहा जा सकता कब उनका फैसला बदल जाये। वैसे भी बिहार की राजनीति लंबे समय तक जातीय समीकरणों, क्षेत्रीय दलों और गठबंधन की जटिलताओं के इर्द-गिर्द घूमती रही है। लेकिन हाल के वर्षों में भारतीय जनता पार्टी का उभार राज्य की राजनीति में एक नए अध्याय का संकेत दे रहा है। यह बदलाव केवल सत्ता परिवर्तन तक सीमित नहीं है, बल्कि राजनीतिक सोच, विकास के एजेंडे और नेतृत्व शैली में भी परिवर्तन का द्योतक है। ऐसे में बिहार में भारतीय जनता पार्टी ने सम्राट चौधरी को विधायक दल का नेता चुना जाना और बिहार के वह मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे।

बिहार में भारतीय जनता पार्टी का विस्तार कोई अचानक हुई घटना नहीं है। यह एक लंबी रणनीतिक यात्रा का परिणाम है, जिसमें संगठन की मजबूती, जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं का नेटवर्क और केंद्र की नीतियों का प्रभाव शामिल है। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार की योजनाओं—जैसे उज्ज्वला, आयुष्मान भारत और पीएम आवास योजना—ने राज्य के ग्रामीण और गरीब वर्गों में भाजपा की स्वीकार्यता बढ़ाई है। इससे पार्टी को एक मजबूत जनाधार बनाने में मदद मिली है।

हालांकि, बिहार की राजनीति में नीतीश कुमार जैसे अनुभवी नेता और राष्ट्रीय जनता दल जैसे प्रभावशाली दल अभी भी मजबूत स्थिति में हैं। ऐसे में भाजपा का यह उभार एक प्रतिस्पर्धात्मक राजनीतिक वातावरण तैयार करता है, जहां सत्ता की लड़ाई और अधिक दिलचस्प और जटिल हो गई है। भाजपा के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वह अपने विकास के वादों को जमीन पर उतारे। बिहार आज भी बेरोजगारी, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी समस्याओं से जूझ रहा है। भाजपा को इन क्षेत्रों में ठोस सुधार करना होगा। यह उसके लिए एक स्थायी राजनीतिक आधार बनाने का अवसर हो सकता है। इसके अलावा, सामाजिक समरसता और जातीय संतुलन बनाए रखना भी भाजपा के लिए एक महत्वपूर्ण कसौटी होगी। बिहार की सामाजिक संरचना बेहद संवेदनशील है, जहां छोटी-सी राजनीतिक चूक भी बड़े सामाजिक तनाव का कारण बन सकती है। बिहार में भाजपा का उभरता हुआ युग एक परिवर्तनशील दौर का प्रतीक है। यह देखना दिलचस्प होगा कि यह बदलाव राज्य को विकास और स्थिरता की ओर ले जाता है या फिर यह केवल सत्ता के नए समीकरणों तक ही सीमित रह जाता है। आने वाले समय में बिहार की राजनीति किस दिशा में जाएगी, यह न केवल राज्य बल्कि पूरे देश की राजनीतिक धारा को भी प्रभावित करेगा।

बिहार में सम्राट चौधरी का मुख्यमंत्री बनना

ऐसे में भाजपा ने सम्राट चौधरी को विधायक दल का नेता चुना है तो यह तय है कि सम्राट चौधरी मुख्यमंत्री बनते ही केवल नेतृत्व परिवर्तन नहीं बल्कि एक व्यापक राजनीतिक संदेश और रणनीतिक बदलाव का संकेत होगा। सबसे पहले, यह कदम भारतीय जनता पार्टी के उस प्रयास के रूप में देखा जाएगा, जिसमें वह बिहार में अपनी स्वतंत्र पहचान को और मजबूत करना चाहती है। लंबे समय तक नीतीश कुमार के नेतृत्व में गठबंधन की राजनीति करने के बाद, भाजपा अब अपने चेहरे के साथ चुनावी मैदान में उतार दिया है। सम्राट चौधरी का सामाजिक आधार भी इस चर्चा को महत्वपूर्ण बनाता है। वे पिछड़े वर्ग से आते हैं, जो बिहार की राजनीति में निर्णायक भूमिका निभाता है। ऐसे में उनका मुख्यमंत्री बनना सामाजिक प्रतिनिधित्व के नए समीकरण साध सकता है और भाजपा को उन वर्गों में और गहराई तक पहुंचाने में मदद कर सकता है, जहां अब तक अन्य दलों का प्रभाव रहा है। हालांकि, यह रास्ता आसान नहीं होगा। बिहार जैसे राज्य में प्रशासनिक अनुभव, गठबंधन संतुलन और जमीनी पकड़ बेहद महत्वपूर्ण होती है। लालू प्रसाद यादव और तेजस्वी यादव जैसे विपक्षी नेताओं की मजबूत राजनीतिक पकड़ के बीच सम्राट चौधरी को अपनी स्वीकार्यता साबित करनी होगी। इसके अलावा, यह भी देखना दिलचस्प होगा कि क्या भाजपा इस बदलाव के जरिए युवाओं और

नए मतदाताओं को आकर्षित कर पाती है या नहीं। क्योंकि आज की राजनीति में केवल जातीय समीकरण ही नहीं, बल्कि विकास, रोजगार और सुशासन भी उतने ही अहम मुद्दे बन चुके हैं। सम्राट चौधरी का मुख्यमंत्री बनना बिहार की राजनीति में एक नए अध्याय की शुरुआत हो सकता है, लेकिन इसकी सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि वे उम्मीदों पर कितना खरे उतरते हैं। यह केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि विश्वास और प्रदर्शन की एक बड़ी परीक्षा होगी।

अगर हम सम्राट चौधरी के राजनीतिक करियर की बात करे तो बिहार की समकालीन राजनीति में तेजी से उभरते नेतृत्व का उदाहरण माना जाता है। उनका सफर छात्र राजनीति से लेकर राज्य की सत्ता के शीर्ष तक पहुंचने का रहा है।

सम्राट चौधरी का जन्म बिहार के एक राजनीतिक परिवार में हुआ। उनके पिता शकुनी चौधरी भी राज्य की राजनीति में सक्रिय रहे। सम्राट चौधरी ने अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत छात्र राजनीति से की और धीरे-धीरे मुख्यधारा की राजनीति में मजबूत पहचान बनाई। सम्राट चौधरी ने अपने करियर में कई राजनीतिक दलों के साथ काम किया। सम्राट चौधरी बिहार सरकार में मंत्री भी रह चुके हैं और संगठन में उनकी पकड़ मजबूत मानी जाती है। बीजेपी में उन्होंने प्रदेश अध्यक्ष जैसे महत्वपूर्ण पद संभाले, जिससे उनकी राजनीतिक स्थिति और मजबूत हुई। राजनीतिक परिस्थितियों और पार्टी के रणनीतिक निर्णयों के चलते सम्राट चौधरी को बिहार की राजनीति में प्रमुख चेहरा बनाया गया। मुख्यमंत्री बने तो यह उनके लंबे राजनीतिक अनुभव, संगठनात्मक कौशल और सामाजिक समीकरणों को साधने की क्षमता का परिणाम माना जाएगा।

उनकी राजनीतिक विशेषताएं। ओबीसी (पिछड़ा वर्ग) नेतृत्व का प्रतिनिधित्व करते हैं। आक्रामक और स्पष्ट वक्ता सहित संगठन और जनाधार दोनों पर पकड़ रखते हैं।

सम्राट चौधरी का करियर यह दिखाता है कि बिहार की राजनीति में लगातार सक्रियता, रणनीति और समय के अनुसार निर्णय लेना कितना महत्वपूर्ण है। वे आज राज्य की राजनीति में एक महत्वपूर्ण और प्रभावशाली नेता के रूप में स्थापित हो चुके हैं। 2026 के अनुसार भाजपा के 16 वें राज्य के मुख्यमंत्री होंगे सम्राट चौधरी ।

नीतीश कुमार युग का अंत

नीतीश कुमार का नाम बिहार की राजनीति में एक लंबे समय तक स्थिरता, सुशासन और सामाजिक संतुलन के प्रतीक के रूप में लिया जाता रहा है। लगभग दो दशकों तक विभिन्न चरणों में सत्ता संभालने वाले नीतीश कुमार ने राज्य की राजनीति को नई दिशा दी। लेकिन अब बदलते राजनीतिक समीकरण और नेतृत्व की नई मांगों के बीच उनके युग के अंत की चर्चा तेज हो रही है। नीतीश कुमार का उदय ऐसे समय में हुआ जब बिहार राजनीतिक अस्थिरता और पिछड़ेपन की छवि से जूझ रहा था। उन्होंने सड़कों, शिक्षा, स्वास्थ्य और कानून-व्यवस्था के क्षेत्र में उल्लेखनीय सुधार किए। सुशासन बाबू के रूप में उनकी पहचान बनी, जो प्रशासनिक दक्षता और विकास के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक थी। हालांकि, समय के साथ उनकी राजनीतिक रणनीतियों में बार-बार बदलाव—कभी के साथ गठबंधन, तो कभी किसी के साथ—ने उनकी विश्वसनीयता पर सवाल खड़े किए। गठबंधनों की इस राजनीति ने उन्हें सत्ता में बनाए रखा, लेकिन जनता के एक वर्ग में असमंजस और असंतोष भी पैदा किया। आज बिहार की राजनीति में युवा नेतृत्व, नई सोच और स्पष्ट वैचारिक दिशा की मांग बढ़ रही है। ऐसे में नीतीश कुमार का नेतृत्व पहले जैसा प्रभावशाली नहीं दिखता। उनकी उम्र, बदलते राजनीतिक हालात और लगातार बदलते समीकरण इस बात का संकेत देते हैं कि राज्य अब एक नए नेतृत्व की ओर बढ़ रहा है। यह भी सच है कि किसी भी नेता का राजनीतिक जीवन स्थायी नहीं होता। हर युग का एक अंत होता है और एक नई शुरुआत भी। नीतीश कुमार के योगदान को नकारा नहीं जा सकता—उन्होंने बिहार को एक मजबूत आधार दिया, जिस पर आगे का विकास संभव है। नीतीश युग का अंत केवल एक व्यक्ति का राजनीतिक अवसान नहीं, बल्कि बिहार की राजनीति में एक नए अध्याय की शुरुआत का संकेत है। आने वाला समय यह तय करेगा कि यह परिवर्तन राज्य के लिए कितना सकारात्मक साबित होता है।

- सौरभ वार्ष्णेय

संपन्न दुनिया, असंतुष्ट मानवता — फिर गांधी का समय

आज जब हम 21वीं सदी के तीसरे दशक में खड़े हैं, तो एक कठोर सच्चाई हमें झकझोरती है—यह दुनिया जितनी समृद्ध कभी नहीं रही, उतनी ही असमान और असंतुष्ट भी कभी नहीं रही। विज्ञान ने चमत्कार किए हैं, तकनीक ने सीमाएँ तोड़ी हैं, और उत्पादन ने रिकॉर्ड बनाए हैं। फिर भी, भूख है, भय है, युद्ध है और भीतर एक गहरा असंतोष है। सवाल उठता है—आखिर क्यों?

संयुक्त राष्ट्र और विभिन्न वैश्विक संस्थाओं की रिपोर्टें बताती हैं कि दुनिया में इतना खाद्यान्न उत्पादन होता है कि हर व्यक्ति को पर्याप्त भोजन मिल सकता है। ऊर्जा के क्षेत्र में भी अभूतपूर्व विस्तार हुआ है। फिर भी, करोड़ों लोग गरीबी रेखा के नीचे जीवन जी रहे हैं। यह विरोधाभास हमें एक ही निष्कर्ष तक ले जाता है—समस्या संसाधनों की कमी नहीं, बल्कि उनके असमान वितरण और हमारी सोच की विकृति है।

इसी संदर्भ में महात्मा गांधी का दर्शन आज पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक हो उठता है। गांधी जी ने स्पष्ट कहा था—'पृथ्वी हर व्यक्ति की आवश्यकता को पूरा कर सकती है, लेकिन हर व्यक्ति के लालच को नहीं।' यह केवल एक कथन नहीं, बल्कि आज के वैश्विक संकट का सटीक विश्लेषण है।

आज का मानव 'आवश्यकता' से नहीं, बल्कि 'अतृप्त इच्छाओं' से संचालित हो रहा है। राष्ट्र अपनी सीमाओं की सुरक्षा से आगे बढ़कर संसाधनों पर नियंत्रण की होड़ में लगे हैं। ऊर्जा, जल और खनिज—ये अब जीवन के साधन नहीं, बल्कि शक्ति के प्रतीक बन गए हैं। हाल के वैश्विक संघर्षों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि संसाधनों पर वर्चस्व की यह लड़ाई कितनी विनाशकारी हो सकती है।

हमारी आर्थिक व्यवस्था भी इस असंतुलन को गहरा करती है। जब विकास का केंद्र 'मुनाफा' बन जाता है और 'मानव' पीछे छूट जाता है, तब समृद्धि कुछ हाथों में सिमट जाती है। बड़ी कंपनियाँ और शक्तिशाली वर्ग संसाधनों पर अधिकार जमा लेते हैं, जबकि आम जन संघर्ष करता रह जाता है। यह केवल आर्थिक विफलता नहीं, बल्कि नैतिक पतन है।

गांधी जी का 'अपरिग्रह' हमें इसी संकट से बाहर निकलने का मार्ग दिखाता है। अपरिग्रह का अर्थ है—संतुलित जीवन, सीमित उपभोग और दूसरों के अधिकारों के प्रति संवेदनशीलता। यदि व्यक्ति, समाज और राष्ट्र इस सिद्धांत को अपनाएँ, तो संसाधनों पर अनावश्यक दबाव कम हो सकता है और संतुलन स्थापित हो सकता है।

इसके साथ ही, गांधी जी का 'ट्रस्टीशिप' का सिद्धांत आज के कॉर्पोरेट और आर्थिक ढांचे के लिए एक क्रांतिकारी विचार प्रस्तुत करता है। उन्होंने कहा था कि जिनके पास अधिक संपत्ति है, वे उसके मालिक नहीं, बल्कि संरक्षक हैं। यदि यह भावना विकसित हो जाए, तो संपत्ति का उपयोग केवल व्यक्तिगत लाभ के लिए नहीं, बल्कि समाज के कल्याण के लिए किया जा सकता है।

आज दुनिया को केवल नीतिगत सुधारों की नहीं, बल्कि नैतिक पुनर्जागरण की आवश्यकता है। हमें 'मैं और मेरा' की सीमाओं को तोड़कर 'हम और हमारा' की ओर बढ़ना होगा। जब तक हम स्वयं को एक वैश्विक परिवार का हिस्सा नहीं मानेंगे, तब तक शांति और संतुलन की कल्पना अधूरी रहेगी।

सरकारों को ऐसी नीतियाँ बनानी होंगी जो शिक्षा, स्वास्थ्य और न्यूनतम जीवन स्तर को हर व्यक्ति का अधिकार बनाएँ। लेकिन इससे भी अधिक महत्वपूर्ण है—व्यक्तिगत स्तर पर परिवर्तन। हमें अपने उपभोग, अपनी आवश्यकताओं और अपनी जीवनशैली पर पुनर्विचार करना होगा। क्या हमें वास्तव में उतना ही चाहिए जितना हम इकट्ठा कर रहे हैं? या हम अनजाने में किसी और के हिस्से को छीन रहे हैं?

-भूपेन्द्र गुप्ता

विशेष संसद सत्र में नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023- प्रॉक्सी पॉलिटिक्स,राजनीतिक ढाल, आपराधिक नेटवर्क द्वारा जानबूझकर इस्तेमाल रोकने कठोर सजा का प्रावधान ज़रूरी ताकि वास्तविक सशक्तिकरण हो

वैश्विक स्तरपर भारत ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023 के माध्यम से लोकतांत्रिक इतिहास में एक निर्णायक कदम उठाया है, जिसका उद्देश्य संसद और विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण प्रदान कर राजनीतिक प्रतिनिधित्व में लैंगिक संतुलन स्थापित करना है। यह कदम केवल सांख्यिकीय प्रतिनिधित्व बढ़ाने का प्रयास नहीं है, बल्कि सामाजिक न्याय, समावेशी विकास और लोकतंत्र की गुणवत्ता को मजबूत करने का एक व्यापक दृष्टिकोण भी है। किंतु इस ऐतिहासिक पहल के साथ कई गंभीर प्रश्न और आशंकाएँ भी उभरकर सामने आई हैंविशेषकर प्रॉक्सी नेतृत्व या बैक-डोर कंट्रोल का खतरा, जिसमें निर्वाचित महिला प्रतिनिधि के स्थान पर वास्तविक सत्ता उनके पति या अन्य पुरुष रिश्तेदारों के हाथों में होती है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि यह समस्या भारत तक सीमित नहीं है; विश्व के कई लोकतंत्रों में महिला आरक्षण या कोटा लागू होने के बाद इसी प्रकार की चुनौतियाँ सामने आई हैंइसलिए यह आवश्यक हो जाता है कि हम इस अधिनियम के निहितार्थों, संभावित जोखिमों और सुधारात्मक उपायों का गहन विश्लेषण करें ताकि

नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023 के दूरगामी सकारात्मक प्रभाव हमारे विज़न 2047 के लिए सटीक रूप से मील का पत्थर साबित हो।

साथियों बात अगर हम मुद्दों का विश्लेषण करें तो सबसे पहला और बुनियादी प्रश्न यह हैकि क्या महिला जनप्रतिनिधियों का पारिवारिक पुरुषों द्वारा नियंत्रित होना मतदाताओं के विश्वास का हनन है ?लोकतंत्र की मूल आत्माप्रतिनिधित्व और उत्तरदायित्व पर आधारित होती है। जब मतदाता किसी महिला को उसकी ईमानदार छवि, सामाजिक संवेदनशीलता और नेतृत्व क्षमता के आधार पर चुनते हैं, तब वे अपेक्षा करते हैं कि वही महिला नीति-निर्माण और निर्णय लेने की प्रक्रिया में सक्रिय भूमिका निभाएगी। लेकिन यदि वास्तविक निर्णय उसके पति या परिवार के पुरुष सदस्य लेते हैं, तो यह न केवल मतदाता के विश्वास के साथ धोखा है, बल्कि लोकतंत्र की पारदर्शिता और जवाबदेही को भी कमजोर करता है। भारत के कई राज्यों में पंचायत स्तर पर सरपंच पति की प्रवृत्ति एक स्थापित वास्तविकता बन चुकी है, जहाँ निर्वाचित महिला केवल नाममात्र की मुखिया होती है और वास्तविक शक्ति पुरुषों के हाथों में रहती है। यह स्थिति महिलाओं के सशक्तिकरण के मूल उद्देश्य को ही निष्प्रभावी कर देती है और उन्हें मात्र एक तुच्छ राजनीतिक औज़ार बना देती है।

साथियों दूसरा महत्वपूर्ण पहलू यह है कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम के लागू होने के बाद बैक-डोर नेतृत्व की संभावनाएँ बढ़ सकती हैं। जब किसी क्षेत्र को महिलाओं के लिए आरक्षित कर दिया जाता है,तोराजनीतिक दल और प्रभावशाली पुरुष नेता अपने परिवार की महिलाओं को उम्मीदवार बनाकर अप्रत्यक्ष रूप से सत्ता पर नियंत्रण बनाए

रखने का प्रयास कर सकते हैं। यह प्रवृत्ति पहले से ही स्थानीय निकायों में देखी जा चुकी है और यह संभावना है कि यह अब राज्य और राष्ट्रीय स्तर तक भी फैल सकती है। इस संदर्भ में अंतरराष्ट्रीय अनुभव भी महत्वपूर्ण हैं। उदाहरण के लिए, कुछ अफ्रीकी और दक्षिण एशियाई देशों में महिला कोटा लागू होने के बाद प्रारंभिक वर्षों में प्रॉक्सी पॉलिटिक्स का चलन बढ़ा,जहाँ महिलाएँ केवल प्रतीकात्मक प्रतिनिधि थीं। हालांकि समय के साथ, शिक्षा, राजनीतिक प्रशिक्षण और सामाजिक जागरूकता के बढ़ने से यह प्रवृत्ति धीरे-धीरे कम हुई। इससे यह स्पष्ट होता है कि केवल आरक्षण देना पर्याप्त नहीं है; उसके साथ संस्थागत और सामाजिक सुधार भी आवश्यक हैं।

साथियों तीसरा बिंदु यह है कि क्या अयोग्य या अक्षम पुरुष नेता, जो स्वयं चुनाव नहीं लड़ सकते, महिलाओं को आगे कर बैक-डोर से सत्ता पर नियंत्रण बनाए रखेंगे? यह आशंका पूरी तरह निराधार नहीं है। भारतीय राजनीति में परिवारवाद और वंशवाद पहले से ही एक महत्वपूर्ण कारक रहा है। ऐसे में, यदि किसी पुरुष नेता पर कानूनी या राजनीतिक प्रतिबंध है, तो वह अपनी पत्नी, बेटी या अन्य महिला रिश्तेदार को उम्मीदवार बनाकर अप्रत्यक्ष रूप से सत्ता का उपयोग कर सकता है। यह न केवल लोकतांत्रिक प्रतिस्पर्धा को कमजोर करता है, बल्कि योग्य और स्वतंत्र महिला नेताओं के उभरने में भी बाधा डालता है। इस समस्या का समाधान केवल कानूनी प्रावधानों से नहीं, बल्कि राजनीतिक दलों की आंतरिक लोकतांत्रिक संरचना और उम्मीदवार चयन प्रक्रिया में अति अति सतर्कता व पारदर्शिता से ही संभव है।

साथियों चौथा और अत्यंत महत्वपूर्ण पहलू अपराध और न्याय व्यवस्था से जुड़ा है। इंस्टीट्यूट फॉर क्राइम एंड जस्टिस पॉलिसी रिसर्च की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में महिला कैदियों की संख्या पिछले दो दशकों में 162 प्रतिशत बढ़ी है, जो पुरुष कैदियों की वृद्धि दर (77 प्रतिशत) से कहीं अधिक है। यह असंतुलन कई गंभीर सवाल खड़े करता है। क्या महिलाओं में अपराध की प्रवृत्ति बढ़ रही है, या उन्हें आपराधिक नेटवर्क द्वारा जानबूझकर इस्तेमाल किया जा रहा है? कई मामलों में यह पाया गया है कि मादक पदार्थों की तस्करी, मानव तस्करी और अवैध प्रवास जैसे अपराधों में महिलाओं को इसलिए शामिल किया जाता है क्योंकि उन्हें कम संदेहास्पद माना जाता है। यह स्थिति और भी चिंताजनक हो जाती है जब हम इसे राजनीतिक संदर्भ में देखते हैं। यदि आपराधिक तत्व महिलाओं को राजनीतिक ढाल के रूप में इस्तेमाल करने लगें, तो यह लोकतंत्र और कानून व्यवस्था दोनों के लिए गंभीर खतरा बन सकता है। विशेष रूप से सीमावर्ती राज्यों में, जहाँ अवैध प्रवास और तस्करी की समस्या अधिक है, यह जोखिम और भी बढ़ जाता है।

साथियों पाँचवाँ मुद्दा आरक्षण के व्यावहारिक प्रभाव से जुड़ा है। यदि किसी विधानसभा या लोकसभा क्षेत्र को महिलाओं के लिए आरक्षित कर दिया जाता है,और वहाँ पर्याप्त योग्य महिला उम्मीदवार उपलब्ध नहीं हैं, तो यह संभावना है कि अपेक्षाकृत कम सक्षम उम्मीदवार ही निर्वाचित हो जाएँ। यह स्थिति मतदाताओं के लिए भी अन्यायपूर्ण हो सकती है,क्योंकि उन्हें अपनी पसंद के सर्वश्रेष्ठ उम्मीदवार का चयन करने का अवसर नहीं मिलता। हालांकि यह तर्क आंशिक रूप से सही है, लेकिन इसे व्यापक संदर्भ में देखना आवश्यक है। इतिहास गवाह है कि जब भी किसी वंचित वर्ग को अवसर दिया जाता है, तो प्रारंभिक वर्षों में चुनौतियाँ होती हैं, लेकिन समय के साथ वह वर्ग अपनी क्षमता विकसित कर लेता है। इसलिए, इस समस्या का समाधान आरक्षण को समाप्त करना नहीं, बल्कि महिलाओं के लिए शिक्षा, नेतृत्व प्रशिक्षण और राजनीतिक सहभागिता के अवसर बढ़ाना है।

साथियों छठा और अंतिम बिंदु संवैधानिक संतुलन से जुड़ा है। यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि महिला आरक्षण के कारण पुरुषों के मौलिक अधिकारों, विशेष रूप से समानता के अधिकार, का उल्लंघन न हो। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 14 और 15 समानता और गैर-भेदभाव की गारंटी देते हैं, लेकिन साथ ही अनुच्छेद 15 (3) राज्य को महिलाओं और बच्चों के लिए विशेष प्रावधान करने की अनुमति भी देता है। इसलिए, महिला आरक्षण संवैधानिक रूप से वैध है, बशर्ते कि यह समान अवसर और न्याय के व्यापक सिद्धांतों के अनुरूप हो। यहाँ संतुलन बनाना अत्यंत आवश्यक है, ताकि यह नीति सामाजिक न्याय को बढ़ावा दे, न कि नए प्रकार के असंतुलन पैदा करे। इन सभी चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए, यह आवश्यक हो जाता है कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम में कुछ ठोस दंडात्मक व सुधारात्मक उपाय जोड़े जाएँ।

साथियों सबसे पहले, प्रॉक्सी नेतृत्व को रोकने के लिए स्पष्ट कानूनी प्रावधान होने चाहिए, जिनमें आर्थिक और आपराधिक दंड शामिल हों। यदि यह साबित होता है कि कोई निर्वाचित महिला प्रतिनिधि केवल नाममात्र की है और वास्तविक निर्णय कोई अन्य व्यक्ति ले रहा है, तो उस पर और संबंधित व्यक्ति पर कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। दूसरा, महिला प्रतिनिधियों के लिए अनिवार्य राजनीतिक और प्रशासनिक प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किए जाने चाहिए, ताकि वे आत्मनिर्भर और सक्षम नेता बन सकें। तीसरा, राजनीतिक दलों को अपने आंतरिक ढांचे में सुधार करना होगा और महिलाओं को केवल टोकन उम्मीदवार के रूप में नहीं, बल्कि वास्तविक नेता के रूप में आगे बढ़ाना होगा। चौथा, नागरिक समाज और मीडिया की भूमिका भी महत्वपूर्ण है; उन्हें ऐसे मामलों को उजागर करना चाहिए जहाँ महिलाओं का दुरुपयोग किया जा रहा हो।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी यह देखा गया है कि महिला आरक्षण तभी सफल होता है जब उसे व्यापक सामाजिक और संस्थागत सुधारों के साथ जोड़ा जाए। रवांडा, नॉर्वे और फ्रांस जैसे देशों में महिला प्रतिनिधित्व बढ़ने के साथ-साथ महिलाओं की वास्तविक भागीदारी भी बढ़ी है, क्योंकि वहाँ शिक्षा, आर्थिक स्वतंत्रता और सामाजिक स्वीकृति का स्तर उच्च है। भारत को भी इस दिशा में समग्र दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है।

अंततः, नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023 भारत के लोकतांत्रिक विकास की दिशा में एक ऐतिहासिक और आवश्यक कदम है, लेकिन इसकी सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि हम ᎏसंख्यात्मक प्रतिनिधित्वᎏ को ᎏवास्तविक सशक्तिकरणᎏ में कैसे बदलते हैं। यदि हम प्रॉक्सी नेतृत्व, आपराधिक दखल अंदाजी और संस्थागत कमजोरियों को दूर करने में सफल होते हैं, तो यह अधिनियम न केवल महिलाओं के लिए, बल्कि पूरे समाज के लिए एक परिवर्तनकारी शक्ति बन सकता है। अन्यथा, यह केवल एक कागजी सुधार बनकर रहजाएगा जो अपने मूल उद्देश्य को पूरा करने में असफल रहेगा। इसलिए, समय की मांग है कि हम इस कानून को केवल एक राजनीतिक उपलब्धि के रूप में नहीं, बल्कि एक सामाजिक क्रांति के रूप में देखें और इसे सफल बनाने के लिए सभी स्तरों पर गंभीर और ठोस प्रयास करें।

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी
कर विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यम सीए (एटीसी)

इंदौर बाजार भाव

इंदौर । कमजोर माँग के चलते बुधवार को अनाज मंडी में चना घटाकर बोला गया। बाकी दलहनों में टिकाव रहा। आखातीज की ग्राहकी किराना बाजार में अच्छी रही। खाद्य तेलों में मंदी का वातावरण रहा।

व्यापारिक सूत्रों के अनुसार चने में ऊपरी स्तरों पर माँग ठंडी पड़ने से बाजार मंदी के रहे। चना घटकर 5450-5550 रू. प्रति क्विं?टल के बीच आ गया। अन्य दलहनों में व्यापार वाली बात नहीं रही। खाद्य तेलों में आयातित मालों की उपलब्धि? को सुगम देखते हुए बाजार घटाकर बोले गये। तिलहनों में भी सुस्ती रही। किराना बाजार में अखातीज के लिए माँग अच्छी रही। भाव इस प्रकार रहे -

किराना - शक्कर 4080-4180, खोपरा गोला 350-400, खोपरा बूरा 3200-6800 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 280-285, ऊंझा हल्का 270-280, बेस्ट 280-300, हल्दी निजामाबाद 210-230, सांगली 275-280, साबूदाना हल्का 5500-5600, मीडियम 5600-5700, बेस्ट 5800-5900, सच्चा मोती 5700, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 120-150, बेस्ट 250-380, सौंफ बारि?क 220-380, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 740-745, मीनी मटरदाना 770-785, मटरदाना 800-815, खसखस अनक्लीन 800-950, क्लीन 1050-1400, दालचीनी 245-260, जायफल 815-880, बाद्यान फूल 405-600, शाहजीरा 350-400, तेजपान 90-100, पत्थर फूल 235-425, जावत्री 2050-2100, केसर 200-250, नाग केसर 925-975, सौंठ 325-500, धोली मूसली 1400-1600, लौंग 700-720, बेस्ट 760-790, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, सिंघाडा छोटा 100-120, बड़ा 120-130, सिंदूर (25 कि.ग्रा. पैकिंग) 7300, देशी कपूर 850-860, बेस्ट 875-900, पूजा बादाम 115-125, बेस्ट 220-230, पूजा सुपारी 425-450, अरीठा 180-200, हरी इलायची एवरेज 1675-1775, बेस्ट 1925-2350, पानबार 1550-1600, बड़ी इलायची 1800-2100, तरबूज मगज 490-625, काजू (240) 920-950, काजू (320) 830-880, काजू डब्ल्यू (300) 790-810, काजू जे.एच. 820-840, टुकड़ी 760-800, बादाम मगज 760-800, अमेरिकन 825-950, बादाम टांच 700-725, अखरोट 590-850, अखरोट गिरी 1250-1550, जर्दालु 375-500, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 450-600, इंडियन 400-450, चारौली 1450-1750, मुनक्का 850-1000, बेस्ट 1150-1350, अंजीर 851-1075, मखाना 850-1200, बेस्ट 1350-1400, खारक एवरेज 75-80, मीडि?यम 90-130, बेस्ट 140-260, पिस्ता पिशोरी 2900-3100, कंधारी 2500-2700, नमकीन पिस्ता 1000-1150, बेस्ट 1200-1250, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2350-2400, (160) 2700-2750, (200) 2550-2600, (250) 2650-2700

तेल - सींगदाना 1730-1740, मुम्बई 1740, राजकोट तेलिया 2710-2720, सोया साल्वेंट 1430-1440, सोया रिफाइंड 1490-1500, कपास्या 1440-1450, धूलिया 1440, कड़ी 1440,

रात की धारणा - गुजरात लुज 1690, मुम्बई पाम 1455-1460, मुम्बई सोया 1550,

खली - कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2525, देवास-उज्जैन 2525, खंडवा-बुरहानपुर 2500, अकोला 3900 (प्रति क्विं?टल)

तिलहन - सरसो 7200-7300, रायडा 6200-6300, सोयाबीन 5500, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन - चना कांटेवाला बेस्ट 5450-5500, एवरेज 5550-5600, विशाल 5500, महाराष्ट्र विशाल 5525-5550, काबूली चना डॉलर 7600-8700, काबूली चना रशि?यन 5400-5700, बिटकी 5000-5300, मसूर बेस्ट 6000-6100, एवरेज 5600-5700, मूंग गर्मी बेस्ट 7700-8000, मूंग बोल्ड 8200-8400, एवरेज 6500-6700, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7200-7300, एवरेज 7000-7100, हल्की 6400-6500, महाराष्ट्र सफेद 7600-7800, महाराष्ट्र लाल 8000-8200, कर्नाटक 8100-8400, उड़द बेस्ट 8500-9000, एवरेज 7000-8000, हल्की 4000-6000,

दाल - चना दाल एवरेज 7000-7200, मीडि?यम 7300-7400, बोल्ड 7600-7800, तुअर दाल सवा नं. 8200-8400, तुअर दाल फूल 9400-10000, तुअर दाल बोल्ड 10600-11700, मसूर दाल एवरेज 7900-8000, बेस्ट 8000-8100, मूंग दाल 9500-9700, बोल्ड 9900-10500, मूंग मोगर 10500-10700, बोल्ड 10900-11100, उड़द दाल 9800-10000, बोल्ड 10400-10500, मोगर 10600-10800, बोल्ड 11000-11400,

अनाज - गेहूं मिल क्वालिटी 2350-2450, लोकवन एवरेज 2400-2650, बेस्ट 2800-3100, मालवराज 2300-2560, गेहूँ पूर्णा एवरेज 2400-2550, बेस्ट 2650-2750, मक्का पीली 1600-1850, बेस्ट 1850-1900,

चावल - चावल हंसा सफेद 2900-3100, सेला 3500-3700, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7500, काली मुंछ डिनर किंग 9000, बासमती दुबार 9500-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 5000-7000, तिबार 10500-11500, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4500-5100,

मावा - इन्दौर 360, उज्जैन 300, रतलाम 390 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाजार

इन्दौर। विश्व बाजार में बनी जोरदार तेजी से बुधवार को स्थानीय सराफा बाजार में दोनों मूल्यवान धातुओं में बाजार तेजी के रहे। भाव इस प्रकार रहे -

चाँदी (9999) 247000, चाँदी (99) 246500, टंच 246000, सिक्का 2800, सोना 10 ग्राम 154000,

रुपया गिरावट के साथ बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया 4 पैसे की गिरावट के साथ ही 93.40 पर बंद हुआ। आज सुबह भारतीय रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 21 पैसे की मजबूती के साथ 93.17 पर खुला पर बंद होते-होते इसमें गिरावट आने लगी। यह बढ़त ब्रेंट क्रूड की गिरती कीमतों और अमेरिका-ईरान के बीच शांति वार्ता की उम्मीद के कारण आई। वहीं गत दिवस मुद्रा बाजार बंद था। वहीं सोमवार को भारतीय रुपया 63 पैसे टूटकर 93.36 पर बंद हुआ था।

सेंसेक्स 1264 अंक चढ़कर 78,111 पर बंद, निफ्टी भी 389 बढ़कर 24,231 पर पहुंचा; आईटी, मेटल और ऑटो शेयरों में खरीदारी

मुंबई। शेयर बाजार की बुधवार को निवेशकों पर जमकर मेहरबानी बरसी। सेंसेक्स 1,264 अंक (1.64 प्रतिशत) की तेजी के साथ 78,111 पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 389 अंकों (1.63 प्रतिशत) की तेजी रही, ये 24,231 के स्तर पर पहुंच गया है। आज के कारोबार में ऑटो, आईटी, मेटल और रियल्टी के शेयरों में ज्यादा खरीदारी रही। बाजार की इस तेजी के कारण बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का कुल मार्केट कैप बढ़ गया, जिससे निवेशकों की संपत्ति में 9 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का इजाफा हुआ।

भारतीय शेयर बाजार में खरीदारी का एक नया दौर शुरू हुआ, जिससे बेंचमार्क इंडेक्स 1.5 फीसदी से ज्यादा ऊपर चढ़कर बंद हुए। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स 1,264 अंक, या 1.64 फीसदी बढ़कर 78,111.24 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 50 389 अंक, या 1.63 फीसदी उछलकर 24,231.30 पर स्थिर हुआ। निफ्टी मिडकैप 100 और स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 2 फीसदी से ज्यादा ऊपर चढ़े। इस तेजी की वजह से शेयर बाजार निवेशकों को मोटा फायदा हुआ। वास्तव में बीएसई का मार्केट कैप 449 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 458 लाख करोड़ रुपए हो गया।

इसका मतलब है कि मार्केट कैप में 9 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का इजाफा हुआ। यही शेयर बाजार निवेशकों की कमाई भी है।

विदेशी बाजारों में तेजी

दुनिया भर के प्रमुख बाजारों में तेजी आई ने भी भारतीय शेयर बाजार के मनोबल में इजाफा किया है। वास्तव में स-ईरान बातचीत जल्द ही फिर से शुरू होने की संभावना की वजह से भी विदेशी बाजारों में तेजी देखने को मिली है। जापान के बाहर एशिया-प्रशांत शेयरों का रूस्ड्यु का सबसे व्यापक इंडेक्स 1.5 फीसदी बढ़कर छह हफ्तों के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। जापान का निक्केई भी 1 फीसदी चढ़ा, जबकि कोरिया का कोस्पी 3 फीसदी उछला। रात भर में, स् शेयर बाज़ार में जबरदस्त बढ़त देखने को मिली। नैस्डैक 2 फीसदी चढ़ा और स्&क 500 1.2 फीसदी बढ़कर अपने रिकॉर्ड बंद भाव के करीब पहुंच गया।

रुपए में लगातार तीसरे दिन गिरावट

रुपया अपनी शुरुआती बढ़त गंवाकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 9 पैसे गिरकर 93.44 (अस्थायी) पर बंद हुआ। इसकी वजह यह रही कि कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट के बाद आई तेजी और घरेलू महंगाई के बढ़ते आंकड़ों ने बाजार के माहौल को कमजोर कर दिया। फॉरेक्स विश्लेषकों के अनुसार, घरेलू शेयर बाजार में जोरदार खरीदारी के बावजूद रुपया मजबूत नहीं हो पाया। हालांकि, शुरुआत में इसमें बढ़त देखी गई थी, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि ईरान के साथ बातचीत का दूसरा दौर अगले दो दिनों में हो सकता है।

तेल, खाने-पीने की चीजों और मैन्युफैक्चर्ड सामान की कीमतों में बढ़ोत्तरी...मार्च में मंहगाई बढ़ी

नई दिल्ली। भारत में थोक कीमतें मार्च माह में सालाना आधार पर 3.88 प्रतिशत बढ़ गईं, जो तीन साल से ज्यादा समय में सबसे तेज बढ़ोतरी है। मोदी सरकार की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, तेल, खाने-पीने की चीजों और मैन्युफैक्चर्ड सामान की कीमतों में बढ़ोतरी के कारण मार्च में महंगाई बढ़ी है। यह आंकड़ा फरवरी के 2.13 प्रतिशत से ज्यादा है और अर्थशास्त्रियों के 3.04 प्रतिशत के अनुमान से भी ऊपर रहा। थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित महंगाई दर बीते महीने 2.13 प्रतिशत थी, जबकि पिछले साल मार्च में यह 2.25 प्रतिशत रही थी। उद्योग मंत्रालय ने कहा कि मार्च 2026 में महंगाई की सकारात्मक दर मुख्य रूप से कच्चे पेट्रोलियम और नैचुरल गैस, अन्य मैन्युफैक्चर्ड उत्पादों, गैर-खाद्य वस्तुओं, बेसिक मेटल्स और खाद्य वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी के कारण रही है।

डब्ल्यूपीआई के आंकड़ों के अनुसार, ईंधन और बिजली श्रेणी में महंगाई फरवरी के -3.78 प्रतिशत से बढ़कर मार्च में 1.05 प्रतिशत हो गई। कच्चे पेट्रोलियम में महंगाई मार्च में तेजी से बढ़कर 51.57 प्रतिशत हो गई, जबकि फरवरी में इसमें 1.29 प्रतिशत की गिरावट थी। मैन्युफैक्चर्ड उत्पादों में महंगाई मार्च में बढ़कर 3.39 प्रतिशत हो गई, जो फरवरी में 2.92 प्रतिशत थी। हालांकि, खाद्य वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी की रफ्तार कुछ कम हुई और यह मार्च में 1.90 प्रतिशत रही, जो फरवरी में 2.19 प्रतिशत थी। सब्जियों के मामले में महंगाई मार्च में घटकर 1.45 प्रतिशत रह गई, जबकि फरवरी में यह 4.73 प्रतिशत थी।

अमेरिका-ईरान जंग के बाद पश्चिम एशिया में जारी संकट के चलते वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेज बढ़ोत्तरी हुई है।

आज का राशिफल

मेष राशि- आज किस्मत आपको एक बड़ा संकेत दे रही है। प्रॉपर्टी से जुड़ा अटका काम अचानक सुलझ सकता है और समाज में आपकी पहचान चमक सकती है। दिल कह रहा है कुछ बड़ा करो और आप वही करने वाले हैं। लेकिन प्रेम में थोड़ी सावधानी जरूरी है, साथी को नजरअंदाज किया तो दूरी बढ़ सकती है। मां की सेहत चिंता दे सकती है, भागदौड़ बढ़ेगी। इच्छा पूरी होगी। पर मन फिर भी कुछ अधूरा महसूस करेगा।

वृषभ राशि- आज का दिन आपके लिए मौके लेकर आया है। कोई नई खरीदारी दिल खुश कर देगी और परिवार में रिश्ते पहले से मजबूत होंगे। घर में नई शुरुआत चाहे वाहन हो या मरम्मत। शुभ संकेत दे रही है। लंबे समय से अटकी डील फाइनल हो सकती है। लेकिन सेहत को हल्के में लिया तो परेशानी बढ़ सकती है।

मिथुन राशि- भागदौड़ भरा दिन है, लेकिन राहत की बात कि मदद खुद चलकर आएगी। खर्चों पर कंट्रोल रखना जरूरी है, नहीं तो बजट बिगड़ सकता है। अपने काम खुद करें, दूसरों पर भरोसा भारी पड़ सकता है। बच्चों पर नजर रखें, उनकी दिशा सही रखना आपकी जिम्मेदारी है। सरकारी काम में जल्दबाजी नहीं, सोच-समझकर कदम बढ़ाएं।

कर्क राशि- आज का दिन परीक्षा ले सकता है, लेकिन आप संभाल लेंगे। काम में फोकस बढ़ेगा और बॉस की नजर में आपकी वैल्यू भी। दिल में सहयोग की भावना रहेगी, जो आपको आगे बढ़ाएगी। छोटी-छोटी बातों का तनाव रहेगा, लेकिन परिवार के विवादों से राहत मिलेगी। लाइफस्टाइल में पॉजिटिव बदलाव दिखेगा।

सिंह राशि- आज आत्मविश्वास आपका सबसे बड़ा हथियार है, लेकिन मन में चल रही उलझनें आपको थोड़ा परेशान कर सकती हैं। प्लानिंग के साथ काम करेंगे तो जीत आपकी होगी। सेहत खासकर शुगर और बीपी को नजरअंदाज ना करें। विद्यार्थियों के लिए आज का दिन खास है, मनचाहा रिजल्ट मिल सकता है।

कन्या राशि- आज सेहत पर बिल्कुल भी लापरवाही मत कीजिए। पेट से जुड़ी परेशानी आपको परेशान कर सकती है। नौकरी की तलाश खत्म हो सकती है। बुलावा आ सकता है, लेकिन जल्दबाजी नुकसान दे सकती है। अपने राज किसी से शेयर ना करें, कोई फायदा उठा सकता है। फोकस बनाए रखेंगे तो रास्ता खुद बन जाएगा।

तुला राशि-सुबह की शुरुआत ही खुशखबरी लेकर आएगी। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और घर का माहौल खुशनुमा रहेगा। पुराने झगड़े खत्म होंगे और काम की रफ्तार तेज होगी। जिम्मेदारियों को समय पर निभाकर आप सबका दिल जीत लेंगे। प्रमोशन की बात भी आगे बढ़ सकती है।

वृश्चिक राशि-आज धैर्य ही आपकी असली ताकत है। मीठी वाणी से आप हर मुश्किल आसान कर सकते हैं। प्रॉपर्टी मामले में भाइयों से बात आगे बढ़ेगी। विद्यार्थियों के लिए सफलता के दरवाजे खुल सकते हैं। स्कॉलरशिप तक मिल सकती है, लेकिन वाहन चलाते समय सावधानी जरूरी है, वरना परेशानी हो सकती है।

धनु राशि-आज रिश्तों में पारदर्शिता जरूरी है। जीवनसाथी से कुछ भी छुपाना भारी पड़ सकता है। डूबा हुआ पैसा वापस मिलने की उम्मीद है। राजनीति या नए काम में हाथ आजमाने का मन बनेगा। बिजनेस में ग्रोथ दिखेगी और पेंडिंग काम पूरे होंगे। पिता से बहस से बचें, नहीं तो बात बिगड़ सकती है।

मकर राशि-आज नौकरी वालों के लिए खुशखबरी है। नया पद या प्रमोशन मिल सकता है। लक्ष्य पर फोकस रखेंगे तो सफलता तय है। प्लानिंग के साथ काम करेंगे तो हर काम समय पर पूरा होगा। लेकिन सेहत को नजरअंदाज किया तो बड़ी समस्या बन सकती है। दिनचर्या सुधारेंगे तो लाइफ बैलेंस में आ जाएगी।

कुंभ राशि-आज का दिन आपको मुस्कुराने की वजह देगा। समस्याओं का हल मिलेगा और आर्थिक स्थिति सुधरेगी। नौकरी की तलाश खत्म हो सकती है। कोई अच्छी खबर मिलेगी। नया वाहन लेने का सपना भी पूरा हो सकता है। कुल मिलाकर आज फायदा ही फायदा

मीन राशि- आज थोड़ा संभलकर चलना होगा। खर्चे बढ़ सकते हैं, इसलिए कंट्रोल जरूरी है। आपके काम आपको नई पहचान दिलाएंगे। बच्चे आपकी तरफ उम्मीद भरी नजरों से देखेंगे। अनजान लोगों की बातों में आकर फैसला लेना नुकसान दे सकता है। लेकिन एक शुभ समाचार आपका दिन बना देगा।

शब्दजाल - 8230

अ	कु	र	सु	ह	म	तु	म	ला	नी	ओ
न	छ	क	ज	इं	डे	ने	ह	क	म	म
बं	ना	आ	व	म	न	इ	क	भी	प	ज
टी	क	ल	मा	ज	ल	स	रा	अ	इ	य
औ	हो	स	र	का	र	क	र	ल	त्ते	ज
र	जे	कि	र	क	द	का	म	वी	रि	ग
ब	मा	दे	श	व	था	स	त	दा	क	दी
ब	दे	श	रा	न	प	य	र	न	व	श
ली	दि	ल	र	ले	दा	र	जा	क	वी	दे
क्षि	ज	ति	त	हि	द	ह	मा	ह	ल	र
ते	रा	जा	दु	च	ल	ग	या	बा	र	म

शब्दजाल में अभिषेक बच्चन की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए.शब्द ऊपर से नीचे,दाएं से बाएं एवं तिरछे हो सकते हैं

सरकार, बंटी और बबली, ओम जय जगदीश, शरारत, दस, कभी अलविदा न कहना, रन, हम तुम, कुछ ना कहो, तेरा जादु चल गया.

शब्दजाल - 8229 का हल

फिल्म वर्ग पहेली - 7174

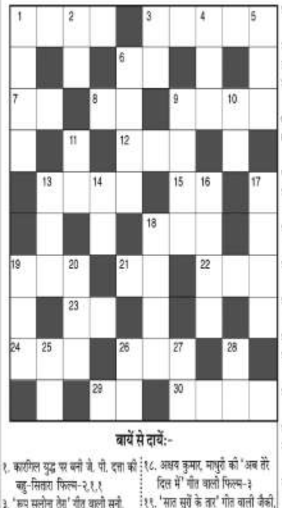

ऊपर से नीचे:-

१. 'दिल लगाने की' गीत वाली अक्षय, अभिताभ, राखी, जूही की फिल्म-२,२
२. अतीन भक्त, संदली की एक फिल्म-२
३. 'पहला पहला प्यार' गीत वाली फिल्म-२
४. संजयदत्त, काजोल की 'आवाज दो हमको' गीत वाली फिल्म-३
५. 'मैं तेरी दुश्मन' गीत वाली फिल्म-३
६. अजय देवगन, रवीना की 'कितना हसीन चेहरा' गीत वाली फिल्म-४
९. राजेश खन्ना, शबाना आजमी की फिल्म-४
१०. जैकी श्रॉफ, रति की 'जितना कभी किसी ने' गीत वाली फिल्म-२
११. 'दिलवालों के दिल का' गीत वाली मनोज वाजपेयी, रवीना की फिल्म-२
१३. सनी, बॉबी, उर्मिला की 'कोई नहीं है' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'तुम आए तो आया' गीत वाली अजय देवगन, पूजा भट्ट की फिल्म-२
१६.'कहाँ से आई रानी' गीतवाली फिल्म-२,२
१७. 'मैं जब बोलूँ हाँ' गीत वाली जीतेंद्र, नीतूसिंह की फिल्म-४
१८. अशोककुमार, सुमिता की 'रेलगाड़ी रेलगाड़ी' गीत वाली फिल्म-४
१९. 'दोस्त दोस्त ना रहा' गीत वाली फिल्म-३
२०. अक्षय, करिश्मा की 'दिल ले गया' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'रजिया सुल्तान' में रजिया सुल्तान की शीर्षक भूमिका किसने की है-२
२६. 'तेरा क्या लगता है' गीत वाली फिल्म-२
२७. फिल्म 'काजल' की नायिका कौन थी-३
२८. 'नचना तेरे नाल' गीत वाली फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. कारगिल युद्ध पर बनी जे. पी. दत्ता की बहु-सितारा फिल्म-२,१,१
३. 'रूप सलोना तेरा' गीत वाली सनी, अक्षय, मनीषा की फिल्म-२,३
६. अमिर, माधुरी दीक्षित की 'खंभे जैसी खड़ी है' गीत वाली फिल्म-२
७. 'अपना बनाना है' गीत वाली अनिल कपूर, शिल्पा, करिश्मा की फिल्म-२
८. कुमार गौरव, माधुरी की 'पहली बारिश में और' गीत वाली फिल्म-२
९. 'रिमझिम के गीत' गीत वाली राजेंद्र कुमार, बबीता की फिल्म-४
१२. 'छोटा कद और पेट बड़ा' गीत वाली संजयदत्त, नम्रता की फिल्म-३
१३. अजय देवगन, मधु, सोनाली की 'किसी के इश्क' गीत वाली फिल्म-४
१५. फिल्म 'साया' में जॉन अब्राहम की नायिका कौन थी-२
१८. अक्षय कुमार, माधुरी की 'अब तेरे दिल में' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'सात सुरों के तार' गीत वाली जैकी, माधुरी दीक्षित की फिल्म-३
२१. फरदीन, करीना की 'तेरे बिना तेरे बिना' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'डैडी कूल कूल' गीत वाली शाहरूख खान, पूजा भट्ट की फिल्म-३
२३. राजीव कपूर, डिम्पल की 'कोई भी नाम दो' गीत वाली फिल्म-२
२४. अभिनेत्री पूजा भट्ट के पिता-३
२६. दिलीपकुमार, वहीदा रहमान की 'कल के सपने' गीत वाली फिल्म-३
२९. 'तुझे ना देखूँ तो' गीत वाली जीतेंद्र, कमल सदाना, दिव्या की फिल्म-२
३०. सुमीत सहगल, शिखा की 'पीछे पीछे आजा' गीत वाली फिल्म-४

फिल्म वर्ग पहेली - 7173

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8698

बाएँ से दाएँ

1. प्रार्थना,खुशामद-4
4. श्मशान,शवदाहगृह-4
6. भ्रमर,चक्र-3
8. कामदेव,सुंदर-3
9. चांदी-3
11. सितारा-2
13. राजकुमार,मनोज कुमार, वहीदा रहमान की फिल्म-5
15. हालात,तबियत-2
16. फिजूल,व्यर्थ-3
18. डिपो-3
19. गमन,विदा-3
20. झगड़ा,अनबन-4
22. लुंगी-4

ऊपर से नीचे

1. आलता,माहुर-4
2. घाटा,नुकसान-2
3. कमल,जलज-3
4. अभिष्ट इच्छा,चाह-5
5. टक्कर,मुठभेड़-4
7. रात्रि,निशा-3
10. जरुरतमंद-5
12. हाथी साधने वाला-4
14. तरंग,हिलोर-3
17. कसरत,परेड-4
18. विश्राम,राहत-3
21. मार्ग,पथ-2

शब्द पहेली -8697 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

16 अप्रैल 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

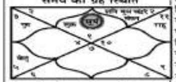

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ	समय
सूर्य	मेष में	मेष	05.33 बजे से
चंद्र	मीन में	वृष	07.17 बजे से
मंगल	मीन में	मिथुन	09.15 बजे से
बुध	मीन में	कर्क	11.29 बजे से
गुरु	मिथुन में	सिंह	13.45 बजे से
शुक्र	मेष में	कन्या	15.57 बजे से
शनि	मीन में	तुला	18.07 बजे से
राहु	कुंभ में	वृश्चिक	20.22 ब.से
केतु	सिंह में	धनु	22.38 बजे से
		मकर	00.43 बजे से
		कुंभ	02.30 बजे से
		मीन	04.02 बजे से

राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक

गुरुवार 2026 वर्ष का 106 वा दिन
दिशाशूल दक्षिण ऋतु ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2083 शक संवत् 1948
मास वैशाख (दक्षिण भारत में चैत्र)
पक्ष कृष्ण
तिथि चतुर्दशी 20.12 बजे को समाप्त। नक्षत्र उत्तराभाद्रपदा 13.59 बजे को समाप्त। योग इन्द्र 10.38 बजे को समाप्त। करण विष्टि 09.26 बजे तदनन्तर शकुनि 20.12 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 24.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 10°03'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872681
जूलियन दिन 2461146.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना शव्वाल
तारीख 27

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
शुभ	05.54 से 07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से 07.11 बजे तक
रोग	07.22 से 08.51 बजे तक	चर	07.11 से 08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से 10.19 बजे तक	रोग	08.43 से 10.15 बजे तक
चर	10.19 से 11.47 बजे तक	काल	10.15 से 11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से 01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से 01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से 02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से 02.51 बजे तक
काल	02.43 से 04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से 04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से 05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः उपकार का ऋण

काशी के पास गांव के एक गांव के पुजारी अपने बेटे के साथ मंदिर में ही रहते थे। वह पूरी तन्मयता से मंदिर का सारा काम करते थे। पुजारी चाहते थे कि उनका बेटा थोड़ा पढ़-लिख कर उनके काम में हाथ बंटाए। लेकिन बेटा चाहता था कि वह शहर में जाकर खूब धन कमाए। पढ़ने के लिए पुजारी के पास पैसा नहीं था। किसी तरह पुजारी के कर्म से अपना गुजारा करते थे। जब गांव वालों के कानों में यह बात गई तो उन्होंने चंदा इकट्ठा करके पुजारी के बेटे को ऊंची शिक्षा दिलवाई। वह पढ़ लिख कर शहर चला गया। शहर में उसने धन और कमाया। काफी समय के बाद एक बार वह गांव आया। उसे पिता को पुजारी का काम करते देख कर बुरा लग रहा था। उसने कहा, 'पिता जी, अब आप यह काम छोड़ कर हमारे साथ चलें। पिता ने कहा, 'नहीं बेटा। मैं मंदिर छोड़ कर कहीं नहीं जाऊंगा।' बेटे ने कहा, 'यदि आप को मंदिर की इन पत्थर की मूर्तियों से इतना प्रेम है तो मैं इससे अच्छी मूर्ति लाकर आप को दूंगा।' इस पर पुजारी पिता ने कहा, 'बेटा, तुम सुंदर मूर्ति तो ला सकते हो लेकिन यहां का प्रेम नहीं ला कर दे सकते। यह ठीक है कि ये मूर्तियां पत्थर की है लेकिन मुझे जितनी खुशी इन मूर्तियों की सेवा करने में मिलता है उतनी खुशी कहीं और नहीं मिलेगी।' बेटे ने तब खीज कर अपने मन की बात कही, 'पिता जी, आप यहां एक सामान्य पुजारी की तरह काम करें, यह मुझे अच्छा नहीं लगता। इससे हमारी प्रतिष्ठा को चोट पहुंचती है।' पुजारी पिता ने तब ने जवाबी सवाल किया, 'क्या तुम्हारी प्रतिष्ठा इन चीजों से कीमती है कि तुम्हारी पढ़ाई का खर्च गांव वालों ने चंदा इकट्ठा करके निकाला? तुम्हारी मां बीमार थी तो गांव वालों ने उसकी सेवा की। बहन की शादी गांव वालों ने की। क्या तुम अपनी प्रतिष्ठा के बल पर शहर में मुझे इतना प्रेम दिलवा सकते हो? तुम्हारी प्रतिष्ठा और अपने सुख के लिए मैं गांव के लोगों को छोड़ कर नहीं जाऊंगा। बेटा, मैं तुम्हें भी यह सीख देता हूं कि सब कुछ भूल जाना लेकिन किसी का किया हुआ उपकार कभी मत भूलना।' बेटे को अब समझ में आ गया कि गरीब बाप की मानवता कितनी ऊंची है। उसके मुकाबले उसके धन और यश की बिसात ही क्या है। उसने पिता के मन के दर्द को समझा और उनसे माफी मांग कर शहर चला गया।

सूडोकु नवताल- 7483

★★★★☆ मध्यम

9		6		3		4		8
	2				9		7	
4			1	6				2
		8			2		3	
1		4				2		5
	3		5			8		
7				9	5			3
	8		6				4	
6		2		7		5		1

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7482 का हल

3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7

Jagrutidaur.com, Bangalore

10वीं एवं 12वीं बोर्ड परीक्षा परिणाम घोषित

पद्मेश न्यूज। लांजी। माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल द्वारा 15 अप्रैल को 10वीं एवं 12 वीं की बोर्ड परीक्षा का परिणाम घोषित किया गया। जिसमें नगर के शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी साकेत पब्लिक हायर सेकेंडरी स्कूल लांजी का अंग्रेजी माध्यम दसवी और बारहवी बोर्ड परीक्षा का परीक्षा परिणाम सराहनीय रहा ।

दसवी में वाणी संतोष सोनवाने 96.8 प्रतिशत से रही प्रथम

दसवी में वाणी संतोष सोनवाने ने 96.8 प्रतिशत के साथ प्रथम स्थान, आँचल नरेन्द्र बरचैया 96.2 प्रतिशत के साथ द्वितीय स्थान, निल राजु चाहेश्वर 95.6 प्रतिशत के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी क्रम में भावेश शेषराम भिमटे 95.4 प्रतिशत, वैष्णवी मुकेश दशरिया 95 प्रतिशत, स्तुति महेन्द्र शक्करपुडे 94.6 प्रतिशत, शितला मनोज दखने 93.4 प्रतिशत, श्रावनी लालचंद नौखरे व प्रज्ञा सतेन्द्र कुमार नारनौरे 93 प्रतिशत, सांझ राकेश महिमेहरों 92.6 प्रतिशत, जान्हवी दिगम्बर कलपुरे 92.6 प्रतिशत, अभिजित चन्द्रप्रकाश नागपुरे 91.6 प्रतिशत, मोनिका रमेश मेहरबान 90.8 प्रतिशत, मुस्कान संतोष कुमार ढोक 90.4 प्रतिशत, सर्वेश सुनील सोनवाने 90.8 प्रतिशत, आयुष रमेश कालबेले 89.4 प्रतिशत, कुनाली सुमित कोठारे 87.4 प्रतिशत, प्रणव संतोष मोरघ? 87.2 प्रतिशत, सिद्धी राजकुमार उमरे 87.2 प्रतिशत, वर्षा दामेश्वर उपराड़े 86.8 प्रतिशत, आदित्य युवराज बारमाटे 86.8 प्रतिशत, भवी भोजराज नरताम 86.4 प्रतिशत, कशिश कमलेश बनवारी 85.6 प्रतिशत, वैभव नरेश आसटकर 84.8 प्रतिशत, अरिबा फातिमा सैय्यद हुशैन 82.8 प्रतिशत, शिवेन्द्र दुलिराम कोठारे 82.6 प्रतिशत, अंकित श्याम नारायण साहरे 80.2 प्रतिशत, सत्येम कैलाश जगने 78 प्रतिशत, मयुर बंशी कावरे 77.8 प्रतिशत, कामना भुवनलाल फुल्झरे 77.6 प्रतिशत, सागर सोमेश पिपरे 76.4 प्रतिशत, पलक संतीश चौधरी 76.6 प्रतिशत, योगिता श्रीचंद कावरे 75.4 प्रतिशत एवं अन्य छात्र/छात्राओं ने अपना उत्कर्श प्रदशर्न दिया।

बारहवी में कृतिका नुतेन्द्र रहमतकर 88.2 प्रतिशत से प्रथम स्थान

बारहवी मे कृतिका नुतेन्द्र रहमतकर 88.2 प्रतिशत के साथ प्रथम स्थान, पावस संतोष सोमनकर 87.6 प्रतिशत के साथ द्वितीय स्थान, हेरूषी विरेन्द्र धारणे 87.4 प्रतिशत के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया इसी क्रम में रितेश तिरर्थदास लिल्हारे 86.4 प्रतिशत, आयुषी सुरेन्द्र ब?चैया 83.8 प्रतिशत, श्रेया बंसत रामटेके 81.8 प्रतिशत, निहाल धर्मराज घोघड़े 81 प्रतिशत, देव कुमार ललीत कंकरायने 79.8 प्रतिशत, उमा गिरीश रामटेकर 78 प्रतिशत, दिव्यांश राजेन्द्र ब?चैया 77.8 प्रतिशत, अफिरा जैनाब मो. रफिक शेख 77.6 प्रतिशत, सुमित कमलदास डाहरे 76.6 प्रतिशत, भुपांशु कोमलचंद गुर्दे 72.2 प्रतिशत, नेहा हिरालाल चंदेले 72 प्रतिशत, प्रियांका किशोर मुरकुटे 71.6 प्रतिशत, पारूल निलकण्ठ गजभिये 70.6 प्रतिशत, खुश्बु बालकृष्ण धारणे 70.4 प्रतिशत, प्राप्त कर विद्यालय एवं अपने परिवार को गौरवान्वित किया छात्र/छात्राओं की सफलता पर छात्र/छात्राओं एवं परिजनों को विद्यालय के संचालक संतोष मोरघड, प्राचार्य महेंद्र दुरूगकर, प्रधान पाठक श्रीमती नेत्रेश्वरी सोनवाने, सुरभी मिश्रा, कोमल प्रसाद ठाकरे, निर्मल सिंह सोलंकी, प्रदिप रामटेके, किरण कुमार रामावत, सतेन्द्र मुरकूटे, भुनेश्वरी गव्हारे, मंजु कश्यप, लता मुरकूटे, संध्या बिल्हारे तथा शाला परिवार के समस्त शिक्षक शिक्षिका ने बधाई प्रेपित किया।

पीएम श्री शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लांजी का बोर्ड परीक्षा परिणाम सराहनीय

पद्मेश न्यूज। लांजी। माध्यमिक शिक्षा मंडल, भोपाल द्वारा आज घोषित कक्षा 10वीं एवं 12वीं बोर्ड परीक्षा परिणाम में पीएम श्री शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लांजी ने शानदार प्रदर्शन किया है। कक्षा 12वीं में विद्यालय की 231 छात्राओं में से 185 छात्राएं उत्तीर्ण हुईं, जबकि 46 छात्राएं अनुत्तीर्ण रहीं। विद्यालय का कुल उत्तीर्ण प्रतिशत 80.08 प्रतिशत रहा।

इसी प्रकार कक्षा 10वीं में कुल 160 छात्राओं में से 158 परीक्षा में सम्मिलित हुईं, जिनमें से 123 छात्राएं सफल रहीं और 35 अनुत्तीर्ण हुईं। कक्षा 10वीं का उत्तीर्ण प्रतिशत 77.84 प्रतिशत रहा।

कक्षा 12वीं में संध्या डेलचंद घोरमारे ने 500 में से 486 अंक प्राप्त कर 92.4 प्रतिशत अंक हासिल करते हुए विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया। पायल मेहतर नारनौरे ने 454 अंक प्राप्त कर90.8 प्रतिशत के साथ द्वितीय स्थान प्राप्त किया। प्रांशु धर्मेंद्र सातपुते ने 453 अंक प्राप्त कर 90.6 प्रतिशत के साथ तृतीय स्थान हासिल किया। कक्षा 10वीं में निधि लक्ष्मण ढोक ने 486 अंक प्राप्त कर 97.2 प्रतिशत अंक के साथ विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया। दिव्या यशवंत बरगैया ने 483 अंक प्राप्त कर 96.6 प्रतिशत के साथ द्वितीय स्थान हासिल किया। दिव्या नंदकिशोर कलपूरे एवं तिथि गरुड़े ने 475 अंक प्राप्त कर 94.8 प्रतिशत के साथ संयुक्त तृतीय स्थान प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम पर विद्यालय के प्राचार्य प्रमोद कुमार भीमटे एवं समस्त शिक्षण एवं गैर-शिक्षण स्टाफ ने हर्ष व्यक्त किया। प्राचार्य ने सभी सफल छात्राओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की और कहा कि यह परिणाम विद्यालय के निरंतर प्रयासों का फल है।

सांदीपनि शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बोलेगांव का परीक्षा परिणाम रहा शत प्रतिशत

पद्मेश न्यूज। लांजी। माध्यमिक शिक्षा मण्डल मप्र भोपाल के द्वारा 15 अप्रैल को 10वीं एवं 12वीं एम पी बोर्ड के परीक्षा परिणाम घोषित किये गये है जिसमें लांजी विकासखण्ड अन्तर्गत संचालित सांदीपनि शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बोलेगांव लांजी का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा सभी छात्र छात्राओं को प्राचार्य बीआर गुरदे के द्वारा बधाई प्रेषित की गई। बतादे कि सत्र 2025-26 की आयोजित बोर्ड परीक्षा में विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर अपने माता-पिता एवं विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया। कक्षा बारहवीं एवं कक्षा दसवीं की परीक्षा में सम्मिलित सभी विद्यार्थीयों ने अच्छे अंक अर्जित किए। कक्षा बारहवीं की बोर्ड परीक्षा में शामिल 54 विद्यार्थीयों में सभी विद्यार्थी प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुए, जिसमें छात्रा प्रीति पिता रेखलाल कावरे 94.4 प्रतिशत प्रथम स्थान, उज्वल श्यामराव वाहने 89 प्रतिशत द्वितीय स्थान, आराधना दौलत बागड़े 87.6 प्रतिशत तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार कक्षा दसवीं की बोर्ड परीक्षा में शामिल 101 विद्यार्थीयों में सभी प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुए जिसमें 20 छात्र 90 प्रतिशत से अधिक अंक अर्जित करने में सफल रहे। जिसमें अनुष्का विजय कटरे 97.2 प्रतिशत , योगिता विजय दमाहे 97.2 प्रतिशत ने संयुक्त रूप से प्रथम स्थान, साक्षी पिता तपेश्वर बह्ले 96 द्वितीय स्थान, पलक पिता सतीष बुढावने 95.8 प्रतिशत तृतीय स्थान प्राप्त किया।सभी विद्यार्थीयों की सफलता से उत्साहित संस्था प्राचार्य बी आर गुरदे ने इस सफलता का श्रेय छात्र छात्राओं की कड़ी मेहनत और लगन तथा समस्त मार्गदर्शी शिक्षक -शिक्षिकाओ को दिया। उन्होंने कहा कि सभी विद्यार्थीयों एवं शिक्षकों के अथक प्रयास कर उच्चतम स्तर को अर्जित किया है। सभी विद्यार्थीयों ने अपने माता-पिता एवं विद्यालय परिवार को गौरवान्वित किया है। संस्था प्राचार्य बी आर गुरदे उपप्राचार्य प्रवीण साहु , पालक शिक्षक संघ के अध्यक्ष अनिल नागवंशी एवं समस्त शिक्षक शिक्षिकाओं ने विद्यार्थियों की सफलता पर हर्ष व्यक्त करते हुए बधाईयां प्रेषित कर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की हैं।

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मनेरी की छात्रा जागृति लिल्हारे ने प्रदेश प्राविण्य सूची में पाया 7वॉ स्थान

पद्मेश न्यूज। लांजी। मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मण्डल भोपाल के द्वारा 15 अप्रैल को 10वीं और 12वीं के नतीजे घोषित किये गये। प्रदेश में हुये आयोजन में प्रदेश के मुखिया डॉ मोहन यादव एवं स्कूल शिक्षा मंत्री राव प्रताप सिंह की प्रमुख उपस्थिती में नतीजे घोषित किये गये। सभी प्रतिभावान छात्र छात्रओं को मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के द्वारा शुभकामनाऐं प्रेषित की गई जिन्होने प्रदेश एवं जिलो का नाम रोशन किया है। इसी प्राविण्य सूची में लांजी का मान लांजी की बेटी जागृति लिल्हारे ने बढ़ाया जिन्हाने 10वीं कक्षा में प्रदेश प्राविण्य सूची में 7वाँ स्थान प्राप्त कर बालाघाट जिले का प्रदेश में नाम रोशन किया है।

लांजी के भाडरा अंचल के ग्राम बोरडी निवासी है जागृति

कक्षा 10वीं के परीक्षा परिणामों में लांजी क्षेत्र के भाडरा अंचल के ग्राम बोरडी निवासी तिरथ लिल्हारे की पुत्री जागृति लिल्हारे उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुये 500 में से 493 अंक हासिल कर प्रदेश में 7वाँ स्थान प्राप्त किया है। बतादे कि जागृति लिल्हारे शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मनेरी की छात्रा है। जिन्हाने अपने कडी मेहनत एवं परिश्रम से यह मुकाम हासिल किया है। जागृति से जब हमने चर्चा की तो आपने बताया कि उन्होने हिन्दी एवं गणित विषय में 100 में 100 अंक हासिल किये है। वे आगे गणित विषय के साथ अपनी अगली कक्षा की पढाई करेगी पहला लक्ष्य उनका कक्षा 12वीं में भी प्राविण्य सूची में स्थान प्राप्त करने के साथ ही सिविल सर्विसेस में रूची रखती है। उनका लक्ष्य है वे एक आईएएस अधिकारी बने ताकि समाज की सेवा कर सके। जागृति की इस उपलब्धि पर दादाजी साधूदास लिल्हारे, पिता तीरथ लिल्हारे, माता ललीता लिल्हारे, भाई रितेश लिल्हारे, प्राचार्य रामेश्वरम लिल्हारे, सहित कक्षा शिक्षकों, एवं नाते रिश्तेदारो ने ढेरो शुभकामनाऐं प्रेषित करते हुये कहा कि। तीरथ लिल्हारे जी के दोनो बेटा बेटी कुशाग्र बुद्धी के धनी है बीत वर्ष कक्षा 10वीं में तीरथ लिल्हारे जी के पुत्र रितेश लिल्हारे ने बालाघाट जिले में दुसरा स्थान प्राप्त कर क्षेत्र का नाम रोशन किया था वहीं अब जागृति बेटी ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर लांजी बोरडी मनेरी का नाम बालाघाट जिला ही नही अपितू मध्यप्रदेश में नाम रोशन कर संपूर्ण क्षेत्र को गौरवान्वित किया है। निश्चित रूप से लांजी का मान बढाया है।

जागृति लिल्हारे की इस उपलब्धि पर लगातार सोशल मीडिया में बधाईयों का दौर प्रारंभ हो गया। क्षेत्र के जनप्रतिनिधियो से लेकर समाजिक कार्यकर्ताओ, नाते रिश्तेदारों के द्वारा जागृति को सोशल मीडिया सहित फोन कर बधाईयॉं संदेश दिया गया। क्षेत्रीय विधायक राजकुमार कर्राहे, पूर्व विधायक रमेश भटेरे, पूर्व विधायक हिना कावरे, जनपद अध्यक्ष अर्चना खोंगल, नगर परिषद अध्यक्ष रेखा ताराचंद कालबेले, अवंती साधना मंच, आलोक संघ लांजी, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष ऋषि पटेल दशरिया, जनपद उपाध्यक्ष अजय अवसरे, भाजपा मण्डल अध्यक्ष आलोक चौरसिया, पूर्व जनपद अध्यक्ष देवेन्द्र खोंगल, पूर्व जनपद अध्यक्ष डॉ अमृत मेश्राम, पत्रकार संघ लांजी, जिला शिक्षा अधिकारी अश्विनी उपाध्याय, बीओ प्रमोद भीमटे, बीआरसी शिवेन्द्र उके, संकुल प्राचार्य रामेश्वर घोरमारे, सहित प्रशासनिक अधिकारियों के द्वारा भी जागृति तिरथ लिल्हारे को शुभकामनाऐं प्रेषित कर उज्जवल भविष्य की कामना की है।

पीएमश्री शासकीय उमावि भानेंगांव का परीक्षा परिणाम उत्कृष्ट

पद्मेश न्यूज। लांजी। पीएमश्री शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भानेंगांव का वर्ष 2026 का बोर्ड परीक्षा परिणाम इस वर्ष अत्यंत उत्कृष्ट और सराहनीय रहा। माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल द्वारा 15 अप्रैल 2026 को घोषित हाईस्कूल कक्षा 10वीं एवं हायर सेकेंडरी कक्षा 12वीं का परीक्षा परिणाम में विद्यालय के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए न केवल विद्यालय बल्कि पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, कक्षा 10वीं में कुल 175 छात्र-छात्राएं परीक्षा में सम्मिलित हुए थे, जिनमें से 143 विद्यार्थी उत्तीर्ण घोषित हुए। इस प्रकार कक्षा 10वीं का कुल परीक्षा परिणाम 81.71 प्रतिशत रहा। इनमें 113 विद्यार्थियों ने प्रथम श्रेणी एवं 30 विद्यार्थियों ने द्वितीय श्रेणी में सफलता प्राप्त की। वहीं कक्षा 12वीं में कुल 162 परीक्षार्थियों में से 147 छात्र-छात्राएं उत्तीर्ण हुए, जिससे कुल परीक्षा परिणाम 90.74 प्रतिशत दर्ज किया गया। कक्षा 12वीं में 135 विद्यार्थियों ने प्रथम श्रेणी एवं 12 विद्यार्थियों ने द्वितीय श्रेणी में सफलता प्राप्त की।

कक्षा 10वीं में हिमांशी ने 92.6 प्रतिशत अंक अर्जित कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। नितिन मिश्रा ने 92 प्रतिशत अंक के साथ द्वितीय स्थान एवं कुमारी रूपाली ने 90 प्रतिशत अंक अर्जित कर तृतीय स्थान प्राप्त किया। कक्षा 12वीं कला संकाय में कुमारी प्रियंका ने 78.8 प्रतिशत अंक अर्जित कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। कुमारी मोनिका ने 75.2 प्रतिशत अंक के साथ द्वितीय स्थान एवं कुमारी आशा ने 74.2 प्रतिशत अंक के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया। गणित संकाय में निखिल राजेश चौहान ने 87.8 प्रतिशत अंक अर्जित कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। काव्य ने 85.2 प्रतिशत अंक के साथ द्वितीय स्थान एवं राहुल ने 83.6 प्रतिशत अंक के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया। जीवविज्ञान संकाय में कुमारी लक्ष्मी ने 89.8 प्रतिशत अंक अर्जित कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। कुमारी जाह्नवी ने 86 प्रतिशत अंक के साथ द्वितीय स्थान एवं कुमारी कल्पना ने 85 प्रतिशत अंक के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया। कृषि संकाय में काव्य राघवेंद्र उके ने 80 प्रतिशत अंक अर्जित कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। कुमारी रोशनी ने 79 प्रतिशत अंक के साथ द्वितीय स्थान एवं अमरेश ने 78 प्रतिशत अंक के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया। कॉमर्स संकाय में कु. डॉली संजय बागरे ने 91.6 प्रतिशत अंक अर्जित कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। मिताली पवन अवसरे ने 84.2 प्रतिशत अंक के साथ द्वितीय स्थान एवं वैभव पुरुषोत्तम रिझवात ने 83 प्रतिशत अंक के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया।

विद्यालय के प्राचार्य श्री चंद्रभूषण चौहान ने बताया कि कक्षा 10वीं में हिमांशी ने 500 में से 463 अंक (92.6 प्रतिशत) अर्जित कर विद्यालय में सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया। वहीं कक्षा 12वीं में कु. डॉली संजय बागरे ने 500 में से 458 अंक (91.6 प्रतिशत) अर्जित कर विद्यालय में टॉप किया।

प्राचार्य ने बताया कि राज्य शासन की योजना के अंतर्गत इस वर्ष कक्षा 12वीं के 46 विद्यार्थियों ने 75 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए हैं, जिन्हें निशुल्क लैपटॉप योजना के तहत 25,000 रुपये की राशि प्रदान की जाएगी।

छात्रों की इस सफलता पर विद्यालय के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं ने प्रसन्नता व्यक्त की। इस अवसर पर सी. बी.चौहान प्राचार्य, लेखेश्वर चंदनवार गजभिये, श्रीमती प्रज्ञा सेंडे रोंधे, निलेश कुमार साहु, जितेन्द्र भाग?कर, श्रीमती अनामिका मेश्राम, श्रीमती अनीता उइके, संजय सोरते, श्रीमती इंदिरा बेदरे, विवेक कोसरे, बबलू कामड़े, अरुण पटले, लेखराम मिसर, दिलीप उइके, श्रीमती नारनौरे, उमेश उइके, कमल किशोर भगत, शेषराम बागमारे, गीता नागेश्वर, आनंदराव साहूकर, श्रीमती कमानी बटले, राजेन्द्र कुमार जुंझारे, श्रीमती योगन्या मेश्राम, श्रीमती प्रभावती बेदरे, अनिल कुमार वरकड़े, लोकेश लिलहारे, श्री महेंद्र कछवाहे, रामलाल हरिनखे ?, श्रीमती गीता टेम्भरे, गोविन्द मेश्राम, श्रीमती प्रियंका बनवाले, गणेश कुमार मेश्राम, श्रीमती पूनम घरडे, रविन्द्र कुमार भेंडारकर, श्रीमती कविता भेलावे, श्रीमती सिंधु तुरकर, श्रीमती सिंधु पटले, महेंद्र दवने, मनोज परिहार, श्रीमती गायत्री राठौर, श्रीमती मीनाक्षी चौधरी, गजेन्द्र नेवारे, रूपलाल राठौर एवं धीरज नाकतोडे ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं एवं बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

शासकीय हाई स्कूल देवलगांव का कक्षा दसवीं का परीक्षा परिणाम रहा सराहनीय

पद्मेश न्यूज। लांजी। माध्यमिक शिक्षा मंडल मध्यप्रदेश भोपाल बोर्ड द्वारा सत्र 2025-26 का परीक्षा परिणाम 15 अप्रैल 2026 को घोषित किया गया जिसमें शासकीय हाई स्कूल देवलगांव के कक्षा दसवीं का परीक्षा परिणाम 92.85 प्रतिशत रहा। जिसमें शाला में संयुक्त में प्रथम स्थान दिशा टेंभरे पिता अरुण टेंभरे जिसका प्रतिशत 90.6 प्रतिशत है व शैलानी बोपचे पिता फूलचंद बोपचे जिसका प्रतिशत 90.6 प्रतिशत है। तथा दूसरा स्थान विधि राहंगडाले पिता कुवरलाल राहंगडाले जिसका प्रतिशत 90.4 प्रतिशत है तथा तीसरा स्थान रूपेन्द्र बोपचे पिता उम्मेदलाल बोपचे जिसका प्रतिशत 86.6 प्रतिशत है। शाला के प्राचार्य आर.के. बेंजामिन द्वारा इन सभी उत्तीर्ण छात्र छात्राओं को उत्तीर्ण होने पर बधाई दी एवं इनके उज्जवल भविष्य की कामना की गई है। साथ ही समस्त अभिभावकों द्वारा भी बधाई दी गई है। तथा शाला के समस्त स्टाफ एस.एल. घोरमारे, ईश्वरी प्रसाद कुशले, शैलेष नागदेवे, दुधराम चौधरी, सविता टेंभरे,

भोलाराम घोरमारे, कांति जीवतोडे, अनीता चौरागढे ने भी सभी उत्तीर्ण छात्र छात्राओं को हार्दिक शुभकामनाएं दी एवं इनके उज्जवल भविष्य की कामना की गई है।

किरनापुर सार्थक पब्लिक स्कूल की छात्रा ने मप्र बोर्ड दसवीं की प्रावीण्य सूची मे पाया 8 वा स्थान

पद्मेश न्यूज। किरननापुर। मध्य प्रदेश बोर्ड भोपाल द्वारा 15 अप्रैल 2026 को कक्षा दसवीं एवं बारहवीं का परीक्षा परिणाम जारी किया गया जिसमें किरनापुर नगर में बाबा जुमदेवजी जनकल्याण समिति बारा किरनापुर द्वारा अंग्रेजी माध्यम में संचालित शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी शिक्षण संस्थान सार्थक पब्लिक स्कूल (सीनियर सेकेंडरी) की छात्रा विशाखा पिता संतोष बापूरे नें मप्र बोर्ड भोपाल द्वारा आयोजित कक्षा 10 वी अंग्रेजी माध्यम में 98.4 प्रतिशत अंक हासिल कर पुरे मध्य प्रदेश की मेरिट सूची में आठवा स्थान प्राप्त किया है। विशाखा बापूरे नें मप्र राज्य की मेरिट सूची मे अपना नाम दर्ज कराते हुए अपने माता पिता,सार्थक स्कूल सहित किरनापुर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। उसी प्रकार कक्षा 12 वी साइंस ग्रुप से आरजू अमित गौतम नें 87.8 प्रतिशत अंक हासिल किया। कक्षा 10 से रिया जौजारे 97.8,तृप्ति ठाकरे 97.6,अवनि गेडाम 96.4,माही बरेले 96.2,कनक बिसेन 96.2,सुमित चौहान 95.6,प्रज्ञा कुर्वे 95,दीक्षा पांचे 95,अविशा लिल्हारे 94.8,नम्रता रामटेके 93.6,विद्या भोंडेकर 92.2,मयंक लिल्हारे 92,अनुष्का सोनी 91.8,चित्रांशी वनवे 91.2,वर्णिका ठाकरे 89.4 प्रतिशत प्राप्त किया।कक्षा 12 साइंस से दिव्यांशु घरडे 86.8 प्रतिशत, पूर्वांश मोहबे 84.6,रोचक पाटले 84.4, ध्रुव सिंह चौहान 83.4 तुषार डहरवाल 82, अनुराग नागदेवे 81.2, कोहिनूर बम्हे 80.6 प्रतिशत अंक हासिल किया। कक्षा 10वी एवं 12वी से शत प्रतिशत रिजल्ट रहा।सार्थक स्कूल के संचालक एवं बाबा जुमदेव जी जनकल्याण समिति के अध्यक्ष इंजी. जितेन्द्र भोंडेकर नें सभी बच्चो के उज्जवल भविष्य की शुभकामनायें की है साथ ही स्कूल प्रबंधन स्टाफ से भूपेंद्र सिंह, जिखरिया नाइक अजित भागलकर,कपिल गजभिये,रोहिणी ऊके, नेहा कावडे, शोभा ठाकरे सत्यवचन पाठोंके,आशीष नागवंशी, कल्याणी सहारे, ललिता सिंगदुपे, सीमा पांचे, सविता कुथे, सुनील सोलंकी, अजय सूर्यवंशी, सिफा खान, रुपाली जांगडे,मौसम बिसेन, यशुला नगपुरे,गायत्री तुरकर, तुरसा पांचे सुलेमान खान कैलाश जागडी नें बच्चों की सफलता पर हर्ष व्यक्त करते हुए सभी बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना की हैं।

अपनी सीट को लेकर कांग्रेस आई एक्टिव मोड में

राज्यसभा चुनाव के लिए शह-मात का खेल शुरू!

भोपाल। मप्र में होने वाले आगामी राज्यसभा चुनाव को लेकर सियासी सरगर्मी तेज हो गई है। अभी सीटें आधिकारिक रूप से रिक्त नहीं हुई हैं, लेकिन भाजपा और कांग्रेस के बीच रणनीतिक मुकाबला शुरू हो चुका है। इस बार चुनाव में दो सीटें भाजपा और एक सीट कांग्रेस के खाते में जाती दिख रही हैं, लेकिन तीसरी सीट को लेकर शह-मात का खेल दिलचस्प हो गया है। भाजपा की रणनीति साफ है कि किसी भी तरह कांग्रेस से तीसरी सीट छीनी जाए। इसके लिए पार्टी ऐसे प्रभावशाली उम्मीदवार की तलाश में है, जिसकी पकड़ कांग्रेस के भीतर भी मजबूत हो और जो क्रॉस वोटिंग कराने में सक्षम हो। यदि भाजपा उम्मीदवार कांग्रेस के करीब 7 विधायकों को अपने पक्ष में करने में सफल होता है, तो पार्टी राज्यसभा चुनाव में क्लीनस्वीप कर सकती है। भाजपा की सक्रियता और रणनीति को भांपते हुए कांग्रेस भी एक्टिव मोड में आ गई है, ताकि अपनी सीट को बचाया जा सके।

पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह का कार्यकाल खत्म होने से खाली हो रही तीसरी सीट को अपने कब्जे में करने भाजपा में बढ़ीं गतिविधियों ने प्रदेश में राज्यसभा के रण को रोचक बना दिया है। इस तीसरी सीट के लिए भाजपा की सक्रियता ने कांग्रेस को भी सतर्क कर दिया है। अपनी सीट बचाने कांग्रेस भी भोपाल से लेकर दिल्ली तक एक्टिव हो गई। चिंतन-मंथन और बैठकों में जहां जिताक चेहरे की खोज की जा रही है, वहीं इस सीट को बचाए रखने के लिए रणनीति भी बनाई जाने लगी है। पार्टी क्षेत्रीय और जातीय समीकरणों को साधते हुए मजबूत उम्मीदवार उतारने की तैयारी में है। राजनीतिक जानकारों के अनुसार, हालिया घटनाक्रम जैसे विधायकों के कानूनी विवाद और संभावित असंतोष ने मुकाबले को और रोचक बना दिया है। कांग्रेस के भीतर एक संभावित बगावत और कुछ विधायकों की स्थिति स्पष्ट न होने से तीसरी सीट पर समीकरण तेजी से बदल रहे हैं। ऐसे में आगामी राज्यसभा चुनाव में तीसरी सीट का मुकाबला बेहद कांटे का होने की संभावना है, जहां दोनों पार्टियां अपने-अपने स्तर पर रणनीति बनाकर जीत सुनिश्चित करने की कोशिश में जुटी हैं।

प्रदेश प्रभारी आज करेंगे बैठक

मप्र के कोटे की खाली हो रहीं राज्यसभा की तीन सीटों के लिए मई-जून में निर्वाचन होना हैं। इनमें से दो सीटें भाजपा के खाते में हैं, जबकि तीसरी सीट पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह का कार्यकाल पूरा होने की वजह से खाली हो रही है। विधानसभा में संख्या बल के आधार पर यह सीट कांग्रेस को मिलना लगभग तय है, लेकिन इस सीट पर भी भाजपा ने दावा ठोककर कांग्रेस को एक हिसाब से चुनौती दे डाली है। ऐसे में दिल्ली दरबार में मंथन के बाद प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी 15 अप्रैल को भोपाल आकर पार्टी नेताओं की बैठक लेंगे। चौधरी की मौजूदगी में प्रदेश कांग्रेस राज्यसभा की अपनी सीट बचाने पर मंथन करेंगो। चौधरी पहले पूर्व सीएम कमलनाथ, दिग्विजय सिंह और अन्य वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठक कर अपनी सीट बचाए रखने पर चर्चा करेंगे। वरिष्ठ नेताओं से चर्चा के बाद चौधरी पार्टी के नेताओं और विधायकों से भी वन टू वन मुलाकात करेंगे। इस दौरान वे विधायकों को पार्टी के प्रति उनकी प्रतिबद्धता याद दिलाने के साथ चुनाव के दौरान एकजुटता बढ़ाने का प्रयास करेंगे।

भाजपा तलाश रही संभावना

जिस तरह से पिछले डेढ़ माह में कांग्रेस विधायकों की संख्या में कमी आई है, उससे भाजपा के इस दावे को मजबूत बना दिया है, तो कांग्रेस अपने कुछ विधायकों को लेकर परेशान है। क्योंकि पार्टी को आशंका है कि इनमें से कुछ विधायक राज्यसभा के लिए मतदान के दौरान क्रास वोटिंग कर सकते है। प्रदेश कांग्रेस ने अपनी इस शंका पर वरिष्ठ नेताओं के साथ राज्यसभा चुनाव को लेकर मंथन करना शुरु कर दिया है। गतदिवस प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह से मिलने उनके बंगले पहुंचे और उनसे बंद कमरे में राज्यसभा चुनाव को लेकर चर्चा की। हालांकि पटवारी ने इसका खुलासा नहीं किया, अलबत्ता यह जरुर कहा कि वे वरिष्ठ नेताओं से पार्टी संगठन से लेकर दूसरे आवश्यक विषयों पर चर्चा करते रहते हैं।

तीसरी सीट पर चुनाव नहीं लड़ेगी भाजपा!

भाजपा कोर ग्रुप की बैठक में राज्यसभा चुनाव पर भी हुआ मंथन

भोपाल। मप्र में राज्यसभा की तीन सीटों पर होने वाले चुनाव को लेकर सियासी गहमागहमी चरम पर पहुंच गई है। सूत्रों के मुताबिक, भाजपा तीसरी सीट पर अपना उम्मीदवार नहीं उतारेगी। यह फैसला कांग्रेस में कथित 'तोडफोड़' की राजनीति से दूरी बनाकर साफ संदेश देने के उद्देश्य से लिया गया है। भाजपा नेताओं का कहना है कि उनकी पार्टी जिस सीट पर चुनाव लड़ेगी, उस पर जीत हासिल करेगी। उधर, मुख्यमंत्री निवास में भाजपा कोर कमेटी की बैठक में कई मुद्दों पर चर्चा हुई। जिसमें नारी शक्ति वंदन अधिनियम, राज्यसभा की तीन सीटों पर होने वाले चुनाव, साल 2028 में राज्य में होने वाले विधानसभा चुनाव, किस तरह संगठन और सरकार के बीच तालमेल बनाया जाए, निगम और मंडल अध्यक्षों की नियुक्ति, मंत्रिमंडल के विस्तार और पार्टी संगठन के आगामी कार्यक्रम शामिल हैं। इस दौरान निर्णय लिया गया कि राज्यसभा की तीसरी सीट यानी कांग्रेस के कब्जे वाली सीट पर भाजपा प्रत्याशी उतारेगी या नहीं यह केंद्रीय नेतृत्व तय करेगा।

गौरतलब है कि प्रदेश में राज्यसभा की तीन सीटों पर चुनाव होना है। इनमें से दो सीटें भाजपा और एक सीट कांग्रेस के पास है। कांग्रेस में जिस तरह के हालात बने हुए हैं उससे भाजपा तीसरी सीट पर भी संभावना तलाश रही है। इस बीच मप्र भाजपा कोरग्रुप ने तय किया है कि यदि पार्टी हाईकमान का निर्देश होगा, तो मप्र से राज्यसभा की तीसरी सीट पर पार्टी प्रत्याशी उतारेगी। खाली हो रही सीटों पर भी दिल्ली के निर्देश पर नाम तय किए जाएंगे। नेताओं ने कितनी सीटों पर पार्टी प्रत्याशी खड़े करने है, इस पर निर्णय पूरी तरह से दिल्ली पर छोड़ दिया गया। नेताओं ने कहा कि यदि दिल्ली कहेंगी, तो तीसरी सीट पर भी प्रत्याशी को मैदान में उतारा जाएगा और उसके बाद ही तय करेंगे कि तीनों उम्मीदवार किस तरह से चुनाव जीतेंगे।

छोटे कार्यकर्ता को मिलेगा ज्यादा महत्व

कोरग्रुप में कहा गया कि सरकार और संगठन के कामों को भी जमीनी स्तर तक उतारने के लिए पहले से ज्यादा प्रयास किए जाएंगे। भाजपा के शीर्ष नेताओं की मौजूदगी में एक बार फिर से दोहराया गया कि पार्टी के छोटे कार्यकर्ताओं को ज्यादा से ज्यादा महत्व दिया जाना चाहिए। सरकार के मंत्रियों द्वारा अपने जिलों के प्रवास के दौरान ज्यादा से ज्यादा छोटे कार्यकर्ताओं को समय देना चाहिए। बैठक में मध्यप्रदेश में यूसीसी लागू करने को लेकर समिति गठन करने और उसे लेकर राज्य में वातावरण निर्मित कराने को लेकर भी नेताओं ने अपनी अपनी राय दी। उन्होंने कहा कि इस काम में पार्टी के छोटे से छोटे कार्यकर्ता को लगाया जाए, जो क्षेत्र में इसकी उपलब्धियों के साथ-साथ विपक्ष द्वारा किए जा रहे गलत प्रचार के बारे में जानकारी देंगे। इसी तरह नारी शक्ति वंदन अधिनियम को जन-जन पहुंचाने के लिए बड़े से लेकर छोटे कार्यकर्ताओं को भी जोडने की बात कही गई। कोरग्रुप की बैठक में निगम मंडलों सहित अन्य नियुक्तियों को लेकर चर्चा की गई, जिस पर सीएम ने कहा कि इस पर उनकी ओर से तैयारी पूरी है। उचित समय पर सूची जारी की जाएगी। इसके बाद इस विषय पर ज्यादा चर्चा नहीं हो सकी। बैठक में सरकार के भावी निर्णयों को लेकर भी नेताओं के सामने सीएम ने अपना पक्ष रखा, जिसे सभी से स्वीकार किया।

सत्ता और संगठन की बैठकों में बनी सहमति

सहकारी समितियों में राजनीतिक प्रशासक नियुक्त करेगी सरकार

भोपाल। मप्र में जहां एक तरफ निगम-मंडल-प्राधिकरणों में राजनीतिक नियुक्तियों का मामला लगातार टलता जा रहा है, वहीं सहकारी बैंकों और समितियों में राजनीतिक नियुक्तियों की तैयारी तेज हो गई है। सत्ता और संगठन की बैठकों में इसके लिए सहमति बन गई है। सूत्रों के मुताबिक, सहकारिता विभाग में लंबे समय से लंबित नियुक्तियों को अब तेजी से पूरा करने की योजना बनाई जा रही है। इसके तहत अपेक्स बैंक सहित जिला सहकारी बैंकों में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, संचालक मंडल और अन्य समितियों में पदाधिकारियों की नियुक्ति जल्द हो सकती है। बताया जा रहा है कि निगम-मंडलों के साथ-साथ सहकारी संस्थाओं में भी राजनीतिक संतुलन साधने की कोशिश की जा रही है।

यह नियुक्तियां आने वाले चुनावों को ध्यान में रखते हुए बेहद अहम मानी जा रही हैं। हाल ही में इस मुद्दे को लेकर केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह, मुख्यमंत्री डॉ। मोहन यादव और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के बीच मुलाकात भी हो चुकी है। इसके अलावा क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जमवाल के साथ भी इस विषय पर विस्तार से चर्चा की गई है। सूत्रों की मानें तो पहले इन पदों पर नियुक्तियां की जाएंगी और उसके बाद सहकारी संस्थाओं में चुनाव कराने की रणनीति पर काम होगा। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि सहकारिता क्षेत्र में ये नियुक्तियां चुनावी समीकरणों को साधने में अहम भूमिका निभा सकती हैं।

अभी अधिकारी-कर्मचारी हैं प्रशासक

गौरतलब है कि प्रदेश में कृषक कल्याण वर्ष मनाया जा रहा है। इसमें किसानों के हित में कई काम किए जा रहे हैं। अब इनसे जुड़ी संस्थाओं के चुनाव कराने की तैयारी है। चुनाव न होने के कारण वर्तमान में समितियों के कामकाज को संचालित करने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था के तौर पर अधिकारियों-कर्मचारियों को प्रशासक नियुक्त किया गया था। अब इन्हें मुक्त करके राजनीतिक नियुक्तियां की जाएंगी। दरअसल, पिछले दिनों राजनीतिक नियुक्तियों को लेकर सत्ता और संगठन की जो बैठकें हुई, उनमें यह बात निकलकर सामने आई कि अब कार्यकर्ताओं को सहकारी और कृषि उपज मंडियों में समायोजित किया जाए। इसके लिए पहले मनोनयन होगा। इसकी तैयारी काफी समय से चल भी रही है लेकिन सहमति नहीं बनने के कारण मामला रुका हुआ था। प्रदेश में 4,345 सहकारी समितियों, 38 जिला सहकारी केंद्रीय बैंक और राज्य शीर्ष बैंक (अपेक्स बैंक) हैं।

कानूनी पेचीदगी और प्रशासनिक बदलाव

2018 से इनके चुनाव अलग-अलग कारणों से नहीं हुए हैं। हाई कोर्ट बार-बार चुनाव कराने को लेकर निर्देश दे रहा है। सरकार ने अवमानना से बचने के लिए अधिनियम में संशोधन करके यह प्रविधान तो कर लिया कि विशेष परिस्थितियों में चुनाव आगे बढ़ाए जा सकते हैं लेकिन अब कार्यकर्ताओं को समायोजित करने की बात है। इससे पहले राजनीतिक नियुक्तियों के क्रम में नगरीय निकायों में एल्डरमैन (मनोनीत पार्षद) नियुक्त किए जा चुके हैं। अब सबसे बड़े क्षेत्र सहकारी समितियों की बारी है। दरअसल, पंचायत के बाद प्रदेश में इनका ही बड़ा नेटवर्क है। समितियों से लगभग 65 लाख किसान जुड़े हैं। भले ही समितियों के चुनाव राजनीतिक आधार पर नहीं होते हैं मगर इनकी भूमिका पंचायत से लेकर विधानसभा-लोकसभा के चुनाव में महत्वपूर्ण रहती है। पार्टी के पक्ष में वातावरण बनाने का दायित्व इन्हीं का रहता है।

पहले प्राथमिक समितियों में मनोनयन होगा

लंबे समय से चुनाव न होने के कारण सहकारिता के क्षेत्र में सक्रिय कार्यकर्ता हतोत्साहित हैं। कई बार संगठन स्तर पर नियुक्ति को लेकर बात भी हो चुकी है लेकिन यह किसी न किसी कारण से टलती रही लेकिन अब राजनीतिक व्यक्तियों को प्रशासक पद पर मनोनीत करने की तैयारी है। सूत्रों का कहना है कि पहले प्राथमिक समितियों में मनोनयन होगा। इसके लिए जिला इकाइयों के साथ स्थानीय विधायकों से फीडबैक लिया जाएगा। सूत्रों का कहना है कि सहकारी समितियों के चुनाव प्रशासकों की देखरेख में कराए जाएंगे। ये ही सदस्यता सूची बनवाएंगे और फिर चुनाव कराएंगे।

किसानों को सस्ती बिजली उपलब्ध कराना हमारी प्राथमिकता - मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि किसानों को निर्बाध रूप से सस्ती बिजली सुलभ कराना हमारी सरकार की प्राथमिकता है। इस काम केलिए सरकार किसानों को हर जरूरी मदद देने को तैयार है। किसानों को सस्ती बिजली मिलेगी, तो वे अपना उत्पादन भी बढ़ा सकेंगे और प्रदेश की प्रगति में भी योगदान दे सकेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसानों को उनकी आवश्यकता के अनुरूप ऊर्जा प्राप्ति के लिए उन्हें स्वयं ऊर्जा उत्पादक बनाया जाए। इसके लिए किसानों को हरित ऊर्जा उत्पादन से जोड़ा जाए। ऊर्जा उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाकर ही हम किसानों का जीवन स्तर बेहतर बना सकते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के किसानों को सोलर पम्प का उपयोग करने के लिए हर तरीके से प्रोत्साहित किया जाए। किसानों को जो इससे जुड़ना चाहते हैं, विभाग उनका हरसंभव सहयोग और मार्गदर्शन भी करे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को मंत्रालय में नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा विभाग की प्रचलित योजनाओं की अद्यतन प्रगति की समीक्षा कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विभागीय अधिकारियों से कहा कि राज्य के हित में किसानों और नागरिकों सभी को सस्ती बिजली उपलब्ध कराने के लक्ष्य के लिए समर्पित और फोकस्ड होकर आगे बढ़ें। किसानों को सोलर पम्प से जोड़ने के साथ-साथ प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना की प्रगति में भी तेजी लाएं। उन्होंने कहा कि इस वित्तीय वर्ष के अंत तक 2 लाख से अधिक किसानों को सोलर पम्प से जोड़ने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ें।

विभाग अपनी योजनाओं के वार्षिक लक्ष्यों की समीक्षा करें और नई जरूरतों के मुताबिक इन लक्ष्यों में वृद्धि करें, ताकि कम समय में अधिकतम लोगों को लाभ मिले। इसके लिए विभाग अपनी योजनाओं को टाइम फ्रेम में लेकर आएं और तय समय सीमा में ही लक्ष्यों का क्रियान्वयन सुनिश्चित करे। इससे तेज और अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे।

निकाय पदाधिकारियों के साथ भोपाल में होगा एक दिन का उन्मुखीकरण कार्यक्रम

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के सभी नगरीयनिकाय कचरा बेचकर और प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना (रूफ टॉप स्कीम) में तेजी से प्रगति लाकर अच्छी आय अर्जित कर सकते हैं। नगरीय निकायों के पदाधिकारियों एवं अधिकारियों को इस विषय में प्रशिक्षण देने के लिए भोपाल में एक दिन का उन्मुखीकरण कार्यक्रम किया जाए। यह कार्यक्रम जल्दी ही किया जाए, ताकि निकायों को काम करने के लिए अधिकतम समय मिल सके।

राज्य के ऊर्जा हितों का रखें विशेष ध्यान

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उत्तरप्रदेश सरकार के साथ मिलकर मुरैना में 2 हजार मेगावॉट (2 गीगावॉट) की अल्ट्रा मेगा रिन्यूएबल एनर्जी पावर पार्क की स्थापना की प्रगति की जानकारी लेकर कहा कि इस मेगा परियोजना में राज्य के ऊर्जा हितों का विशेष ध्यान रखा जाए। अपर मुख्य सचिव नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मनु श्रीवास्तव ने बताया कि उत्तरप्रदेश सरकार द्वारा मात्र पीक पीरियड में ही ग्रीन एनर्जी सप्लाय की मंशा व्यक्त की गई है। इस संबंध में उत्तरप्रदेश सरकार के वरिष्ठतम विभागीय अधिकारियों के साथ समुचित समन्वय किया जा रहा है।

अपर मुख्य सचिव श्रीवास्तव ने बताया कि प्रदेश में नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा (ग्रीन एनर्जी) प्रोडक्शन के लिए तय किए गए लक्ष्यों को और भी परिशोधित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सूर्य मित्र कृषि फीडर योजना (कुसुम बी) में अब तक 27 हजार 100 सोलर पम्प स्थापित किए जा चुके हैं। अगले दो साल में 4 लाख पम्पों को सौर ऊर्जीकृत करने का लक्ष्य है। इसके क्रियान्वयन के लिए विभाग ने 36 इकाईयां चुन ली हैं। इस योजना के पहले चरण में विभाग को एक लाख आवेदन मिल चुके हैं। अपर मुख्य सचिव श्रीवास्तव ने बताया कि सूर्य मित्र कृषि फीडर योजना (कुसुम सी) के तहत विभाग ने लगभग 10 लाख किसानों को सौर ऊर्जीकरण से जुड़ने के लिए 493 सब स्टेशनों के जरिए किसानों को दिन के समय भी बिजली उपलब्ध कराने का बड़ा लक्ष्य लिया है। अब तक 2.50 लाख पम्प इंस्टाल कर दिये गये हैं। विभाग का लक्ष्य किसानों को ऊर्जा उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने के साथ-साथ उन्हें आर्थिक रूप से समर्थ बनाना भी है। सौर ऊर्जीकरण के लिए विभाग ने मासिक प्लान भी तैयार कर लिया है। रूफ टॉप स्कीम पर विभाग ने विशेष ध्यान केन्द्रित किया है।

बैठक में नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री राकेश शुक्ला, मुख्य सचिव अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव (ऊर्जा एवं मुख्यमंत्री कार्यालय) नीरज मंडलोई, वित्त सचिव लोकेश जाटव, मध्यप्रदेश ऊर्जा विकास निगम के प्रबंध संचालक अमनवीर सिंह बैस सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

नारी शक्ति वंदन या नारी के नाम पर राजनैतिक प्रबंधन? -उमंग सिंघार

भोपाल। मध्यप्रदेश विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने भाजपा सरकार पर हमला बोलते कहा कि नारी शक्ति वंदन अभियान' के नाम पर लोकसभा और विधानसभाओं में 33 आरक्षण की बात तो की जा रही है, लेकिन इसके प्रावधान और क्रियान्वयन पर गंभीर सवाल खड़े हैं। इस व्यवस्था में स्छ/स्ज्ञ महिलाओं के लिए आरक्षण का प्रावधान है, किंतु ओबीसी महिलाओं के लिए कोई स्पष्ट व्यवस्था नहीं दिखाई देती। उन्होंने कहा कि क्या देश और प्रदेश की इतनी बड़ी आबादी की महिलाओं को इस व्यवस्था से बाहर रखना ही सामाजिक न्याय है?

नेता प्रतिपक्ष ने आगे कहा कि इसके साथ ही इस आरक्षण को परिसीमन से जोड़ दिया गया है, जबकि इस प्रक्रिया की कोई स्पष्ट समय-सीमा निर्धारित नहीं की गई है। ऐसे में यह प्रश्न स्वाभाविक है कि क्या यह आरक्षण मध्यप्रदेश के 2028 विधानसभा चुनाव में लागू हो पाएगा? या फिर यह केवल एक राजनैतिक घोषणा बनकर रह जाएगा?

सिंघार ने कहा कि इसके साथ ही यह भी बड़ा सवाल है कि सरकार 2027 की जातिगत जनगणना के परिणाम का इंतजार क्यों नहीं करना चाहती? क्या बिना वास्तविक सामाजिक आंकड़ों के इतना बड़ा निर्णय लेना न्यायसंगत है, या फिरओबीसी वर्ग की वास्तविक हिस्सेदारी सामने आने से बचने की कोशिश है? उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री मोहन यादव जी को इस पर स्पष्ट जवाब देना चाहिए कि प्रदेश की महिलाओं को वास्तविक और समावेशी प्रतिनिधित्व कब और कैसे मिलेगा ?

ई-उपार्जन पोर्टल में सैटेलाइट सत्यापन की गंभीर त्रुटियों से हजारों किसान आर्थिक तबाही के कगार पर - जीतू पटवारी

भोपाल। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने मुख्यमंत्री को पत्र के माध्यम से प्रदेश के किसानों की गंभीर समस्या को उठाते हुए कहा कि वर्तमान में किसानों के साथ जो अन्याय हो रहा है, वह केवल प्रशासनिक विफलता नहीं, बल्कि सरकार की कथित किसान हितैषी' नीतियों की सच्चाई को उजागर करता है।

उन्होंने केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रदेश के विभिन्न जिलों, विशेष रूप से विदिशा जो शिवराज सिंह चौहान जी का क्षेत्र है अन्य क्षेत्रों से जो तथ्य सामने आए हैं, वे अत्यंत चिंताजनक हैं अकेले विदिशा जिले में 6437 का सैटेलाइट सर्वे' फेल कर दिया गया है, जबकि वास्तविकता यह है कि किसानों ने अपने खेतों में गेहूं, चना, मसूर जैसी फसलें बोई हैं, लेकिन पोर्टल पर गलत जानकारी दर्ज होने के कारण उन्हें खरीदी प्रक्रिया से बाहर कर दिया गया है।

पटवारी ने कहा कि ई-उपार्जन पोर्टल पर स्लॉट बुकिंग के दौरान सैटेलाइट द्वारा असत्यापित' का संदेश देकर किसानों को उनकी उपज बेचने से रोका जा रहा है। यह स्थिति छोटे और सीमांत किसानों के लिए बेहद पीड़ादायक है, जिनकी पूरी आजीविका खेती पर निर्भर है।

उन्होंने कहा कि आज किसानों की हालत यह है कि उनके घरों में शादी-ब्याह के खर्च लंबित हैं, बच्चों की स्कूल फीस अटकी हुई है, बैंक और साहूकारों के कर्ज की किश्तें चुकाना मुश्किल हो गया है, और सरकार के सिस्टम की गलती का खामियाजा किसान भुगत रहा है।

पटवारी ने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि क्या यही कृषि कल्याण वर्ष' की सच्चाई है, जहां पहले खरीदी में देरी की गई और अब स्लॉट बुकिंग में तकनीकी अड़चनें खड़ी कर किसानों को उनकी ही उपज बेचने से रोका जा रहा है। यह स्पष्ट करता है कि सरकार जमीनी हकीकत से पूरी तरह कटी हुई है और डिजिटल सिस्टम के नाम पर किसानों को प्रताड़ित किया जा रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री से मांग की है कि इस गंभीर संकट का तत्काल समाधान सुनिश्चित किया जाए।

मध्यप्रदेश कांग्रेस की प्रमुख मांगें इस प्रकार हैं-

1. सभी प्रभावित किसानों का तत्काल मैन्युअल (भौतिक) सत्यापन कर उन्हें खरीदी प्रक्रिया में शामिल किया जाए।
2. सैटेलाइट सर्वे' की त्रुटियों की उच्चस्तरीय जांच कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाए।
3. जिन किसानों का पंजीयन या स्लॉट रद्द हुआ है, उन्हें विशेष अवसर देकर पुनः पंजीयन की अनुमति दी जाए।
4. खरीदी प्रक्रिया को सरल बनाते हुए तकनीकी बाधाओं को तत्काल दूर किया जाए।
5. किसानों को हुई आर्थिक क्षति के लिए उचित मुआवजा प्रदान किया जाए।

दिग्विजय ने लिखा मुख्यमंत्री को पत्र

रायसेन एवं सीहोर में 150 करोड का गेंहू घोटाला, ईओडब्ल्यू से जांच की मांग

भोपाल । मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने राज्य के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखकर रायसेन एवं सीहोर जिले से जुड़े बहुचर्चित गेहूँ घोटाले की उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग की है। उन्होंने इस मामले को गंभीर आर्थिक अनियमितता बताते हुए राज्य आर्थिक अपराध अनुसंधान ब्यूरो (ईओडब्ल्यू) से निष्पक्ष जांच कराने का आग्रह किया है। श्री सिंह ने अपने पत्र में उल्लेख किया है कि पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के पूर्व विधानसभा क्षेत्र बुधनी तथा वर्तमान लोकसभा क्षेत्र से संबंधित इस मामले में लगभग 150 करोड़ रुपये से अधिक की वित्तीय अनियमितताएं सामने आई हैं। उन्होंने बताया कि इस संबंध में वे पहले भी 25 जुलाई 2023 को तत्कालीन मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर जांच की मांग कर चुके हैं, किंतु अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। रायसेन जिले की औबेदुल्लागंज तहसील के दिवटिया, अब्दुल्लागंज एवं नूरगंज स्थित सरकारी वेयरहाउस में रखे गेहूँ की देखरेख और भंडारण में अत्यधिक खर्च किया गया, जबकि लगभग 40 हजार टन गेहूँ सड़कर पूरी तरह खराब हो गया। इस गेहूँ का बाजार मूल्य लगभग 100 करोड़ रुपये बताया गया है। हैरानी की बात यह है कि इसके रखरखाव एवं किराये पर ही लगभग 150 करोड़ रुपये व्यय कर दिए गए। आगे बताया गया है कि वर्ष 2017 से 2020 के बीच समर्थन मूल्य पर खरीदे गए गेहूँ को समय पर न तो भारतीय खाद्य निगम (एफ सीआई) द्वारा उठाया गया और न ही सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के माध्यम से जरूरतमंदों तक पहुंचाया गया। परिणामस्वरूप, लंबे समय तक भंडारण के कारण गेहूँ में कीड़े लग गए और वह अनुपयोगी हो गया।

सिंह ने आरोप लगाया है कि जब गेहूँ खराब हो गया, तो उसे जिम्मेदार निजी गोदाम संचालकों को बचाने के उद्देश्य से बकतरा (सीहोर) से हटाकर रायसेन जिले के वेयरहाउस में स्थानांतरित कर दिया गया। इस प्रक्रिया में परिवहन कार्य भी कथित रूप से एक करीबी व्यक्ति को सौंपा गया, जिसमें करोड़ों रुपये का भुगतान किया गया। उन्होंने यह भी कहा कि इस पूरे प्रकरण में जानबूझकर गेहूँ को 4-5 वर्षों तक गोदामों में रखा गया ताकि संबंधित गोदाम मालिकों को भारी-भरकम किराया दिया जा सके। जबकि नियमानुसार अतिरिक्त स्टॉक होने पर समय पर नीलामी या वितरण किया जाना चाहिए था। दिग्विजय सिंह ने मुख्यमंत्री से मांग की है कि इस पूरे मामले की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच कराई जाए तथा दोषी अधिकारियों एवं निजी गोदाम मालिकों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने प्रधानमंत्री के कथन न खाऊँगा, न खाने दूंगा' का उल्लेख करते हुए पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने की अपेक्षा जताई है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि समय रहते इस मामले में कार्रवाई नहीं की गई, तो यह एक बड़े घोटाले का रूप लेकर प्रदेश की आर्थिक स्थिति और प्रशासनिक विश्वसनीयता पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा कर सकता है।

चैंपियंस लीगः PSG और एटलेटिको मैड्रिड सेमीफाइनल में

मैड्रिड,एजेंसी। बार्सिलोना दूसरे चरण में जीत के बावजूद क्वॉर्टर फाइनल में एटलेटिको मैड्रिड से कुल स्कोर में 3-2 से हारने के कारण चैंपियंस लीग फुटबाल टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचने में नाकाम रहा। एटलेटिको मैड्रिड ने क्वॉर्टर फाइनल के पहले चरण का मैच 2-0 से जीता था जो आखिर में निर्णायक साबित हुआ।

बार्सिलोना ने दूसरे चरण का मैच 2-1 से जीता लेकिन यह आगे बढ़ने के लिए पर्याप्त नहीं था। इस बीच मौजूदा चैंपियन पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) ने लिवरपूल को 4-0 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई और इस तरह से अपने खिताब का बचाव करने की तरफ कदम बढ़ाए। पीएसजी ने क्वॉर्टर फाइनल के पहले चरण के मैच की तरह दूसरे चरण के मैच में भी 2-0 से जीत हासिल की। बार्सिलोना के शुरुआती हमलों के बावजूद एटलेटिको मैड्रिड की टीम ने डटकर मुकाबला किया और लगभग एक दशक में पहली बार चैंपियंस लीग के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। उसने इससे पहले 2017 में इस प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। बार्सिलोना ने पहले 24 मिनट में दो गोल करके स्कोर बराबर कर दिया था। उसकी तरफ से लामिन यामल और फेरान टोरेस ने गोल दागे। एटलेटिको मैड्रिड ने पहले ही हाफ में अडेमोला लुकमैन के गोल से वापसी की। बार्सिलोना को 79वें मिनट के बाद 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा क्योंकि डिफेंडर एरिक गार्सिया को लाल कार्ड दिखाया गया था। लिवरपूल में खेले गए क्वॉर्टर फाइनल के एक अन्य मैच में पीएसजी ने ओस्मान डेम्बेले के दूसरे हाफ में किए गए दो गोल की मदद से 4-0 की कुल जीत सुनिश्चित की।

आईपीएल में ऑरेंज कैप की रैस में शीर्ष पांच में पहुंचे सैमसन, पर्पल कैप के करीब पहुंचे कंबोज

आईपीएल 2026 ऑरेंज कैप सूची-

खिलाड़ी	मैच	रन	टीम
हेनरिक क्लासेन	5	224	सनराइजर्स हैदराबाद
ईशान किसन	5	213	सनराइजर्स हैदराबाद
वैभव सर्यवंशी	5	200	राजस्थान रॉयल्स
रजत पाटीदार	4	195	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु
संजू सैमसन	5	185	चेन्नई सुपर किंग्स
यशस्वी जायसवाल	5	184	राजस्थान रॉयल्स
अंगकृष रघुवंशी	5	182	कोलकाता नाइट राइडर्स
विराट कोहली	4	179	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु
ध्रुव जुरेल	5	176	राजस्थान रॉयल्स
जोस बटलर	4	176	गुजरात टाइटंस

आईपीएल 2026 पर्पल कैप सूची-

खिलाड़ी	मैच	विकेट	टीम
प्रसिद्ध कृष्मा	4	10	गुजरात टाइटंस
अंशुल कम्बोज	5	10	चेन्नई सुपर किंग्स
रवि बिश्नोई	5	9	राजस्थान रॉयल्स
जोफ्रा आर्चर	5	7	राजस्थान रॉयल्स
प्रिंस यादव	4	6	लखनऊ सुपर जायंट्स
जैकब डफी	3	6	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु
वैभव अरोड़ा	5	6	कोलकात नाइट राइडर्स
राशिद खान	4	5	गुजरात टाइटंस
लुंगी एनगिडी	4	5	दिल्ली कैपिटल्स
हर्ष दुबे	5	5	सनराइजर्स हैदराबाद

मुम्बई। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के बीच हुए मैच के बाद ऑरेंज कैप की रेस में सीएसके के संजू सैमसन शीर्ष पांच में पहुंच गये हैं। अब सैमसन कैप की दौड़ आरसीबी के विराट कोहली से आगे निकले गए हैं। सैमसन अब आईपीएल 2026 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ियों की सूची में पांचवें नंबर पर पहुंच गये हैं। सैमसन ने केकेआर के खिलाफ 32 गेंदों में 48 रनों की पारी खेली, जिसमें चार चौके और तीन छक्के हैं। उन्होंने अभी तक सत्र के पांच मैचों में 46.25 के औसत से 185 रन बनाये हैं। वहीं विराट आठवें स्थान पर खिसक गए हैं। उनके नाम चार मैचों में 179 हैं। केकेआर के अंगकृष रघुवंशी पांच मैचों में 182 रन के साथ ही सातवें नंबर पर हैं। वहीं सीएसके के आयुष म्हात्रे 11वें पायदान पर हैं। उन्होंने पांच मैचों में 171 रन बनाये हैं। ऑरेंज कैप पर अभी सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के हेनरिक क्लासन का कब्जा बना हुआ है। क्लासन ने पांच मैचों में 44.80 के औसत से 224 रन बनाए हैं। वहीं दूसरे नंबर पर सनराइजर्स हैदराबाद के कार्यवाहक कप्तान ईशान किशन 213 रन बनाकर दूसरे जबकि राजस्थान रॉयल्स के सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी 200 रन बनाकर तीसरे नंबर पर हैं। दूसरी ओर सबसे अधिक विकेट के लिए मिलने वाली पर्पल कैप के लिए सीएसके के तेज गेंदबाज अंशुल कंबोज बड़े दावेदार बने हुए हैं। अंशुल अभी दूसरे नंबर पर हैं।

गायकवाड़ ने बताया जीत का राज

चेन्नई । आईपीएल में खराब शुरुआत के बाद लगातार दो मैच जीतकर वापसी कर रही चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के कप्तान रुतुराज गायकवाड़ ने इसका राज बताया है। रुतुराज के अनुसार बीच में ही योजना बदलने का उन्हें लाभ मिला है। सीएसके इस सत्र की पहली टीम बनी है, जिसने 200 से कम के स्कोर का भी बचाव किया है। उनका कहना है कि इम्पैक्ट प्लेयर की वजह से अतिरिक्त बल्लेबाज आते हैं और ऐसे में 200 से भी ज्यादा का लक्ष्य आसानी से टीमें हासिल कर रही हैं पर इसके बाद भी उनकी टीम ने 192 रनों के लक्ष्य का बचाव कर लिया। उन्होंने कहा टीम 210 से 220 के बारे में सोच रही थी पर बीच मैच में इस योजना को बदल दिया था। गायकवाड़ ने कहा, मुझे लगता है कि हमने फिर से एक अच्छे स्कोर का बचाव किया। मुझे लगा कि यह एक पार स्कोर था, यह देखते हुए कि, पहले, मैं कहूंगा, सात या आठ ओवर के बाद विकेट बहुत बदल गया। यह थोड़ा स्पिन होने लगा, थोड़ा रुकने लगा। तो, हम पहले 220, 210 के बारे में सोच रहे थे, लेकिन फिर, हमने सोचा कि 190, 180 के आसपास कुछ भी एक अच्छा स्कोर होगा और मुझे लगता है कि उसके बाद, हमें बस गेंदबाजी में एक अच्छा पावरप्ले मिलना था।

नूर के ओवर की दो गेंदों से केकेआर के हाथ से फिसला मैच

चेन्नई। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ 32 रनों की हार के साथ ही कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) का खराब समय समाप्त होने का नाम नहीं ले रहा। केकेआर ने अब तक 5 मुकाबले खेल लिए हैं पर उसे एक भी जीत नहीं मिली है। ऐसा पहली बार हुआ है, जब केकेआर शुरुआती 5 मैचों में एक भी जीत हासिल नहीं कर पाई है। सीएसके के खिलाफ हुए इस मुकाबले में एक समय तक केकेआर मैच में बनी हुई थी पर पारी के 11वें ओवर में नूर अहमद की अंतिम दो गेंदों से मैच उसके हाथों से फिसल गया। 193 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए केकेआर की शुरुआत अच्छी नहीं रही और दूसरसरे ही ओवर में अंशुल कंबोज ने सलामी बल्लेबाज फिन एलन को आउट कर केकेआर को बड़ा झटका दिया। इसके बाद 29 रन ही बने थे कि खलील अहमद ने सुनील नरेन को आउट कर दिया। इसके बाद कप्तान अजिंक्य रहाणे ने अंगकृष रघुवंशी के साथ मिलकर तीसरे विकेट के लिए 50 रन बनाये और पारी को संभाला। 10 ओवर तक केकेआर का स्कोर 81/3 था और रहाणे वह रिंकू सिंह खेल रहे थे। इसके बादद गेंदबाजी के लिए आये नूर अहमद की दो गेंदों से केकेआर की टीम के हाथों से मैच निकल गया। दरअसल, ओवर की शुरुआत चार गेंदों पर चार रन बने।पांचवीं गेंद का सामना कर रहे केकेआर के कप्तान रहाणे बड़े शॉट के प्रयास में कैच हो गये। रहाणे के बाद आये आए कैमरन ग्रीन भी एक गेंद खेलकर बिना खाता खोले पवेलियन लौट गए। लगातार गिरे इन दो विकेटों के केकेआर टीम ढ़ह गयी और केवल 160 रन तक ही बना पायी। नूर अहमद ने मैच में 4 ओवर गेंदबाजी की, जिसमें 21 रन देकर 3 विकेट हासिल किए। इस दौरान उन्होंने आईपीएल में 50 विकेट भी पूरे कर लिए। नूर आईपीएल में सबसे कम मुकाबलों में 50 विकेट लेने के मामले मे पांचवें स्थान पर पहुंच गए हैं। अफगानिस्तान के इस गेंदबाज ने 42 मुकाबलों में ये आंकड़ा हासिल किया।

वैभव अपने खेल पर ही ध्यान दे- गावस्कर

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा है कि उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी बेहद प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं पर उनको लेकर अपने खेल पर ही अधिक ध्यान देना होगा। वहीं गावस्कर ने कहा कि मीडिया भी उन्हें अधिक बढ़ा-चढ़ाकर पेश न करें। इससे किसी भी खिलाड़ी से अपेक्षाएं जरुरत से अधिक बढ़ जाती है। जिससे उसपर बेवजह का दबाव बन जाता है जो उसके करियर के लिए नुकसानदेह साबित हो सकता है। गावस्कर ने कहा कि वैभव अभी 15 साल के हैं और उनके पास पर्याप्त समय है। जिस प्रकार से वह गेंद की लेंथ और लाइन को समझकर गेंदबाज पर आक्रामण करते हैं। वह काफी अच्छा है पर उन्हें अपने खेल पर ध्यान देते रहना होगा। गावस्कर ने कहा कि कि समय के साथ ही विरोधी टीमें और गेंदबाज उनके खेलने को समझ लेंगे और कमी निकालने का प्रयास करेंगे। उनके तकनीक की खामी को पता करेंगे और फिर मानसिक रवैये में कोई कमजोरी हो को भी ढूंढने में लग जाएंगे।गावस्कर ने कहा, उनकी विरोधी टीम इस बात को भी देखना चाहेगी कि कोई ऐसी चीज ऐसी है जो बल्लेबाजी के दौरान उनकी एकाग्रता तोड़ सकती है। वैभव को लेकर गेंदबाज हर छोटी से छोटी बात की बारीकी से जांच की करेंगे। सभी उसकी कमजोरी का लाभ उठाना चाहेंगे। ऐसे में ही उसकी असली परीक्षा और तय होगा कि वह कितना लंबा चल सकता है।

ग्रीन और रिंकू के खराब प्रदर्शन से हार रही केकेआर

चेन्नई । अजिंक्य रहाणे की कप्तानी में उतरी कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) की हार का सिलसिला समाप्त होने का नाम नहीं ले रहा है। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ मिल हार के साथ ही उसे एक और झटका लगा है। टीम अभी तक के अपने पांच में से चार मैच हारी है जबकि एक मैच बारिश के कारण नीं हो पाया है। टीम की इस हार का एक कारण कैमरन ग्रीन और उपकप्तान रिंकू सिंह जैसे स्टार खिलाड़ियों का खराब प्रदर्शन भी रहा है। अब तक के मैचों में इन दोनों के प्रदर्शन को देखा जाए तो ये दोनो ही टीम पर बोझ बने हुए हैं।

ग्रीन और रिंकू सिंह जिस प्रकार के प्रदर्शन के लिए जाने जाते हैं, वह अब तक नहीं दिखा है। 25.20 करोड़ रुपये की कीमत में खरीदे गये ग्रीन अब तक बल्लेबाजी और और गेंदबाजी में विफल रहे हैं। वहीं रिंकू भी इस सत्र में विफल रहे हैं। ग्रीन अब तक खेले 5 मुकाबलों में कुल 56 रन ही बना पाये हैं, जबकि शुरुआती मुकाबलों में गेंदबाजी न करने के बाद पिछले दो मैचों में उन्होंने केवव एक ही विकेट लिया है। वहीं मध्य के ओवरों में उनसे आक्रामक पारी की उम्मीद रहती है। सीएसके के खिलाफ भी वह रन नहीं बना पाये थे। वहीं रिंकू को इस बार उपकप्तान बनाया गया पर वह अब तक अपने नाम के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं। केवल मुंबई इंडियंस और सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ ही वह रन बन पाये।

शेन वार्न के बेटे का आरोप, कोविड टीकों से हुई उसकी पिता की मौत

सिडनी। दिग्गज ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर शेन वार्न की मौत के चार साल बाद, उनके बेटे जैक्सन वार्न ने एक हैरान करने वाला खुलास किया है। जैक्सन का मानना है कि उनके पिता की अचानक हुई मौत का कारा कोविड-19 टीके रहे होंगे। वार्न का 2022 में थाईलैंड में दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया था, उस समय उनकी आयु 52 वर्ष थी।

जैक्सन ने अपने पिता के स्वास्थ्य से जुड़ी कुछ समस्याओं को स्वीकार किया, लेकिन साथ ही कोविड टीकों को उनकी मौत का संभावित कारण बताया। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा, 'मुझे पक्का लगता है कि इसमें कोविड टीके का प्रभाव रहा है। मुझे नहीं लगता कि अब यह कहने से किसी तरह का विवाद पैदा होगा।' जैक्सन ने साथ ही कहा, 'भले ही उनके पिता को पहले से ही कुछ स्वास्थ्य समस्याएं थीं, पर मेरा मानना है किटीका लगाने के कारण उनकी बीमारी बढ़ गयी थी। यह एक ऐसी बात है जिससे मैं हमेशा सोचता रहता हूं।'जैक्सन ने भावनात्मक रूप से बताया कि जब उन्हें पिता की मौत की खबर मिली, तो उनकी पहली प्रतिक्रिया यही थी कि उन्होंने तुरंत सरकार और कोविड टीकों को दोषी ठहराया। उन्होंने कहा, 'जैसे ही मैंने फोन रखा तो मेरी पहली प्रतिक्रिया यही थी कि मैंने तुरंत सरकार को दोषी ठहराया। मैंने तुरंत कोविड और टीके को दोषी ठहराया।' जैक्सन ने बताया कि उन्होंने शोक सभा में अपने इन विचारों को स्पष्ट रूप से व्यक्त करने से खुद को बड़ी मुश्किल से रोका था। उन्होंने इसे एक समझदारी भरा कदम बताया, अन्यथा उनकी स्थिति बिल्कुल अलग होती।

वार्न ने कथित तौर पर तीन या चार कोविड टीके लगवाए थे। जैक्सन के अनुसार, उनके पिता टीका नहीं लगवाना चाहते थे, लेकिन अन्य लोगों की तरह काम करने के लिए उन्हें मजबूरन इन्हें लेना पड़ा। जैक्सन ने कहा कि वह इस बारे में ज्यादा सोचना नहीं चाहते क्योंकि इससे केवल गुस्सा बढ़ता है, जो किसी के लिए भी अच्छा नहीं होता।

अपने पिता की जीवनशैली के बारे में जैक्सन ने कहा कि धूम्रपान और शराब पीने के बावजूद, वह अपेक्षाकृत स्वस्थ और खुश थे। उन्होंने बताया, 'उस समय डैड स्वस्थ थे, खुश थे। वे काफी समय बाद इतने अच्छे दिख रहे थे। वह जरूर धूम्रपान करते थे और शराब पीते थे, लेकिन 80 और 90 वर्ष की उम्र के कई लोग भी उनकी तुलना में कहीं अधिक धूम्रपान करते हैं और शराब पीते हैं।' गौरतलब है कि वार्न निधन से कुछ महीने पहले कोविड-19 से संक्रमित हो गए थे पर किसी गंभीर बीमारी से पीड़ित नहीं थे।

रोहित के नेट सत्र में नहीं उतरने से उनकी फिटनेस को लेकर प्रशसकों की चिन्ताएं बढ़ीं

मुम्बई । मुंबई इंडियंस के सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ हुए पिछले मुकाबले के दौरान हैमस्ट्रिंग में खिंचाव के कारण मैदान से बाहर चले गये थे। इसके बाद से ही उनकी फिटनेस को लेकर प्रशंसकों के साथ ही टीम मैनेजमेंट की भी चिंताएं बढ़ गई थीं। वहीं गत दिवस वह नेट अभ्यास के लिए नहीं उतरे जिससे पंजाब किंग्स के खिलाफ 16 अप्रैल को होने वाले मैच में उनके खेलने पर सवाल उठ रहे हैं। हालांकि इस मामले पर एक बड़ी राहत भरी खबर सामने आई है। एक रिपोर्ट के अनुसार रोहित की चोट गंभीर नहीं है और वह ज्यादा समय तक टीम से बाहर नहीं रहेंगे। रिपोर्ट में बताया गया है कि उनकी हैमस्ट्रिंग के स्कैन में जिसमें किसी भी प्रकार के टियर (मांसपेशी फटने) के संकेत नहीं मिले, जो प्रशंकों के लिए सबसे बड़ी चिंता का विषय था। वहीं अगर रोहित बाहर होते हैं तो ये मुंबई इंडियंस के लिए परेशानी का कारण हो सकता है। इस सत्र में उन्होंने शीर्ष क्रम में रयान रिकेल्टन के साथ एक अच्छी साझेदारी बनायी है और अगर ये जोड़ी टूटती है तो टीम को नुकसान हो सकता है। हालांकि टीम के पास क्विंटन डीकॉक जैसे अनुभवी बल्लेबाज विकल्प के तौर पर हैं पर उन्हें शामिल करने से विदेशी खिलाड़ियों की संख्या में बदलाव करना पड़ेगा। इसके अलावा, तिलक वर्मा, सूर्यकुमार यादव और हार्दिक पंड्या जैसे मिडिल ऑर्डर के बल्लेबाजों की खराब फॉर्म भी मुंबई के लिए एक बड़ी चिंता रही है, क्योंकि टीम जितनी मजबूत नजर आ रही है। मैदान पर उसका प्रदर्शन वैसा नहीं रहा है। ऐसे मे प्रशंसक उम्मीद कर रहे हैं कि रोहित की चोट गंभीर न हो।

वैभव को लेकर मैरा आंकलन सही निकला - इरफान पठान

मुम्बई। पूर्व क्रिकेटर इरफान पठान ने आईपीएल 2026 में जसप्रीत बुमराह और जोश हेजलवुड जैसे बड़े-बड़े गेंदबाजों की पिटाई करके सुर्खियां बटोरने वाले युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी के एक नये गेंदबाज के सामने शून्य पर आउट होने पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा है कि उनका इस बल्लेबाज को लेकर आंकलन सही था। यह पहली बार था जब वैभव टी20 क्रिकेट में गोल्डन डक हुए। सनराइजर्स हैदराबाद के प्रफुल्ल हिंगे ने उन्हें अपनी पहली ही गेंद पर आउट किया था। इसी को लेकर पठान ने मजाकिया अंदाज में कहा है कि वैभव को लेकर उनका अंदाजा गलत नहीं था।

पठान ने इससे पहले सोशल मीडिया पर कहा था कि वैभव जानबूझकर बड़े गेंदबाजों को निशाना बनाते हैं। उनकी यह बात तब चर्चाओं में आई जब वैभव ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ मैच में बुमराह के एक ही ओवर में दो शानदार छक्के लगा दिये थे। उस मैच में सूर्यवंशी ने बुमराह की पांच गेंदों का सामना करते हुए कुल 13 रन बनाए थे। पठान ने उस समय लिखा था, 'क्या वैभव सनसनी फैलाने बड़े गेंदबाजों को जानबूझकर निशाना बनाते हैं? मुझे ऐसा ही लग रहा है।'

वहीं पिछले साल आईपीएल में अपने डेब्यू मैच में ही उन्होंने शार्दुल ठाकुर की गेंद पर छक्का जड़कर शुरुआत की थी। वैभव ने आईपीएल के 19 वें सत्र में भी अपनी आक्रामक शैली जारी रखी है। उन्होंने जसप्रीत बुमराह के सामने पहली ही गेंद पर छक्का लगाया था। इसके अलावा जोश हेजलवुड और मार्को जेनसेन के साथ भी उन्होंने यही व्यवहार किया। गौरतलब है कि आईपीएल 2026 में वैभव ने अब तक बुमराह के अलाव भुवनेश्वर कुमार, मैट हेनरी, शार्दुल ठाकुर, जोश हेजलवुड और ट्रेंट बोल्ट सहित कुल 12 अलग-अलग गेंदबाजों को पर छक्के लगाकर अपने को साबित किया है।

आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स और गुजरात टाइटंस के मैचों में हुआ बदलाव

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में चेन्नई सुपर किंग्स और गुजरात टाइटंस के बीच होने वाले दो मैचों के कार्यक्रम में बदलाव किया है। गुजरात और सीएसके के बीच 26 अप्रैल को अहमदाबाद में होने वाला मैच अब इसी तारीख को चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेला जाएगा। ये मैच दोपहर 3:30 बजे शुरू होगा। वहीं सीएसकेके और गुजरात के बीच होने वाला दूसरा मैच जो 21 मई, 2026 की शाम को चेन्नई में खेला जाना है। उसे इसी दिन अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। ये मैच शाम 7:30 बजे से शुरु होगा। दोनों ही मैचों के कार्यक्रम में केवल स्थलों में बदलाव किय गया है। तारीख वहीं रखी गयी है। इस बदलाव का कारण अहमदाबाद में होने वाले नगर निगम चुनाव हैं। आईपीएल में अब तक इन दोनो ही टीमों का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। दोनो ही टीमों की शुरुआत बहुत ही खराब हुई है। सीएसके को लगातार तीन मैचों में मिली हार के बाद दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ पहली सफलता मिली. सीएसके के इस सीजन में चार मैचों में सिर्फ 2 अंक हैं। वहीं गुजरात टाइटंस भी खराब दौर से गुजर रही है। अपने डेब्यू सत्र में ही विजेतार रही गुजरात इस बार चार मैचों में सिर्फ 2 में जीत सकी है।

म्यूनिख ओपन टेनिस के अगले दौर में पहुंचे ज्वेरेव

म्यूनिख। जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने मियोमिर केकमैनोविक को एक संघर्ष पूर्ण मुकाबले में 6-3, 3-6, 7-6(2) से हराकर म्यूनिख ओपन टेनिस के अगले दौर में प्रवेश किया है। ज्वेरेव ने दो घंटे से अधिक समय तक चले मुकाबले में केकमैनोविक को हराकर अपनी पिछली हार का हिसाब भी बराकर कर दिया। ज्वेरेव ने इस मैच में अपना मनोबल बढ़ाये रखा। वहीं केकमैनोविक ने एक सेट से पीछे होने के बाद अच्छी वापसी करते हुए मैच को निर्णायक सेट तक पहुंचाया। ज्वेरेव ने निर्णायक सेट के टाई-ब्रेक में बेहतरीन खेल दिखाकर मैच अपने नाम किया।

वहीं अब अगले दौर में ज्वेरेव का सामना गैब्रियल डियालो से होगा। ज्वेरेव इस मैच के साथ ही आने वाले मैच जीत इस साल का अपना पहला एटीपी टूर खिताब जीतने का प्रयास करेंगे। इन दोनों खिलाड़ियों के बीच इससे पहले ऑस्ट्रेलियाई ओपन में मुकाबला हुआ था, जिसे ज्वेरेव ने जीता था।

वहीं एक अन्य मुकाबले में ब्राजील के जोआओ फोंसेका ने एलेजांद्रो टैबिलो को 7-6(1), 6-3 से हराया। 19 साल के फोंसेका का अगला मुकाबला अब क्वार्टर-फाइनल में सातवीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी आर्थर रिंडरकनेक से होगा।

वहीं तीसरी वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर बुब्लिक और आठवीं वरीयता प्राप्त टैलन ग्रीक्सपोर हार के साथ ही शुरुआती दौर में ही बाहर हो गए। एक अन्य मुकाबले में क्वालीफायर एलेक्स मोल्कन ने बुब्लिक को 6-4, 6-2 से हराया। अब उनका सामना डेनियल अल्तमायर से होगा। वहीं अल्तमायर ने विश्वप के तीसरे नंबर के खिलाड़ी रहे मारिन सिलिच को 6-2, 6-3 से हराकर उलटफेर किया । वहीं कनाडा के डेनिस शापोवालोव ने ग्रीक्सपोर को 6-4, 3-6, 6-2 से हराया। अब उनका सामना स्टेफानोस सितसिपास और फैबियन मारोजसन के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा।

ओलंपिक पदक विजेता डच बैडमिंटन स्टार एक्सेलसन ने संन्यास लिया

एक्सटर्डम। डेनमार्क के शीर्ष बैडमिंटन खिलाड़ी और दो बार ओलंपिक पदक विजेता रहे विक्टर एक्सेलसन ने केवल 32 साल की उम्र में खेल से संन्यास ले लिया है। एक्सेलसन ने कहा है कि वह पीठ की समस्या के कारण अब आगे नहीं खेलना चाहते हैं। पीठ में दर्द के कारण वह इस साल की शुरुआत से ही इंडिया ओपन और जर्मन ओपन से बाहर रहे थे। एक्सेलसन ने कहा, लगातार पीठ की परेशानी और सर्जरी के बाद भी बार बार दर्द उभरने से परेशान होने के कारण ही वह संन्यास ले रहे हैं। दर्द के कारण ही वह जरूरी ट्रेनिंग नहीं कर पाये रहे थे, ऐस में संन्यास के अलावा उनके पास कोई अन्य विकल्प नहीं था।

उन्होंने कहा, मैं पीठ की समस्या से जूझ रहा हूं। पिछले साल अप्रैल में मेरी सर्जरी हुई थी और उसके बाद मैं लंबी रिहैबिलिटेशन प्रक्रिया से गुजरा था। वहीं अक्टूबर में मुझे एक झटका लगा जिसके बाद से ही मैं अभ्यास नहीं कर पा रहा था। सर्जरी करने वाले डॉक्टर ने भी उनको खेल से दूर होने की सलाह दी थी। गौरतलब है कि एक्सेलसन ने साल 2010 में पेशेवर खिलाड़ी के तौर पर डेब्यू किया था। उसके बाद से ही वह सुदीरमन कप के अलावा व्यक्तिगत इवेंट्स में वर्ल्ड टूर सुपर 1000 लेवल या उससे ऊपर के सभी बड़े खिताब जीतने में सफल रहे हैं। वह वर्ल्ड चैंपियनशिप दो बार (2017 और 2022) जीतने वाले एकमात्र दूसरे गैर एशियाई खिलाड़ी हैं। वह ओलंपिक इतिहास में सबसे ज्यादा पदक जीतने वाले पुरुष बैडमिंटन खिलाड़ी भी हैं। उन्होंने टोक्यो 2020 और पेरिस 2024 ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीता था। रियो ओलंपिक 2016 में उन्होंने कांस्य पदक जीता था। वह तीन बार यूरोपियन चैंपियन रहे हैं और थॉमस कप भी जीते हैं।

देश मे समानता लाने फूले अम्बेडकर ने किया कठिन संघर्ष

धूमधाम एवं हर्षोल्लास से मनाई गई गुरु शिष्य की संयुक्त जयंती

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। तहसील मुख्यालय ग्राम किरनापुर मे विश्व रत्न बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर एवं सामाजिक शिक्षा क्रांति के प्रणेता राष्ट्रपिता ज्योतिबा राव फूले की जयंती संयुक्त रूप से बस स्टैण्ड किरनापुर बड़े ही धूमधाम एवं हर्षोल्लास से मनाई गई। सर्वप्रथम 1 अप्रैल को जहां बस स्टैण्ड किरनापुर मे बेनर इनॉग्रेशन का कार्यक्रम आयोजित कर भव्य आतिशबाजी की गई तो 13 अप्रैल की मध्य रात्रि मे केक काट कर जन्मदिन की खुशियां मनाते हुए पुनः भव्य आतिशबाजी के साथ युवाओं ने जमकर डांस किया। तथा 14 अप्रैल को सर्वप्रथम सुबह 10 बजे बस स्टैण्ड किरनापुर मे बाबा साहब डॉ भीमराव अम्बेडकर प्रतिमा के समक्ष मोमबत्ती अगरबत्ती प्रज्वलित कर पूजन किया गया एवं पंचशील ध्वजारोहण कर त्रिशरण पंचशील का पाठ कर बाबा साहब अम्बेडकर, माता रमाई, महात्मा ज्योतिबा फुले, सावित्री बाई फूले के जयघोष लगाए गए। तत्पश्चात् वार्ड क्रमांक 5 मे लगी फूले दंपति की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। एवं संविधान चौक किरनापुर मे स्थापित राष्ट्रपिता ज्योतिबा राव फूले, राष्ट्रमाता सावित्री बाई फुले फूले दंपति एवं विश्व रत्न बाबा साहब अम्बेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन कर जयघोष लगाए गए। उसके उपरांत शाक्य मुनि बुद्ध विहार किरनापुर मे महापरित्राण पाठ का आयोजन कर स्वल्पहार एवं मिष्ठान वितरण किया गया।

बाबा साहब की जीवंत झांकी रही आकर्षण का केन्द्र ,डीजे पर पर जमकर थिरके अनुयायी

14 अप्रैल की शाम 5 बजे से बस स्टैंड से डीजे के साथ भव्य पैदल रैली निकाली गई। इस रैली मे युवा, महिलाएं एवं बड़े बुजुर्गों ने जमकर डांस करते हुए जयंती पर अपनी खुशियों का इज़हार किया। वही इस रैली मे बाबा साहब की वेशभूषा धारण करने वाले जीवंत झांकी के रूप मे नन्हे बालक अश्वत्थ मेश्राम प्रमुख आकर्षण का केन्द्र रहे। रैली का जगह जगह नगरवासियों ने शरबत पिलाकर एवं स्वल्पाहार करवाकर आत्मीयता से स्वागत किया जिसमे ग्राम पंचायत किरनापुर, एकता प्रिंटिंग प्रेस के संचालक विनोद बंसोड, सामाजिक कार्यकर्ता शैलेष रामटेके एवं अमित गेडाम, संविधान चौक मे सामाजिक कार्यकर्ताओ तथा व्यापारी वर्ग से ओम अग्रवाल द्वारा रैली में शामिल लोगों को शरबत वितरण कराया गया। इस रैली मे पर्याप्त शांति, सुरक्षा व्यवस्था के पूर्णतः प्रबंध किरनापुर पुलिस प्रशासन द्वारा किए गए थे। जिसकी सभी ने सराहना की नगर भ्रमण के दौरान रैली पुनः बस स्टैण्ड पहुंची जहां सभी भोजनदान कार्यक्रम मे शामिल हुए तथा मंचीय उद्बोधन कार्यक्रमों की शुरुआत हुई। इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि श्रीनिवास बारमाटे सामाजिक चिंतक,विशेष अतिथि के तौर पर महामहिम राष्ट्रपति से पुरस्कार प्राप्त सेवा निवृत शिक्षक सुनील मेश्राम, कृष्णा रनगिरे सरपंच, ग्राम पंचायत सिवनीखुर्द, मनमोहन वैद्य सरपंच ग्राम पंचायत मौदा, सामाजिक कार्यकर्ता आर के शेर्डे, मनोहर छिपेकर ब्लॉक अध्यक्ष संत रविदासिया समाज संगठन किरनापुर, आर के रामटेके, सी एल मेश्राम, देवाजी रामटेके मंचासिन रहे। वही कार्यक्रम की अध्यक्षता धर्मकला भाई जे पी रामटेके सरपंच ग्राम पंचायत किरनापुर द्वारा की गई।

ज्योतिबा फूले एवं बाबा साहब का अविस्मरणीय योगदान - श्रीनिवास बारमाटे

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित सामाजिक चिंतक श्रीनिवास बारमाटे ने अपने उद्बोधन मे बतलाया कि बाबा साहब के पूर्व जितने भी महापुरूषों ने सामाजिक चेतना के आंदोलन चलाए है वे सभी बहुजन समाज के निचले तबके के ही लोग थे और इन सभी महापुरूषों के आंदोलन को बाबा साहब अम्बेडकर ने आगे बढ़ाते हुए उन्हें भारतीय संविधान मे समाहित किया है। जिसके लिए उन्हें काफी संघर्षों का सामना करना पड़ा। नारी शिक्षा से लेकर सभी को समानता का अधिकार जिसके चलते हम सभी को एक वोट का अधिकार मिला हुआ है। और पूरा का पूरा संविधान उसकी उद्देशिका मे समाहित कर सभी वर्ग लोगों को न्याय दिलाने का विशेष उल्लेख किया गया है।

समाज के लिए शिक्षा और उद्योग की बेहद आवश्यकता सुनील मेश्राम

कार्यक्रम मे विशिष्ट अतिथि राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त शिक्षक सुनील मेश्राम ने समाज के लिए शिक्षा और उद्योगों की आवश्यकता पर उद्बोधन देते हुए संविधान में उल्लिखित अधिकारों को समझाने का प्रयास किया। उन्होंने बाबा साहेब आंबेडकर की जन्म जयंती को समानता दिवस के रूप में समारोह पूर्वक हेतु भारत शासन द्वारा मनाया जाने की पहल किरनापुर से आगाज़ किए जाने का आह्वान किया शिक्षा मनुष्य की प्रगति का मूल आधार है, पर जोर देते हुए समझाया कि समाज और राष्ट्र की मजबूती का आधार है।

ऑर्केस्ट्रा के भीम गीतों पर खूब थिरके अनुयायी

कार्यक्रम के अंत मे उपस्थित जनसमुदाय के मनोरंजन के लिए ऑर्केस्ट्रा भीम दीवाने का आयोजन किया गया। कलाकारों द्वारा एक से बढ़कर एक भीम गीतों की शानदार प्रस्तुति दी गई जिस पर भीम मस्ताने खुशी से झूम उठे। और अल सुबह 3 बजे तक कार्यकमों का शांतिपूर्ण तरीके से सफलतम आयोजन चलते रहा। इस संपूर्ण आयोजन को सुचारू रूप से सम्पन्न कराने मे समिति अध्यक्ष जे पी रामटेके ,उपाध्यक्ष अमित गेडाम, एन के मेश्राम, बी आर डोंगरे, सचिव एस आर पटले, सह सचिव-संदीप नागवंशी, हंसराज वाहने, कोषाध्यक्ष राकेश बोरकर, संरक्षक व्ही एन मेश्राम, एस सी वैद्य, रविन्द्र शेंडे, दुर्गेश भीमटे,गौतम भीमटे, विनोद बंसोड,रोहिदास मेश्राम,राजेन्द्र वैद्य, राजेश वंजारी, दिलीप घरडे, अमरदीप रामटेके, राहुल वैद्य, स्वाकेश भीमटे एवं भीम क्रांति मित्र मंडली के युवाओं सहित समस्त नागरिकों का सराहनीय सहयोग प्राप्त हुआ।

लामता में डॉ अम्बेडकर की 135 वी जंयती धूमधाम से मनाई गई

पद्मेश न्यूज। लामता। डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती मंगलवार, 14 अप्रैल 2026 को लामता नगर में बड़े ही उत्साह और गरिमा के साथ मनाई गई। इस अवसर पर बौद्ध विहार लामता में सर्व समाज की उपस्थिति में भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया, जहां केक काटकर जयंती मनाई गई। सुबह से ही बौद्ध समाज के धर्मावलंबियों द्वारा बौद्ध विहार में भगवान बुद्ध एवं डॉ. अंबेडकर के छाया चित्रों के समक्ष दीप प्रज्वलित कर पुष्पमाला अर्पित की गई। इसके साथ ही विभिन्न सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम भी संपन्न हुए। पूरे नगर में जय भीम के नारों से वातावरण गूंज उठा।

जयंती के अवसर पर सर्व समाज द्वारा भव्य रैली का आयोजन किया गया, जिसमें ग्रामीण क्षेत्रों सहित नगर के प्रबुद्ध नागरिक, बुजुर्ग, महिलाएं, युवा और बच्चे बड़ी संख्या में शामिल हुए। रैली के दौरान जगह-जगह स्वागत एवं जलपान की व्यवस्था की गई। डीजे की धुन पर लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए नृत्य किया। रैली के समापन के पश्चात बौद्ध विहार में मंचीय कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। सभी अतिथियों का स्वागत पुष्पमालाओं से किया गया तथा अतिथियों के साथ मिलकर डॉ. अंबेडकर के चित्र के समक्ष केक काटकर जयंती मनाई गई। कार्यक्रम में वक्ताओं ने अपने उद्बोधन में डॉ. अंबेडकर के जीवन और उनके योगदान पर प्रकाश डालते हुए बताया कि वे भारतीय संविधान के निर्माता, महान समाज सुधारक और स्वतंत्र भारत के प्रथम कानून मंत्री थे। महू में जन्मे बाबासाहेब ने सामाजिक असमानता और छुआछूत के विरुद्ध संघर्ष करते हुए शिक्षा, समानता और बंधुत्व के लिए अपना जीवन समर्पित किया। उन्हें भारत रत्न से भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सरपंच श्री हुलासमल कोचर ने अपने संबोधन में कहा कि कठिन परिस्थितियों के बावजूद डॉ. अंबेडकर ने उच्च शिक्षा प्राप्त कर देश को संविधान के रूप में नई दिशा दी। कार्यक्रम का संचालन श्री शंभू प्रसाद सैयाम द्वारा किया गया। यह कार्यक्रम बौद्ध सर्किल समाज लामता के संस्थापक श्री रामप्रसाद चौहान (सेवानिवृत्त पोस्टमास्टर) के सानिध्य में आयोजित हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री चंदन लाल भौतेकर ने की। इस अवसर पर मुख्य अतिथि हुलासमल कोचर (सरपंच लामता), विशिष्ट अतिथि लखन बघेल (सरपंच बुढ़ियागांव), डॉ. शुभम सैयाम (बीएमओ, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लामता), एस.एल. सैयाम (प्राचार्य), सतीश कोकोटे (व्याख्याता) सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। अंत में बौद्ध समाज द्वारा सभी आगंतुक अतिथियों का आभार व्यक्त किया गया।

आज से प्रारंभ होगा जनगणना का प्रथम चरण

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। भारत सरकार द्वारा आयोजित जनगणना 2027 के प्रथम चरण के अंतर्गत स्व-गणना प्रक्रिया को प्रोत्साहित करने के लिए सभी शासकीय विभागों, अधीनस्थ कार्यालयों, अन्य संगठनों के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं आम नागरिकों से सक्रिय भागीदारी की अपील की गई है। जनगणना-2027 का प्रथम चरण 16 अप्रैल से प्रारंभ होकर 30 अप्रैल तक चलेगा। इस अवधि में अधिक से अधिक लोगों को स्व-गणना करने के लिए प्रेरित करने की अपील की गई है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार बालाघाट जिले में भी 16 अप्रैल से 30 अप्रैल 2026 तक 15 दिवस की अवधि में स्व-गणना की प्रक्रिया संपादित की जाएगी। सभी अधिकारी, कर्मचारी एवं आम जन से इस अवधि के दौरान स्वयं पोर्टल पर जाकर अपनी जानकारी दर्ज करने की अपील की गई है तथा अपने परिवार के सदस्यों का विवरण भी सुनिश्चित रूप से भरने कहा गया है। स्व-गणना के लिए भारत सरकार द्वारा विशेष ऑनलाइन पोर्टल उपलब्ध कराया गया है, जिसका लिंक है- https://se.census.gov.in है। इस ऐतिहासिक चरण में 16 से 30 अप्रैल के बीच नागरिक 'स्व-गणना' प्रक्रिया के माध्यम से अपने परिवार और घर की जानकारी स्वयं दर्ज कर सकेंगे। स्व-गणना एक नया सुविधाजनक विकल्प है। यह परिवार के किसी भी उत्तरदाता को सुरक्षित वेब पोर्टल का उपयोग करते हुए अपने घर अथवा कार्यालय या अन्य किसी स्थान से ऑनलाइन अपने परिवार की जानकारी स्वयं भरने की सुविधा प्रदान करता है। स्व-गणना के तहत आपको ऑनलाइन फार्म भरकर एक विशिष्ट आईडी जनरेट करना होता है, जिसे बाद में आने वाले जनगणना कर्मचारी को दिखाना होता है, जिससे डेटा सत्यापन आसान हो जाएगा। यह पोर्टल 16 अलग-अलग भाषाओं में उपलब्ध होगा, ताकि लोग अपनी मातृभाषा में जानकारी साझा कर सकें। इस प्रक्रिया में मुख्य रूप से दो श्रेणियों में डेटा एकत्र किया जाएगा। मकान सूचीकरण के तहत घर के स्वामित्व, निर्माण सामग्री और उपलब्ध सुविधाओं का विवरण होगा तथा जनसंख्या विवरण के तहत परिवार के सदस्यों के नाम, उनकी आयु, शिक्षा और व्यवसाय की जानकारी शामिल होगी। कलेक्टर मृणाल मीना ने जिले के नागरिकों से अपील की है कि वे 16 अप्रैल से प्रारंभ हो रहे जनगणना के प्रथम चरण में पोर्टल https://se.census.gov.in पर स्व-गणना करें और इस दौरान सही उत्तर भरना है। अंतिम सबमिशन से पहले, स्वगणना के माध्यम से दर्ज आंकड़ों की पर्यवेक्षकों द्वारा फील्ड विजिट के दौरान जांच की जाएगी। स्व-गणना करने से फील्ड विजिट करने वाले पर्यवेक्षकों का काम आसान हो जाएगा।

डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर जयंती में उमड़ा वंदन, अभिवादन का जनसैलाब

पद्मेश न्यूज। उकवा। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी भारत के महान शिल्पकार, भारत रत्न एवं संविधान निर्माता डॉ. भीमराव रामजी आंबेडकर जी की जयंती धूमधाम एवं हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। जयंती के अवसर पर ग्राम में विभिन्न कार्यक्रमों का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें समाज के सभी वर्गों की सक्रिय सहभागिता रही। 14 अप्रैल को प्रातः कार्यक्रमों की शुरुआत त्रिशरण पंचशील ग्रहण के साथ की गई। इस दौरान बुद्धिस्ट कमेटी के अध्यक्ष बाबूलाल गजभिये, उपाध्यक्ष श्रीमती निशा गोंडाने एवं सचिव रितिक कामड़े की गरिमामयी उपस्थिति रही। तत्पश्चात बुद्ध विहार में गौतम बुद्ध, डॉ. भीमराव रामजी आंबेडकर, सावित्रीबाई फुले, ज्योतिराव फुले एवं बिरसा मुंडा जी के छायाचित्रों पर माल्यार्पण कर श्रद्धापूर्वक वंदन किया गया। इसके उपरांत भव्य रैली निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में अनुयायी डीजे की धुन पर नाचते-गाते हुए जय भीम के नारे लगा रहे थे। रैली ने पूरे ग्राम का भ्रमण किया और पुनः बुद्ध विहार पहुंचकर बाबासाहेब आंबेडकर चौक पर समाप्त हुई। इस दौरान ओमकार राहंगडाले, नरेश उइके, देवेन्द्र बिसेन, अनिल बिसेन एवं हिमांशु मेश्राम द्वारा अपने-अपने घरों के सामने रैली का स्वागत करते हुए कोल्ड ड्रिंक्स, स्वल्पाहार एवं पेयजल की व्यवस्था की गई। इस अवसर पर सर्व धर्म सेवा समिति अध्यक्ष जेम्स बारिक, सुनील उइके, मेडिकल ऑफिसर सौरभ उइके ग्राम के वरिष्ठ नागरिक ओमकार राहंगडाले, श्रम जीवी पत्रकार संघ तहसील उकवा के अध्यक्ष अशोक राऊत, श्रम जीवी पत्रकार संघजिला उपध्यक्ष सलीम खान,श्रम जीवी पत्रकार संघ तहसील उपध्यक्ष श्रीमती सजना बर्वे, श्री सतीश उमरे, राजेश उमरे सहित समस्त ग्रामवासी उपस्थित रहे और बाबासाहेब को उनकी जयंती पर श्रद्धापूर्वक स्मरण किया।

कार्यक्रम के अंतर्गत भंडारे का आयोजन भी किया गया, जिसमें राजेश राहंगडाले, सर्वेश नागवंशी, अधीक्षक रामलाल पटले, अधीक्षक शिवनंद मेरावी, सुनील उइके एवं प्रकाश गौतम का विशेष सहयोग रहा।

मनचासी कार्यक्रमों का भी हुआ आयोजन

संध्या 7 बजे बुद्ध विहार में मनचासी कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें ग्राम पंचायत सरपंच सुनील उइके, सर्व धर्म सेवा समिति अध्यक्ष जेम्स बारिक, ग्राम के वरिष्ठ नागरिक ओमकार राहंगडाले, चिकित्सा अधिकारी डॉ. सौरभ उइके, राजेश उमरे, अधीक्षक रामलाल पटले, अधीक्षक शिवनंद मेरावी एवं अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी वक्ताओं ने डॉ. भीमराव रामजी आंबेडकर जी के जीवन, उनके संघर्ष एवं विचारों पर प्रकाश डालते हुए समाज को उनके आदर्शों पर चलने का संदेश दिया। कार्यक्रम में सैकड़ों की संख्या में अनुयायी उपस्थित रहे। अंत में अतिथियों को बाबासाहेब के जीवन पर आधारित पुस्तकें एवं पेन भेंट कर सम्मानित किया गया। यह संपूर्ण आयोजन श्रद्धा, समता, भाईचारे एवं सामाजिक एकता का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत करता है, जो डॉ. भीमराव रामजी आंबेडकर जी के आदर्शों को साकार करता।

हट्टा मे हर्षोल्लास के साथ मनाई गई आंबेडकर जयंती

पद्मेश न्यूज। हट्टा। सविधान के निर्माता भारत रत्न डॉ भीमराव आंबेडकर की जयंती 14 अप्रैल मगलवार को ग्राम हट्टा व क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों मे हर्षोल्लास के साथ मनाई गई । हट्टा क्षेत्र के ग्रामों मे जगह जगह विभिन्न कार्यक्रम आयोजन क सामाजिक बंधुओ ने बाबासाहेब आंबेडकर को याद कर उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया । डॉ बाबासाहेब आंबेडकर की 135वी जयंती ग्राम हट्टा मे दो दिवसीय कार्यक्रम के रूप मे मनाई गई । जहा प्रथम दिवस 13 अप्रैल को हट्टा स्थित आंबेडकर चौक पर दिन मे रंगोली प्रतियोगिता व शाम को सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमे बच्चों ने बच्चों ने गीत नृत्य व नाटक के माध्यम से अपनी प्रतिभा दिखाई । जिसके बाद 12 बजते ही व 14 अप्रैल के शुरू होते ही आतिशबाजी कर बाबा साहेब आंबेडकर की जयंती मनाई गई। इस दौरान रात्रि मे आंबेडकर चौक पर केक कटिंग व भव्य आतिशबाजी देखने को मिली । बौद्ध अनुयायियों के द्वारा बाबा साहेब आंबेडकर जयंती के अवसर

पर सुबह 7:30 बजे माल्यार्पण कर पूजा वंदना की गई तत्पश्चात बाईक रैली का आयोजन किया गया । जो ग्राम हट्टा के आंबेडकर चौक से प्रारंभ होकर हनुमान चौक गुजरी चौक सहित हट्टा क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों का भ्रमण करते जिला मुख्यालय स्थित आंबेडकर चौक पहुची जहा पर बाईक रैली का समापन किया गया । दलितों के मसीहा और अछूतो के उद्धारकर्ता बाबा साहेब की इस जयंती पर आंबेडकर अनुयायियों नई जमकर उत्साह बिखेरा पूरा ग्राम हट्टा व क्षेत्र सफेद व नीले रंग से रंगा हुआ दिखाई दिया । जहा स्थानीय बौद्ध विहार मे पूजा वंदना कर डॉ भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया तत्पश्चात शाम 4:30 बजे से पैदल रेली निकली गई । जिसमे डीजे की धुन पर बाबा साहेब आंबेडकर के नाम से समर्पित गीतों पर नाचते हुए बौद्ध उपासक उपासिकयो ने भाग लिया । यह रैली आंबेडकर चौक से प्रारंभ होकर ग्राम के हनुमान चौक , हाई स्कूल चौक , नेहरू चौक पंचशील चौक होते हुए वापस आंबेडकर चौक पहुची जहा रैली का समापन कर भोजन दान दिया गया व मंचीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमे सर्वप्रथम तथगात गौतम बुद्ध व बाबा साहेब आंबेकर के छाया चित्र के समक्ष दीप प्रजलवित कर माल्यार्पण किया गया । तत्पश्चात उपस्थित वक्ताओ के द्वारा बाबा साहेब आंबेडकर के जीवन संघर्ष पर प्रकाश डाला और उनकी शिक्षाओ का अनुसरण करने की बात कही । इस कार्यक्रम मे ग्रामीण बौद्ध समिति के अध्यक्ष श्री रूपेश गे?ाम ,पंचशील महिला मण्डल अध्यक्ष श्रीमती सुशीला गे?ाम , हट्टा सरपंच श्री उमेश सोनेकर , उपसरपंच श्री वीरेंद्र बिसेन , जनपद सदस्य श्रीमती रंजना वैध , गणमान्य नागरिक व बौद्ध उपासक उपसिका उपस्थित रहे । मंच का संचालन श्री देवानंद रंगारे जी के द्वारा किया गया ।

बालिकाओं ने मारी बाजी, शानदार रहा परीक्षा परिणाम

पद्मेश न्यूज। लामता। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लामता का सत्र 2025-26 का परीक्षा परिणाम उत्कृष्ट रहा। इस वर्ष कक्षा 10वीं एवं 12वीं में छात्राओं ने छात्रों की तुलना में बेहतर प्रदर्शन करते हुए बाजी मारी। विद्यालय में कक्षा 10वीं का परीक्षा परिणाम 96 प्रतिशत तथा कक्षा 12वीं का परीक्षा परिणाम 86 प्रतिशत रहा। विद्यालय का परीक्षा परिणाम गत वर्ष के समान संतोषजनक रहा। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लामता में कक्षा 10वीं में कुल 126 छात्र-छात्राएं परीक्षा में सम्मिलित हुए, जिनमें से 122 विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए। इनमें 93 विद्यार्थी प्रथम श्रेणी तथा 23 विद्यार्थी द्वितीय श्रेणी में उत्तीर्ण हुए, जबकि 4 विद्यार्थी अनुत्तीर्ण रहे। कक्षा 10वीं की मेरिट सूची में विद्या मूरखे ने 500 में से 459 अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। अनुष्का झारिया ने 458 अंक प्राप्त कर द्वितीय स्थान, दीपिका कालियारी ने 447 अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान तथा सृष्टि शांडिल्य ने 442 अंक प्राप्त कर चतुर्थ स्थान हासिल किया। कक्षा 12वीं में कुल 132 छात्र-छात्राएं परीक्षा में सम्मिलित हुए, जिनमें से 113 विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए, जबकि 18 विद्यार्थी अनुत्तीर्ण रहे। इनमें 77 विद्यार्थी प्रथम श्रेणी एवं 36 विद्यार्थी द्वितीय श्रेणी में उत्तीर्ण हुए। कक्षा 12वीं के जीव विज्ञान संकाय में रागनी तिल्लासी ने 406 अंक तथा जान्हवी नागवंशी ने 390 अंक प्राप्त किए। गणित संकाय में मनीष दमाहे ने 396 अंक अर्जित किए। वहीं कला संकाय में राजाराम मुहारे ने 422 अंक, ओम बिसेन ने 421 अंक एवं रेशमा अली ने 403 अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। इसी प्रकार माध्यमिक विद्यालय बु?ियागांव का परीक्षा परिणाम भी सराहनीय रहा। विद्यालय में कुल 29 विद्यार्थी परीक्षा में सम्मिलित हुए, जिनमें से 28 विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए तथा 1 विद्यार्थी अनुत्तीर्ण रहा। इनमें 25 विद्यार्थी प्रथम श्रेणी एवं 3 विद्यार्थी द्वितीय श्रेणी में उत्तीर्ण हुए। बु?ियागांव विद्यालय में त्रिवेणी नगपुरे ने 500 में से 432 अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। योगिता रँगिरे ने 423 अंक प्राप्त कर द्वितीय स्थान तथा करीना देसाहे ने 423 अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान हासिल किया।

जनजाति कार्य विभाग बालाघाट के विद्यालयों का उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम

कक्षा 10वीं में 96 व 12वीं में 93 प्रतिशत सफलता

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल द्वारा घोषित कक्षा 10वीं एवं 12वीं के परीक्षा परिणामों में जनजाति कार्य विभाग बालाघाट अंतर्गत संचालित विद्यालयों ने उल्लेखनीय प्रदर्शन करते हुए उत्कृष्ट परिणाम हासिल किए हैं। सहायक संचालक जनजातीय कार्य विभाग श्री देवी प्रसाद ठाकरे ने बताया कि कक्षा 12वीं में बैहर विकासखंड का परीक्षा परिणाम 89 प्रतिशत, बिरसा विकासखंड का 92 प्रतिशत एवं परसवाड़ा विकासखंड का 97 प्रतिशत रहा। वहीं कक्षा 10वीं में बैहर विकासखंड का परीक्षा परिणाम 97 प्रतिशत, बिरसा विकासखंड का 93 प्रतिशत तथा परसवाड़ा विकासखंड का 97 प्रतिशत दर्ज किया गया। इस प्रकार समग्र रूप से जनजाति कार्य विभाग बालाघाट का कक्षा 10वीं का कुल परीक्षा परिणाम 96 प्रतिशत एवं कक्षा 12वीं का 93 प्रतिशत रहा, जो विभाग के लिए गर्व का विषय है। इस अवसर पर सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्रीमती शकुंतला डामोर ने जनजातीय क्षेत्र के समस्त प्राचार्यों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम के लिए शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार बेहतर प्रदर्शन जारी रखने की अपेक्षा व्यक्त की है।

शासकीय मॉडल स्कूल बैहर का 10वीं का परीक्षा परिणाम रहा शत प्रतिशत

दो छात्रों ने मेरिट सूची में बनाई जगह

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बालाघाट जिले के बैहर स्थित शासकीय मॉडल स्कूल ने वर्ष 2026 की बोर्ड परीक्षाओं में शानदार प्रदर्शन करते हुए नया कीर्तिमान स्थापित किया है। विद्यालय ने कक्षा 10वीं में शत-प्रतिशत (100 प्रतिशत) परिणाम हासिल कर क्षेत्र में अपनी उत्कृष्ट शैक्षणिक गुणवत्ता का परिचय दिया है, वहीं 12वीं कक्षा में भी उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है।

सबसे खास बात यह रही कि कक्षा 10वीं की प्रदेश स्तरीय प्राविण्य सूची में विद्यालय के दो विद्यार्थियों निश्चय राणा (पिता- दिनेश राणा) एवं डेजी बिसेन (पिता- लिकेश बिसेन) ने छठवां स्थान प्राप्त कर विद्यालय और जिले का नाम रोशन किया। विद्यालय में 10वीं कक्षा के कुल 95 विद्यार्थियों में से 94 विद्यार्थी प्रथम श्रेणी में तथा 1 विद्यार्थी द्वितीय श्रेणी में उत्तीर्ण हुआ। इनमें 40 विद्यार्थियों ने. + ग्रेड और 38 विद्यार्थियों ने. ग्रेड प्राप्त किया। उल्लेखनीय है कि विद्यालय लगातार दूसरे वर्ष भी 10वीं में 100 प्रतिशत परिणाम देने में सफल रहा है। कक्षा 12वीं का परीक्षा परिणाम 93त्र रहा। कुल 84 विद्यार्थियों में से 22 विद्यार्थियों ने. + ग्रेड तथा 31 विद्यार्थियों ने. ग्रेड हासिल किया। विद्यालय स्तर पर कक्षा 12वीं में श्रेयांशी शर्मा (वाणिज्य संकाय) ने 93.6त्र अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। सारा पन्दे (कला संकाय) ने 91त्र के साथ द्वितीय स्थान और भौतिक भैरम (वाणिज्य संकाय) ने 90त्र अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान हासिल किया। विद्यालय के प्राचार्य श्री सुनील कुमार खोब्रागड़े ने इस उपलब्धि पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि यह दिन पूरे विद्यालय परिवार के लिए उत्सव के समान है। उन्होंने कहा कि यह सफलता शिक्षकों के समर्पण, विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत और अभिभावकों के सहयोग का परिणाम है। जिला शिक्षा अधिकारी श्री अश्विनी उपाध्याय ने विद्यालय परिवार, शिक्षकों, विद्यार्थियों और अभिभावकों को हार्दिक बधाई देते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार उत्कृष्ट प्रदर्शन बनाए रखने की शुभकामनाएं दीं। प्राचार्य ने आगे कहा कि सीमित संसाधनों के बावजूद ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों ने यह साबित कर दिया है कि प्रतिभा किसी भी परिस्थिति में ऊंचाइयों को छू सकती है। विद्यालय भविष्य में भी शिक्षा की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। यह उपलब्धि न केवल बैहर बल्कि पूरे बालाघाट जिले के लिए गर्व का विषय बन गई है।

बालाघाट
गुरुवार 16 अप्रैल 2026

दक्षिण सतपुड़ा
राजनीति | समाज | देशकाल
और गांव कनेक्शन की खबरें

पद्मेश न्यूज़
शहर | समाज | गांव

बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

सीबीएसई 10वीं का रिजल्ट घोषित सतपुड़ा वैली पब्लिक स्कूल गर्रा बालाघाट का दसवीं का रिजल्ट रहा शतप्रतिशत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। इस वर्ष कक्षा 10वीं के परीक्षा परिणाम घोषित किए गए, जिसमें विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया।

इस वर्ष कुल परिणाम प्रतिशत बहुत ही सराहनीय रहा और विद्यार्थियों ने प्रथम श्रेणी में सफलता प्राप्त की। विद्यालय के कई विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त कर विशेष उपलब्धि हासिल की। टॉपर विद्यार्थियों ने अपने कठिन परिश्रम और शिक्षकों के मार्गदर्शन से यह सफलता प्राप्त की। सतपुडत्रा वैली पब्लिक स्कूल गर्रा बालाघाट के शाला प्रबंधन और प्राचार्या ने सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई दी तथा उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। उन्होंने शिक्षकों के प्रयासों की भी सराहना की, जिनके सहयोग से विद्यार्थियों ने यह सफलता अर्जित की। अभिभावकों ने भी विद्यालय के इस उत्कृष्ट परिणाम पर प्रसन्नता व्यक्त की और इसे विद्यार्थियों एवं शिक्षकों की मेहनत का परिणाम बताया। विद्यालय प्रशासन ने सभी विद्यार्थियों को आगे भी इसी प्रकार मेहनत करने और उच्च लक्ष्य प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया।

एमपी बोर्ड का रिजल्ट घोषित, 10वीं में बेहतर प्रदर्शन, 12वीं में संतुलित परिणाम

10वीं का रिजल्ट 87.8 और 12वीं का 86.6 प्रतिशत, प्रावीण्य सूची में 10वीं के 36 व 12वीं के 8 छात्र शामिल

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

लंबे इंतजार के बाद 15 अप्रैल को माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल द्वारा कक्षा 10वीं और 12वीं का परीक्षा परिणाम घोषित कर दिया गया। इस बार जिले के विद्यार्थियों ने अच्छा प्रदर्शन करते हुए 10वीं में प्रदेश स्तर पर बेहतर स्थान हासिल किया है, जबकि 12वीं का परिणाम भी संतुलित रहा है। जानकारी के अनुसार, कक्षा 10वीं का रिजल्ट 87.8 प्रतिशत रहा, वहीं कक्षा 12वीं का परिणाम 86.6 प्रतिशत दर्ज किया गया। पिछले वर्ष की तुलना में इस बार का परिणाम लगभग समान रहा, लेकिन प्रावीण्य सूची में इस बार कक्षा 10वीं के विद्यार्थियों की संख्या अधिक रही है। कक्षा 10वीं से प्रदेश की प्रावीण्य सूची में जिले के 36 विद्यार्थियों ने स्थान बनाया है, जबकि कक्षा 12वीं में यह संख्या 8 रही। इससे स्पष्ट है कि इस वर्ष 10वीं के छात्रों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है, जबकि 12वीं में अपेक्षाकृत कम छात्र सूची में स्थान बना सके। जिला शिक्षा अधिकारी ने बताया कि इस बार शासकीय स्कूलों का परिणाम संतोषजनक रहा है। वहीं निजी स्कूलों के परिणाम में सुधार के लिए जल्द ही प्राचार्यों की बैठक लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए जाएंगे।

माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल द्वारा 15 अप्रैल को सुबह 11 बजे कक्षा 10वीं और 12वीं का परीक्षा परिणाम घोषित किया गया। रिजल्ट को लेकर जिले के विद्यार्थियों में पहले से ही खासा उत्साह देखा जा रहा था। घोषित परिणाम भी विद्यार्थियों के अनुरूप ही रहे, हालांकि इस बार कक्षा 10वीं के छात्रों ने प्रदेश की प्रवीण सूची में बेहतर प्रदर्शन किया, जबकि कक्षा 12वीं के विद्यार्थी अपेक्षाकृत कम संख्या में स्थान बना सके। जिले में कक्षा 10वीं के कुल 18,354 विद्यार्थी पंजीकृत थे, जिनमें से 87.18 प्रतिशत छात्र-छात्राएं उत्तीर्ण हुए। वहीं कक्षा 12वीं में 22,836 विद्यार्थियों में से 86.6 प्रतिशत ने सफलता प्राप्त की।

10वीं में 36 छात्रों ने बनाई प्रवीण सूची में जगह

कक्षा 10वीं की प्रवीण सूची में जिले के 36 विद्यार्थियों ने स्थान हासिल किया। इनमें अक्षरा पिता

अनिल घोडेश्वर (शाउमावि छतेरा) ने 498 अंक अर्जित कर प्रदेश में दूसरा स्थान प्राप्त किया। शिवम पिता विनोद बोपचे (शाउमावि परसवाड़ा घाट) 497 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहे, जबकि भूमि पिता वीरेंद्र बिसेन (शाउमावि जाम कटंगी) ने 496 अंक लेकर चौथा स्थान प्राप्त किया। 495 अंकों के साथ दिव्यांश पिता राजकुमार चापके (शाउमावि बल्लारपुर) और नैना पिता जयकिशोर लिल्हारे (सांदीपनि वीरांगना रानी दुर्गावती उमावि, बालाघाट) पांचवें स्थान पर रहे। 494 अंकों के साथ निश्चय पिता दिनेश राणा, डेजी पिता लिंकेश बिसेन, निधि पिता संजय पुंड और रेयांश पिता लालचंद चौराघड़े ने छठवां स्थान हासिल किया। 493 अंकों के साथ सातवें स्थान पर जागृति पिता तीरथदास लिल्हारे, विनायक पिता शिवकुमार ठाकरे, रौनक पिता मुनीराम बागड़े, पीयूष पिता दावनलाल टैंभारे, अनंत पिता धर्मेंद्र पंचेश्वर और अंशिका पिता अंजुनाथ गंगभोज रहे। 492 अंकों के साथ आठवें स्थान पर दिशा पिता साहबलाल गौतम, विशाखा पिता संतोष बापूरे, ललित पिता सुखराम पारधी और तन्वी पिता ईश्वरचंद्र नगपुरे शामिल रहे। 491 अंकों के साथ नौवें स्थान पर शिवांगी पिता आशुतोष पांडे, रागिनी पिता धर्नेंद्र पटेल, मनु पिता केवल प्रसाद कटंगकर, डेविड पिता संतोष उचबगले, वाणी पिता कुंदन सोनी, पीहू पिता दिनेश परिमल, हिना पिता राकेश ठाकरे, यामिनी पिता उम्मेदलाल शरणागत और हिमांशी पिता घनश्याम कुथे ने स्थान बनाया। वहीं 490 अंकों के साथ दसवें स्थान पर प्रीत पिता छोटेलाल राणा, माही पिता दुल्हीराम सुलाखे, स्मृति पिता सेवकराम कावरे, अंशु पिता खिलेश्वर राहंगडाले, माही पिता भूपेंद्र राहंगडाले, निशा पिता सुनील तेलासे, श्वेता पिता तेजराम बंटे और देवांशी पिता गिरीश देशमुख शामिल रहे।

12वीं में केवल 8 छात्रों को मिली प्रवीण सूची में जगह

कक्षा 12वीं में विभिन्न संकायों से कुल 8 विद्यार्थियों ने प्रवीण सूची में स्थान प्राप्त किया। शिवम पिता सुरेश अवधिया (शाउमावि बल्लारपुर) ने 482 अंक लेकर आठवां स्थान प्राप्त किया। विज्ञान (गणित) समूह से भावना पिता लिंगाजी पटले (शाउमावि कटंगी) ने 485 अंकों के साथ आठवां स्थान हासिल किया। वाणिज्य संकाय से आर्यगिरी पिता इतोष गिरी गोस्वामी (शासकीय नवीन उमावि माटे) ने 481 अंकों के साथ दसवां स्थान प्राप्त किया। कृषि संकाय में स्वाति पिता तेजराम उइके और प्रणाली पिता सम्राट थावरे (शा.हा.से. स्कूल झालीवाड़ा) ने 484 अंकों के साथ पांचवां स्थान हासिल किया। जीव विज्ञान संकाय से स्तुति पिता सौरभ जैन (वैकाइंमी उमावि लालबर्रा) ने 489 अंक प्राप्त कर तीसरा स्थान हासिल किया। वहीं अश्मी पिता अनिल कुमार पाराशर (वैकाईमी लालबर्रा) ने 483 अंकों के साथ नवां स्थान और आदिती पिता हितेंद्र तिवारी (शा. आ. ब. उ. रा. मा. वि. बालाघाट) ने 482 अंकों के साथ दसवां स्थान प्राप्त किया।

रिजल्ट सुधार के प्रयास किये गये थे-अश्वनी कुमार

जिला शिक्षा अधिकारी अश्वनीकुमार उपाध्याय ने परिणाम को संतोषजनक बताते हुए कहा कि इस वर्ष का रिजल्ट पिछले वर्ष के समान ही रहा है। उन्होंने बताया कि विद्यार्थियों के बेहतर परिणाम के लिए अतिरिक्त कक्षाएं संचालित की गई थीं, जिनका सकारात्मक असर देखने को मिला है। उन्होंने यह भी कहा कि इस बार प्रवीण सूची में शासकीय विद्यालयों के छात्रों की भागीदारी अधिक रही है, जबकि निजी विद्यालयों के विद्यार्थियों की संख्या

कम है। इसे ध्यान में रखते हुए जल्द ही निजी स्कूलों के प्राचार्यों की बैठक आयोजित कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए जाएंगे। साथ ही उन्होंने जनजातीय क्षेत्रों में अपेक्षाकृत कमजोर परिणाम को स्वीकार करते हुए कहा कि संबंधित विद्यालयों और अधिकारियों को निर्देशित कर आने वाले समय में परिणाम सुधार के लिए विशेष प्रयास किए जाएंगे।

सगाई टूटने के बाद मंगेतर पर साइबर उत्पीड़न का आरोप

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के खैरलांजी थाना क्षेत्र में एक युवती ने अपने पूर्व मंगेतर पर गंभीर आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई है। युवती का कहना है कि सगाई टूटने के बाद आरोपी युवक ने उसकी फर्जी इंस्टाग्राम आईडी बनाकर उसकी फोटो और आपत्तिजनक सामग्री पोस्ट कर बदनाम करने की कोशिश की,साथ ही लगातार फोन कर परेशान कर रहा है। पुलिस ने इस मामले में रूपेश वासनिक ग्राम रूपरा थाना सिहोरा निवासी के विरुद्ध मामला कायम कर जांच शुरू की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार युवती कक्षा 12वीं तक शिक्षित है और पिछले एक वर्ष से आरोपी रुपेश वासनिक ग्राम रूपेरा थाना सिहोरा निवासी को जानती थी। दोनों के बीच बातचीत होती थी और 27 अक्टूबर 2025 को उनकी सगाई हुई थी। इसके बाद 2 फरवरी 2026 को शादी तय हुई थी लेकिन 14 दिसंबर 2025 को किसी कारणवश रुपेश ने शादी तोड़ दी। शादी टूटने के बाद युवती ने रूपेशसे संपर्क बंद कर दिया। आरोप है कि इसके बाद रुपेश ने फर्जी इंस्टाग्राम आईडी बनाकर युवती की तस्वीरें, मैसेज और गाने पोस्ट करना शुरू कर दिया। जिससे उसकी बदनामी हो रही है। साथ ही वह बार-बार कॉल कर युवती पर बात करने का दबाव बनाता रहा और शादी कहीं और न होने देने की धमकी भी देता रहा। युवती का यह भी कहना है कि परिवार के लोगों ने आरोपी को समझाने की कोशिश की लेकिन वह नहीं माना। 12 अप्रैल 2026 को आरोपी द्वारा फर्जी इंस्टाग्राम आईडी पर आपत्तिजनक पोस्ट किए जाने के बाद युवती ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। खैरलांजी पुलिस ने युवती की शिकायत पर आरोपी रुपेश वासनिक के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 78(2), 351(2) और आईटी एक्ट की धारा 66 डी के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

तेज रफ्तार कर की ठोकर से साइकिल सवार व्रद्ध घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कोतवाली क्षेत्र में आने वाले समनापुर रोड पर स्थित ग्राम खैरी के पास तेज रफ्तार कार की चपेट में आने से साइकिल सवार व्रद्ध घायल हो गये। घायल वृद्ध काशीराम पिता जेठू डहारे 62 वर्ष ग्राम पाथरवाड़ा थाना भरवेली निवासी है। जिसे जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार काशीराम खेती मजदूरी करते हैं जिनके परिवार में दो बेटी दामाद है। काशीराम प्रतिदिन साइकिल से बालाघाट मजदूरी करने आते हैं। रोज की तरह 15 अप्रैल को भी काशीराम साइकिल में बालाघाट नगर मजदूरी करने आए थे और शाम को मजदूरी करके काशीराम साइकिल में ही अपने घर ग्राम

पाथरवाड़ा लौट रहे थे। तभी बालाघाट नगर से कुछ दूर समनापुर रोड ग्राम खैरी के पास बालाघाट की ओर से तेज रफ्तार से जा रही कार ने साइकिल सवार काशीराम को चपेट में ले लिया। कार की ठोकर से काशीराम साइकिल सहित गिरने से घायल हो गये। खबर मिलते ही उनके दामाद संजय पिछोड़े मौके पर पहुंचे और उसी कार से काशीराम को जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किये। जहां उनका इलाज किया जा रहा है। स्कॉर्पियो कर का नंबर एमपी 50 सी 86 89 बताया गया है जिला अस्पताल पुलिस ने संजय पिछोड़े का बयान लेकर अस्पताल तहरीर अग्रिम कार्रवाई हेतु घटनास्थल संबंधित थाना कोतवाली भिजवा दी है।

AICTE भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त एवं RGPV & DTE भोपाल से सम्बध्द
सतपुड़ा कॉलेज ऑफ
इंजीनियरिंग एण्ड पॉलिटेक्निक
बी.टेक. पॉलिटेक्निक
JOB SAHi
• कम्प्यूटर साइंस इंजीनियरिंग
• माईनिंग इंजीनियरिंग
• सिविल इंजीनियरिंग
• मैकेनिकल इंजीनियरिंग
• इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग
ADMISSION OPEN
नई शिक्षा नीति के तहत किसी भी ब्रांच से डिप्लोमा उत्तीर्ण छात्रों का Lateral Entry द्वारा बी.टेक. के द्वितीय वर्ष में सीधे प्रवेश
सतपुड़ा कैम्पस, लालबर्रा रोड, गर्रा-बालाघाट
6262604111, 9425836824 www.satpudaengineeringcollege.com

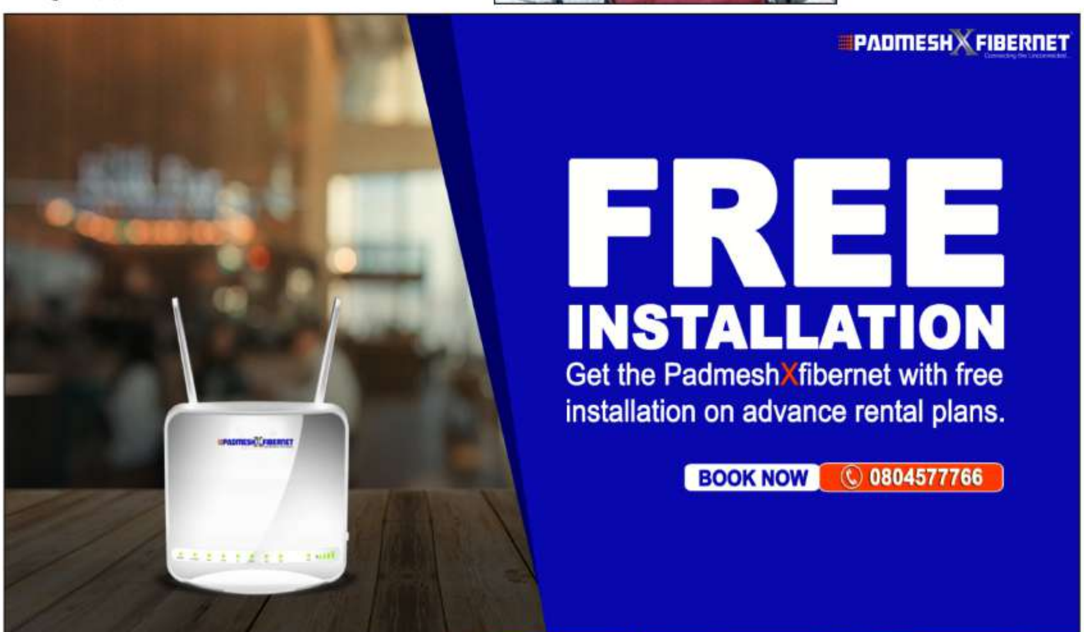

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।